॥श्रीगुरु प्रसन्न॥

सन] ❀ गांधर्व महा विद्यालय. ❀ [१९१९.

Library 1929
Date of Receipt 18/12/25

स्वल्पालाप गायन

(तृतीय भाग.)

संपादक, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इंडियन म्यूझिक,

धर्व महा विद्यालय- बंबई द्वारा रचित

७८१.२३
विष्णु/स्व-३

व अधिकार पुस्तककर्ताने अपने स्वाधीन रखा है.

प्रती १०००. मूल्य १॥ रुपया

गांधर्व महा विद्यालय प्रेस, सँढहर्स्टरोड, मुंबई.

अनुक्रमणिका.

नं	राग	चीज	पृष्ट	
१	आसावरी	कोनयतन	१	ते १३
३	तिलंग	दीनानाथ	१४	२७
२	देशसम्पूर्ण	तूदयाल	२८	३७
५	खमाज.	मेरेतोगिरिधर	३८	४८
४	पहाडी.	हरिनभजे	४९	५८
६	छायालगत्वभैरवी	बितगयेदीना	५९	६८

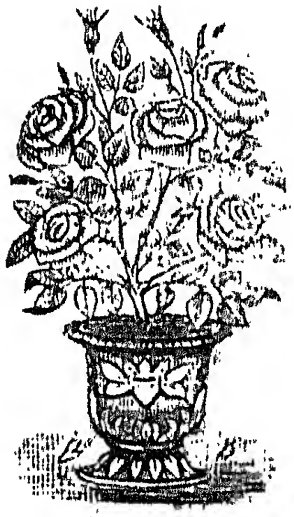

पं. विष्णुदिगंबर पलुस्करजीने बनाई हुई संगीत शिक्षणकी क्रमिक पुस्तके गांधर्व महा विद्यालय सँढहर्स्ट रोड गिरगांव बंबई इस पत्ते पर मिल सकती है.

॥ श्री गुरुदत्त प्रसन्न. ॥

स्वल्पालाप गायन

राग आसावरी

इस राग में ऋषभ और मध्यम शुद्ध गंधार, धैवत निषाद
अतिकोमल आरोह में गंधार वर्ज.

सूचना: — संगीत बाल प्रकाश तृतीयभागके नंबर २
का गीत गाके उसके आगे नीचेके तान आलाप गाना.

तीनताल

तार		
मध्य	प॒ नि॒ ध॒ · नि॒ ध॒ प॒ म॒ प॒ ध॒ म॒ प॒	ग॒ रि॒
मन्द्र		

को : : न य त न बी : न . ती क
३ २ १

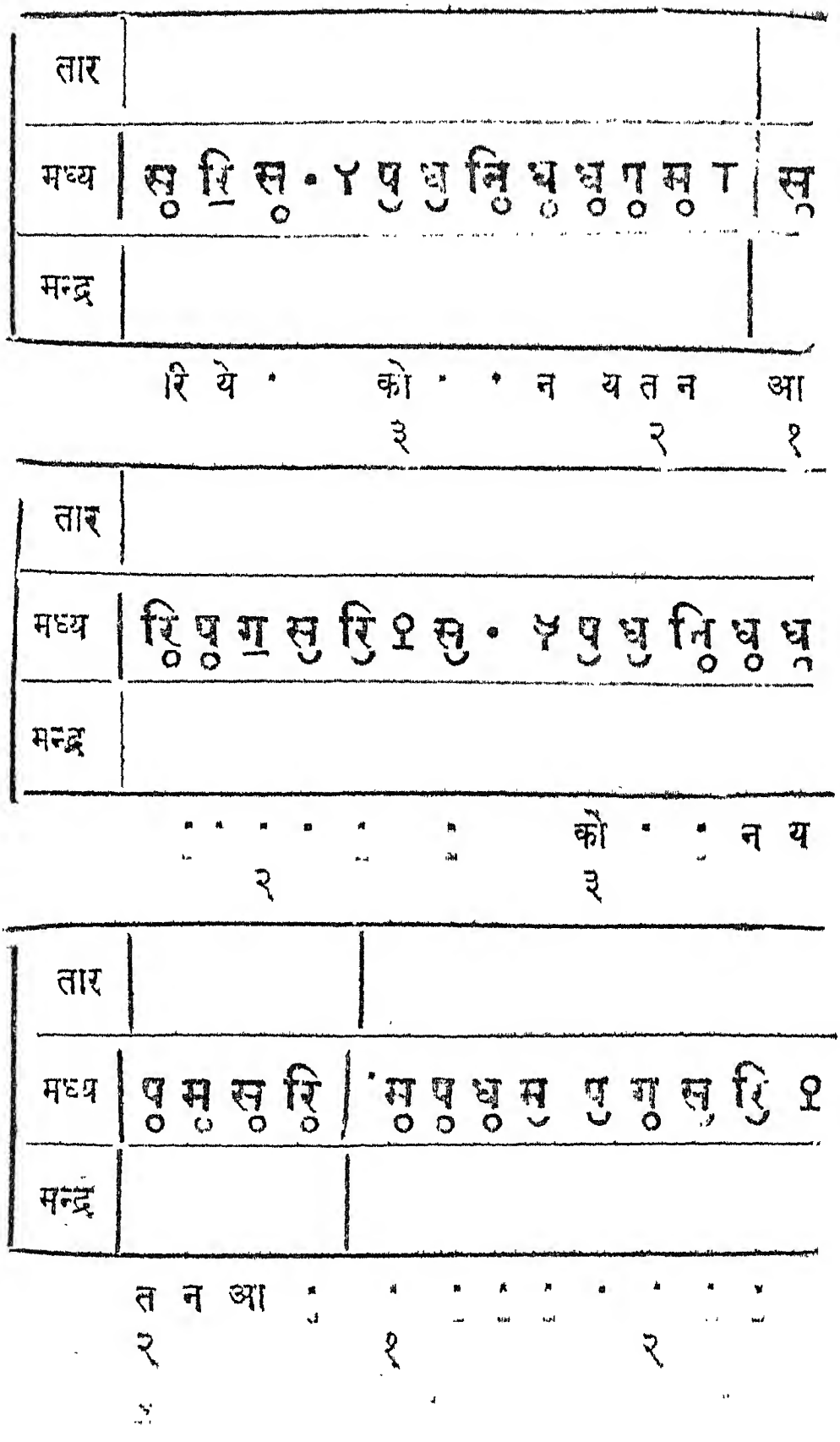
तार
मध्य
मन्द्र
रि ये · को · · न य त न आ
३ २ १
तार
मध्य
मन्द्र
· · · · · · को · · न य
२ ३
तार
मध्य
मन्द्र
त न आ · · · · · · · · ·
२ १ २

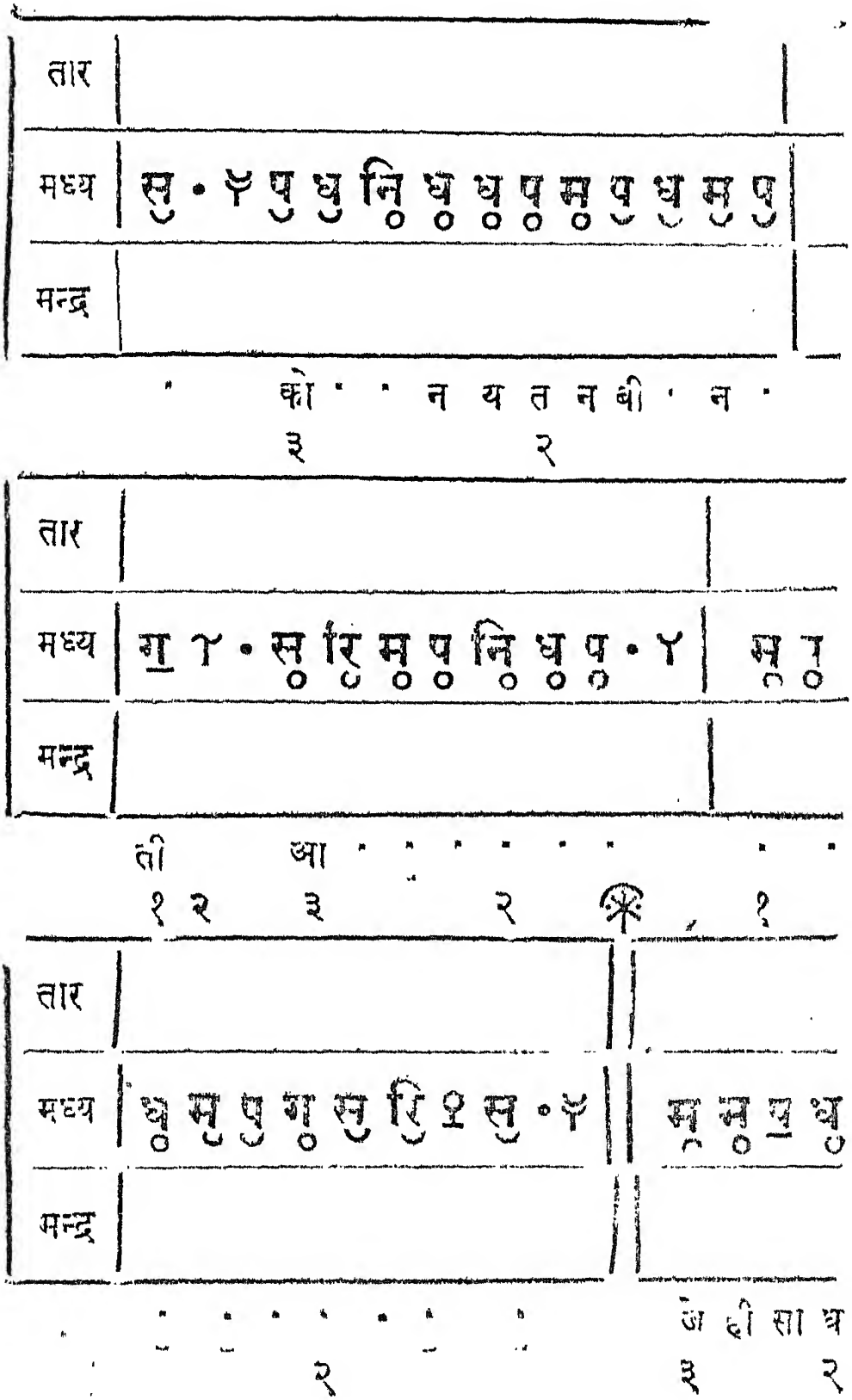
तार
मध्य
मन्द्र
को न य त न बी न
३ २
तार
मध्य
मन्द्र
ती आ
१ २ ३ २ १
तार
मध्य
मन्द्र
जो ही सा ध
२ ३ २

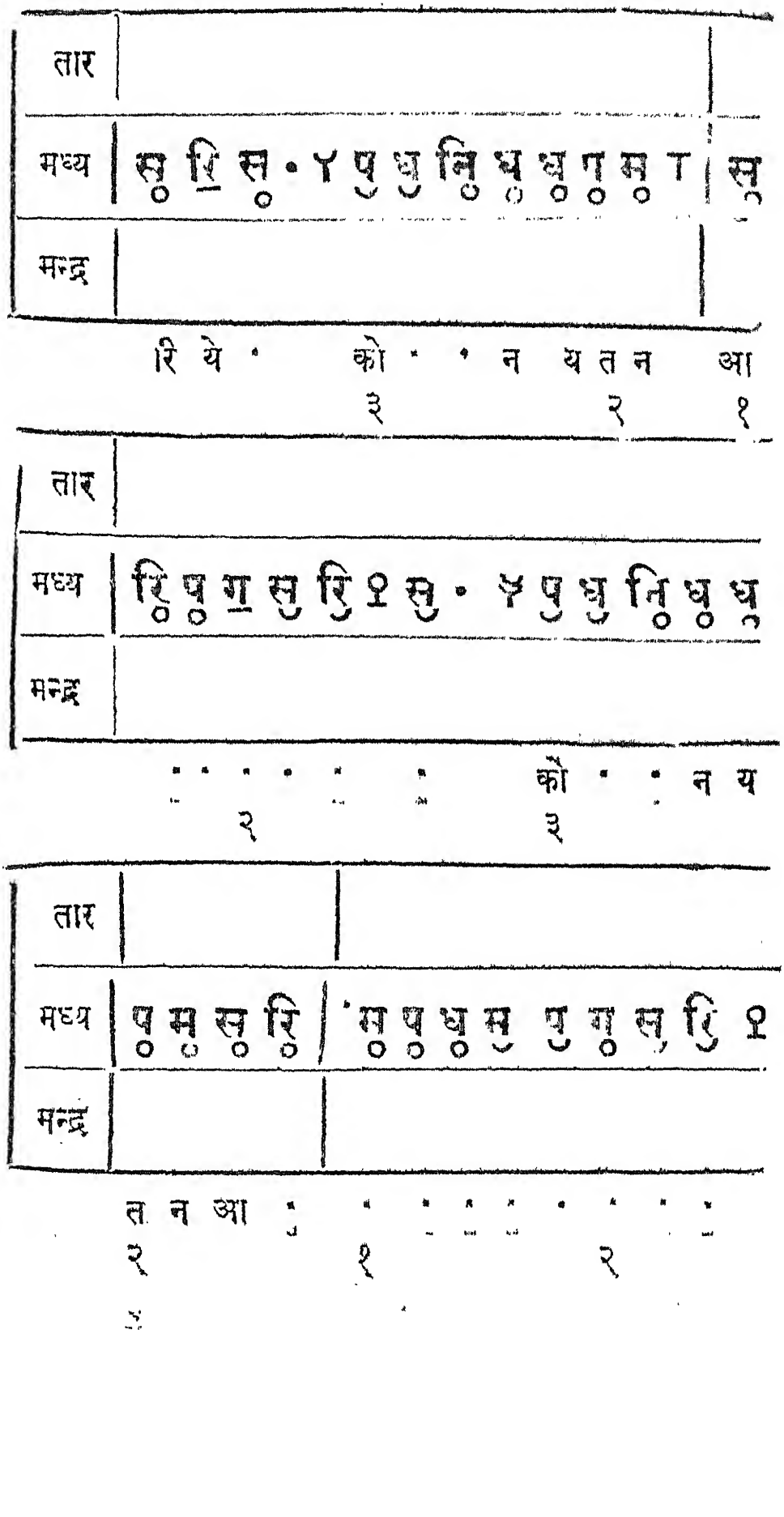
तार
मध्य
मन्द्र
रि ये · को · · न य त न आ
३ २ १
तार
मध्य
मन्द्र
· · · · · · को · · न य
२ ३
तार
मध्य
मन्द्र
त न आ · · · · · · · · ·
२ १ २

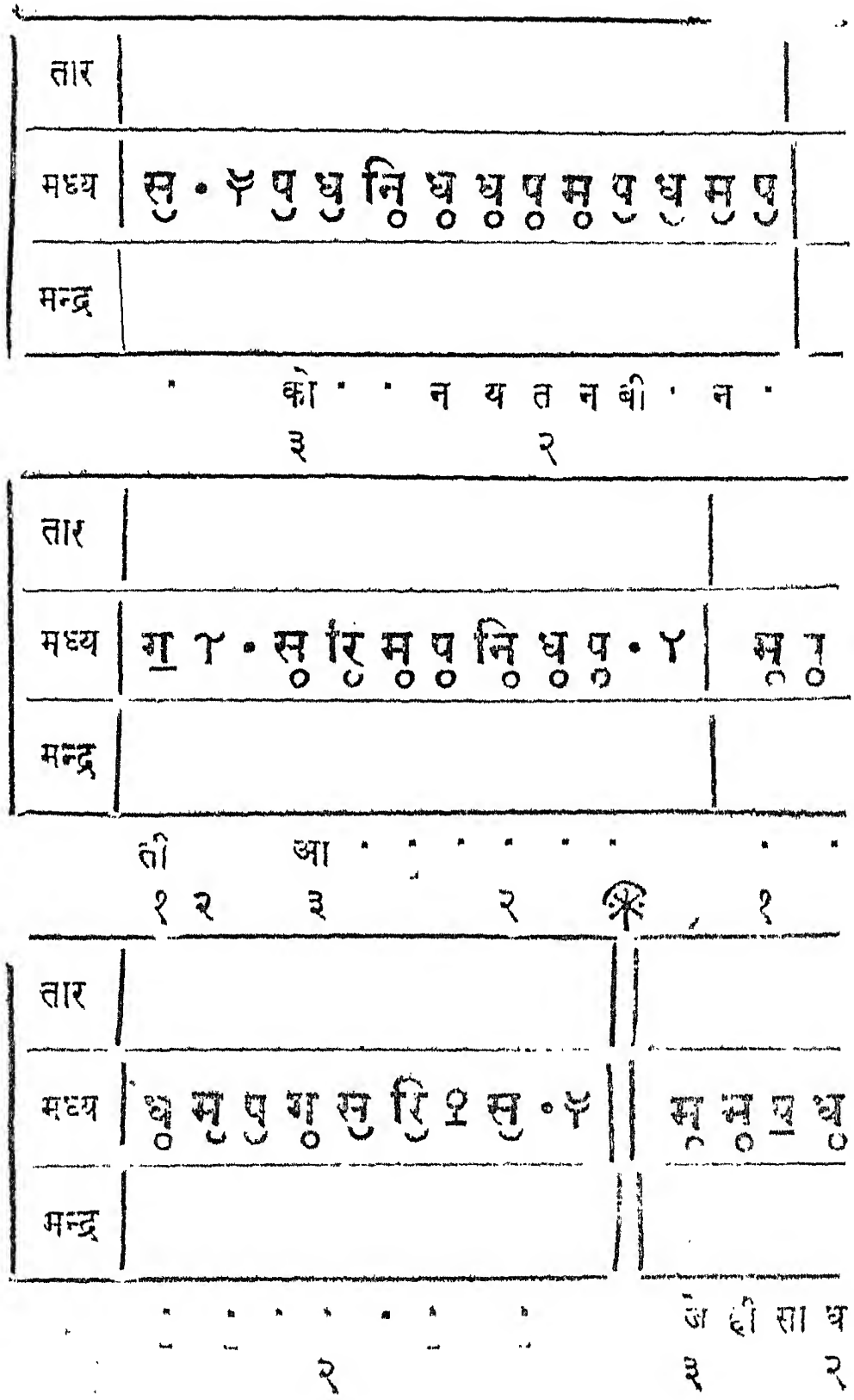
तार
मध्य
मन्द्र
को न य त न बी न
३ २
तार
मध्य
मन्द्र
ती आ
१ २ ३ २ १
तार
मध्य
मन्द्र
जे ही सा ध
२ ३ २

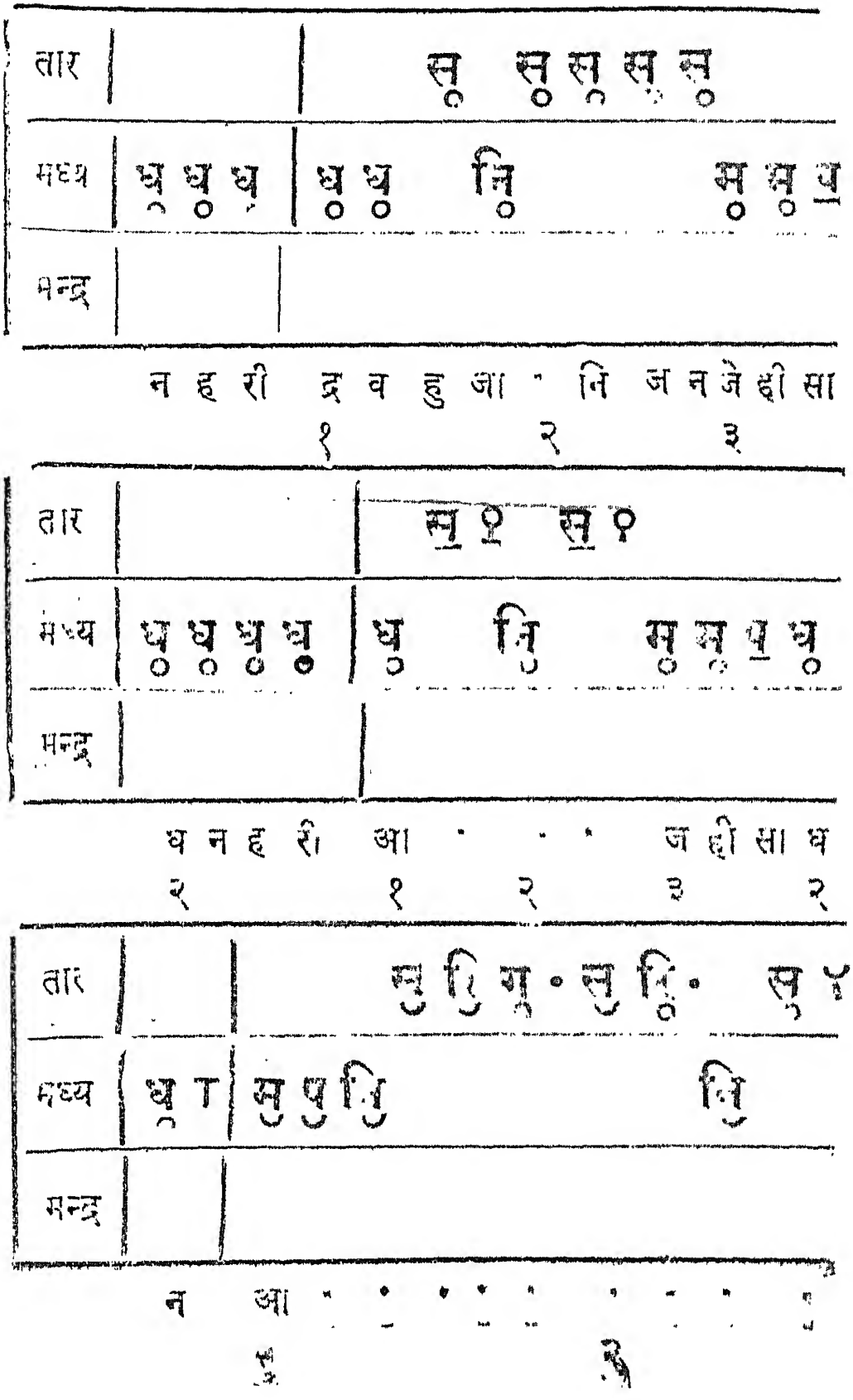
तार
मध्य
मन्द्र
न ह री द्र व हु जा नि ज न जे ही सा
१ २ ३
तार
मध्य
मन्द्र
घ न ह री आ जी सा घ
२ १ २ ३ २
तार
मध्य
मन्द्र
न आ

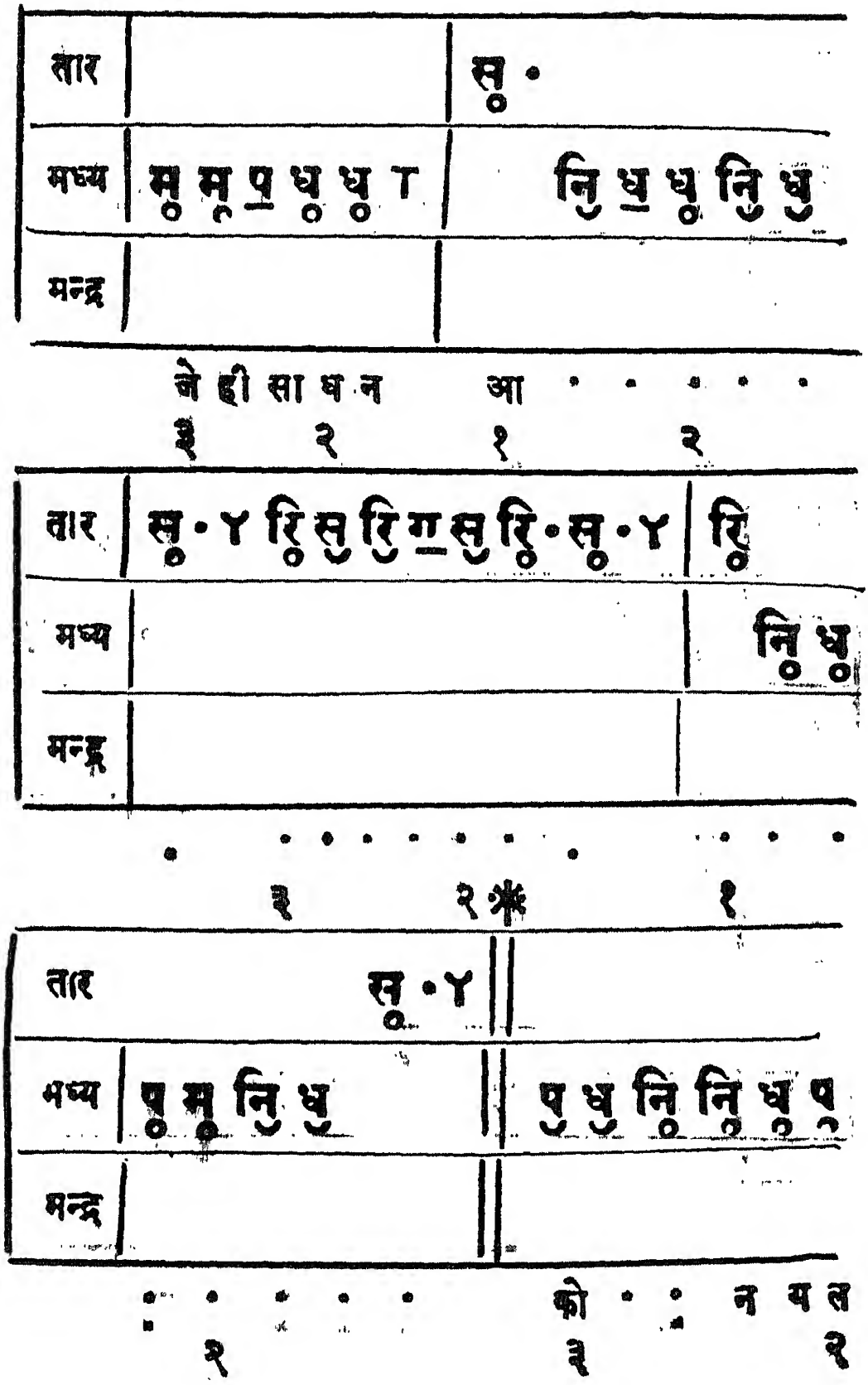
तार
मध्य
मन्द्र
ने ही सा ध न आ
३ २ १ २
तार
मध्य
मन्द्र
३ २ १
तार
मध्य
मन्द्र
को न म ल
२ ३ २

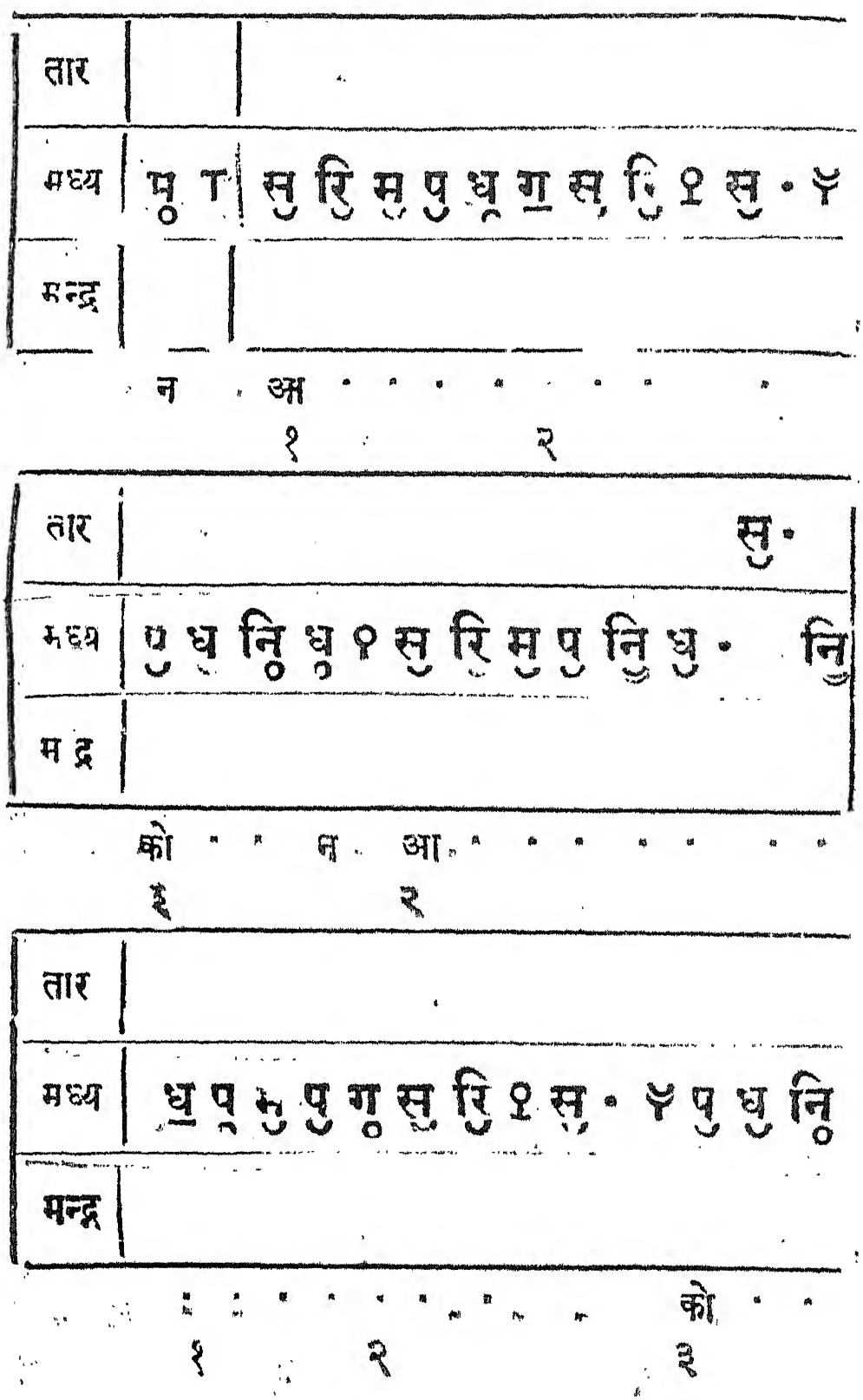
तार
मध्य
मन्द्र
न आ
१ २
तार
मध्य
मद्र
को न आ
१ २
तार
मध्य
मन्द्र
को
१ २ ३

तार		
मध्य	नि॒ ध॒ प॒ म॒ प ध म प	ग॒ ऽ • स रि॒ म॒
मन्द्र		

न य न बी • न • ती आ • •

२ १ २ ३

तार	स॒ रि॒ स॒ रि॒ ग रि॒	
मध्य	प॒ नि॒ ध॒ • नि॒	ध॒ प॒ ध॒
मन्द्र		

. . . . . .

२ ❀ १

तार		
मध्य	म॒ प॒ • ग॒ स॒ रि॒ ऽ स॒ • ऽ	म॒ म॒ प॒ ध॒
मन्द्र		

. . . . . जे ही सा ध

२ ३ २

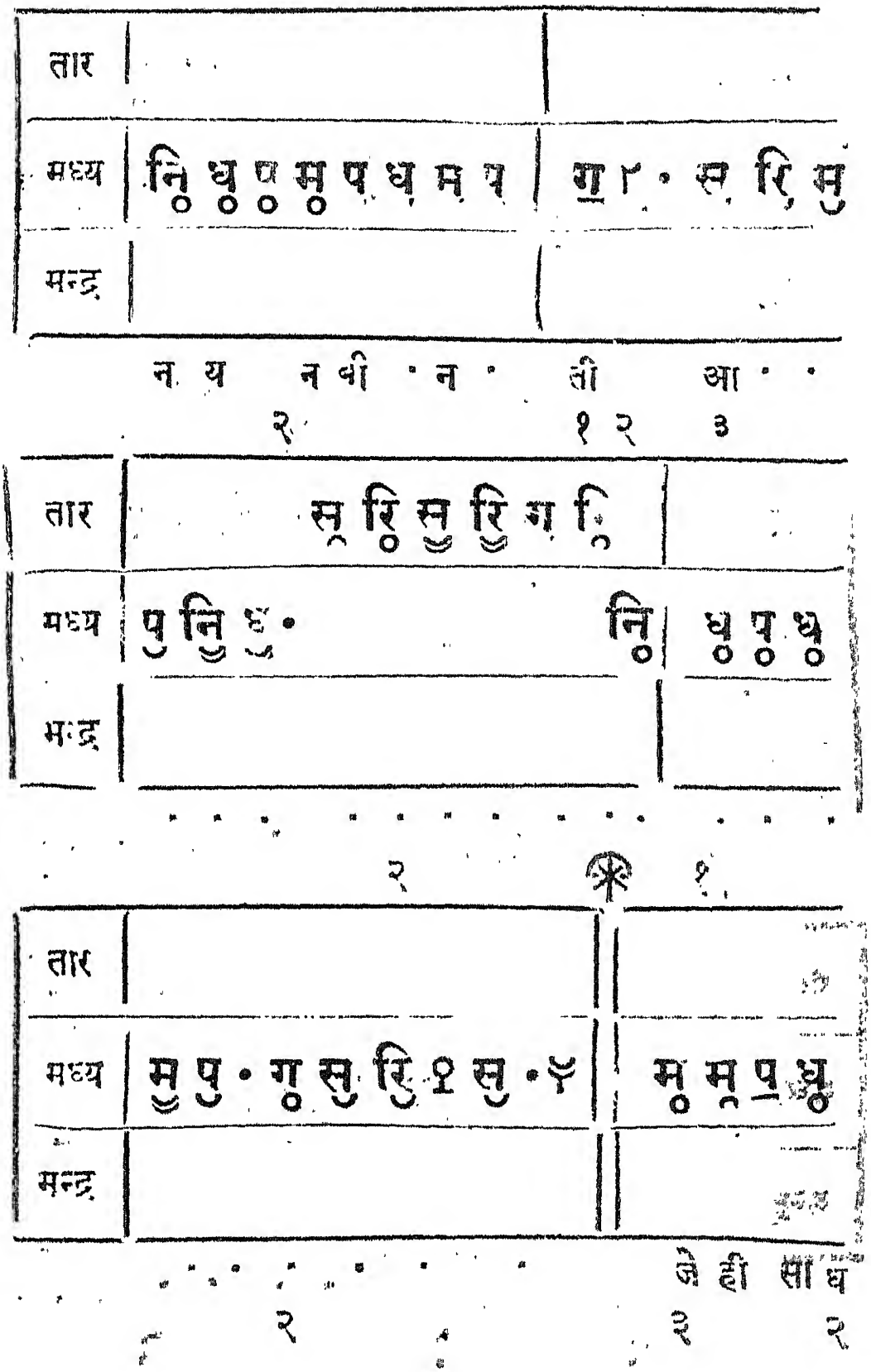

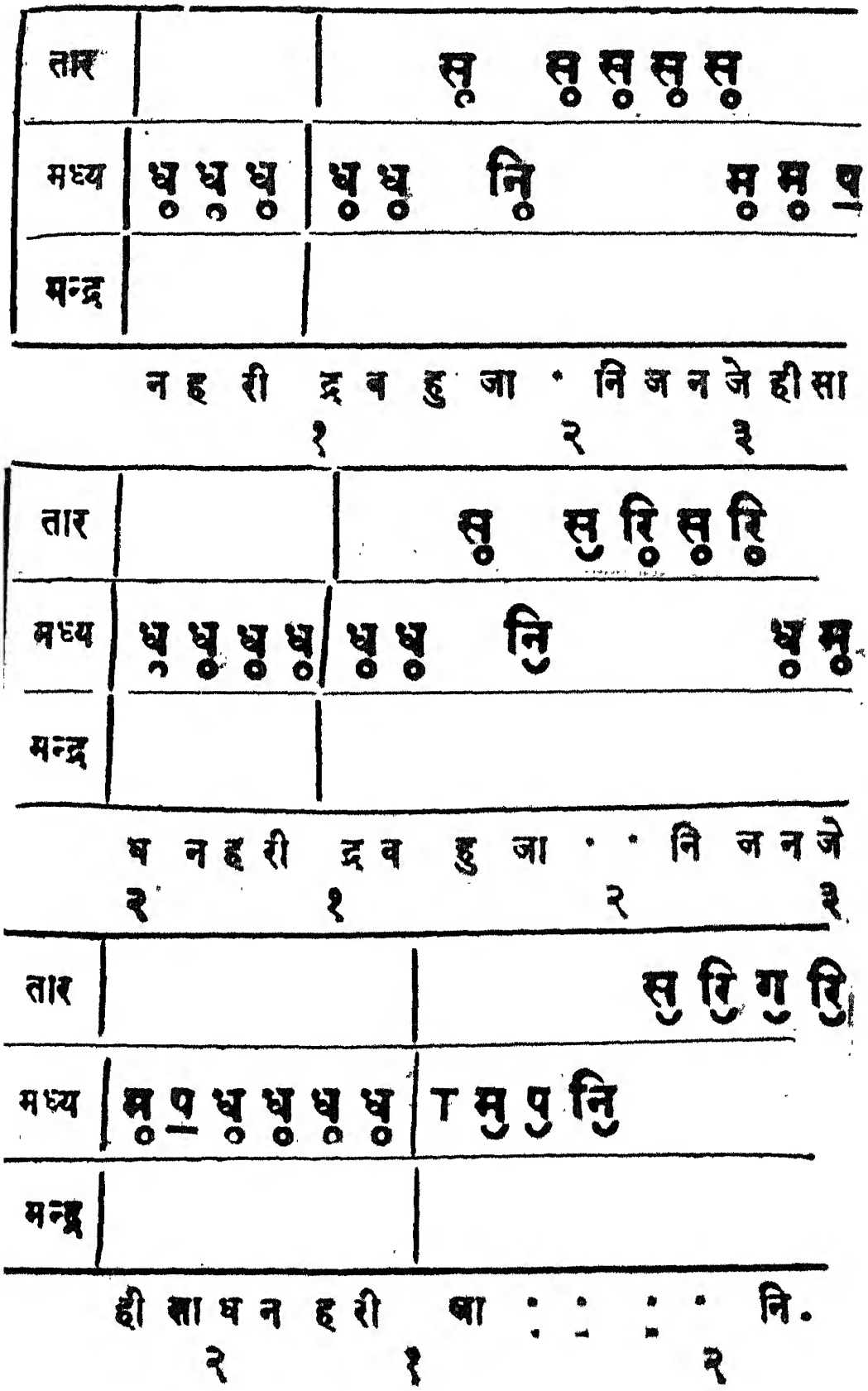
तार
मध्य
मन्द्र
नहरी द्रव हु जा · निजनजेहीसा
१ २ ३
तार
मध्य
मन्द्र
घ नहरी द्रव हु जा · · निजनजे
२ १ २ ३
तार
मध्य
मन्द्र
हीसाधन हरी घा : : : · नि.
२ १ २

९

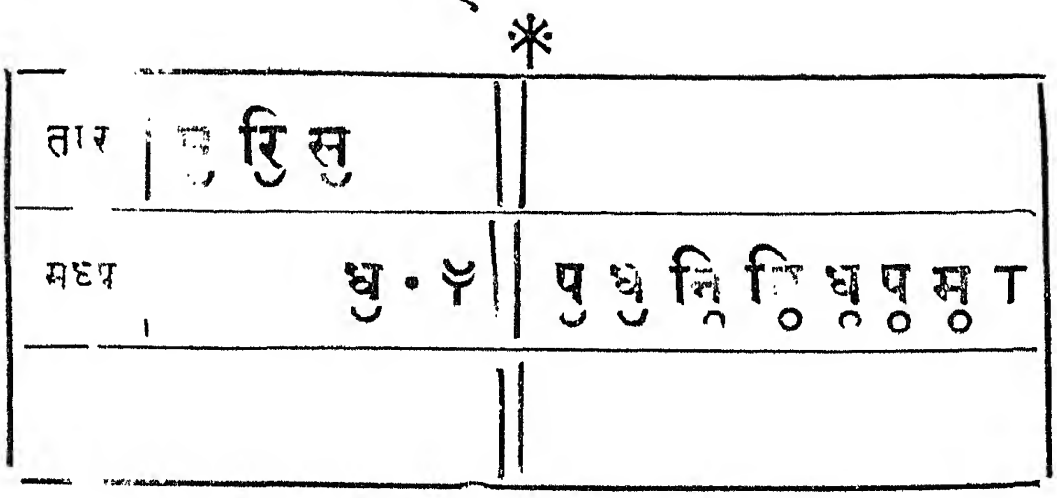

*

तार	[illegible] रि स	
मध्य	ध • ४	प ध नि नि ध प म T

. ज . न को . . न य त न

३ २

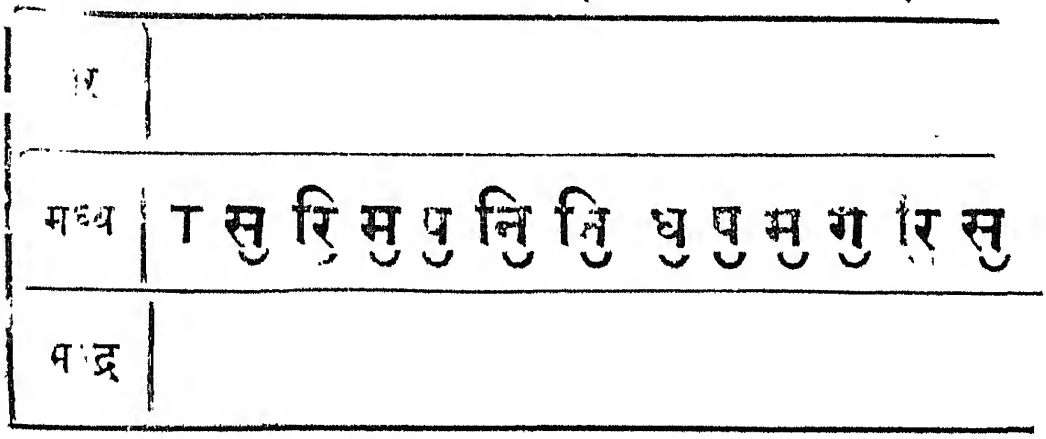

तार	
मध्य	T स रि म प नि नि ध प म ग रि स
मन्द्र	

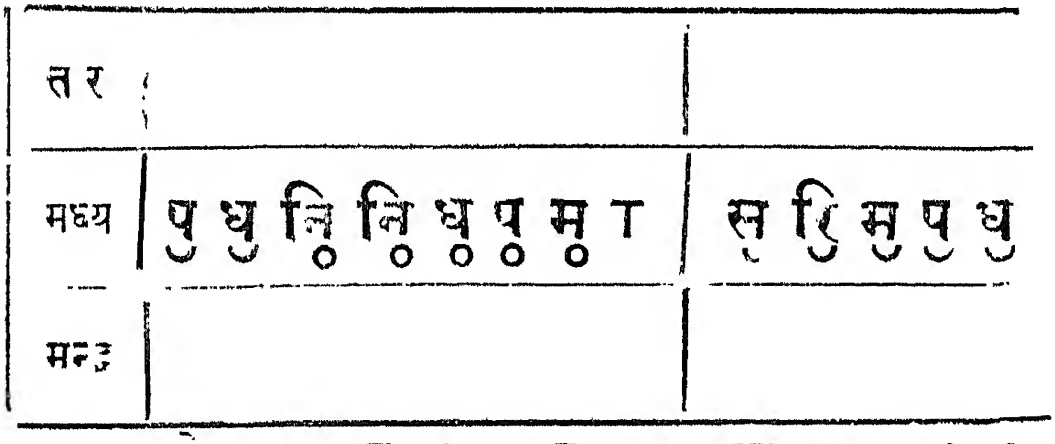

आ . . . . . .

१ २

तार		
मध्य	प ध नि नि ध प म T	स रि म प ध
मन्द्र		

को . . न य त न आ . . . .

३ २ १

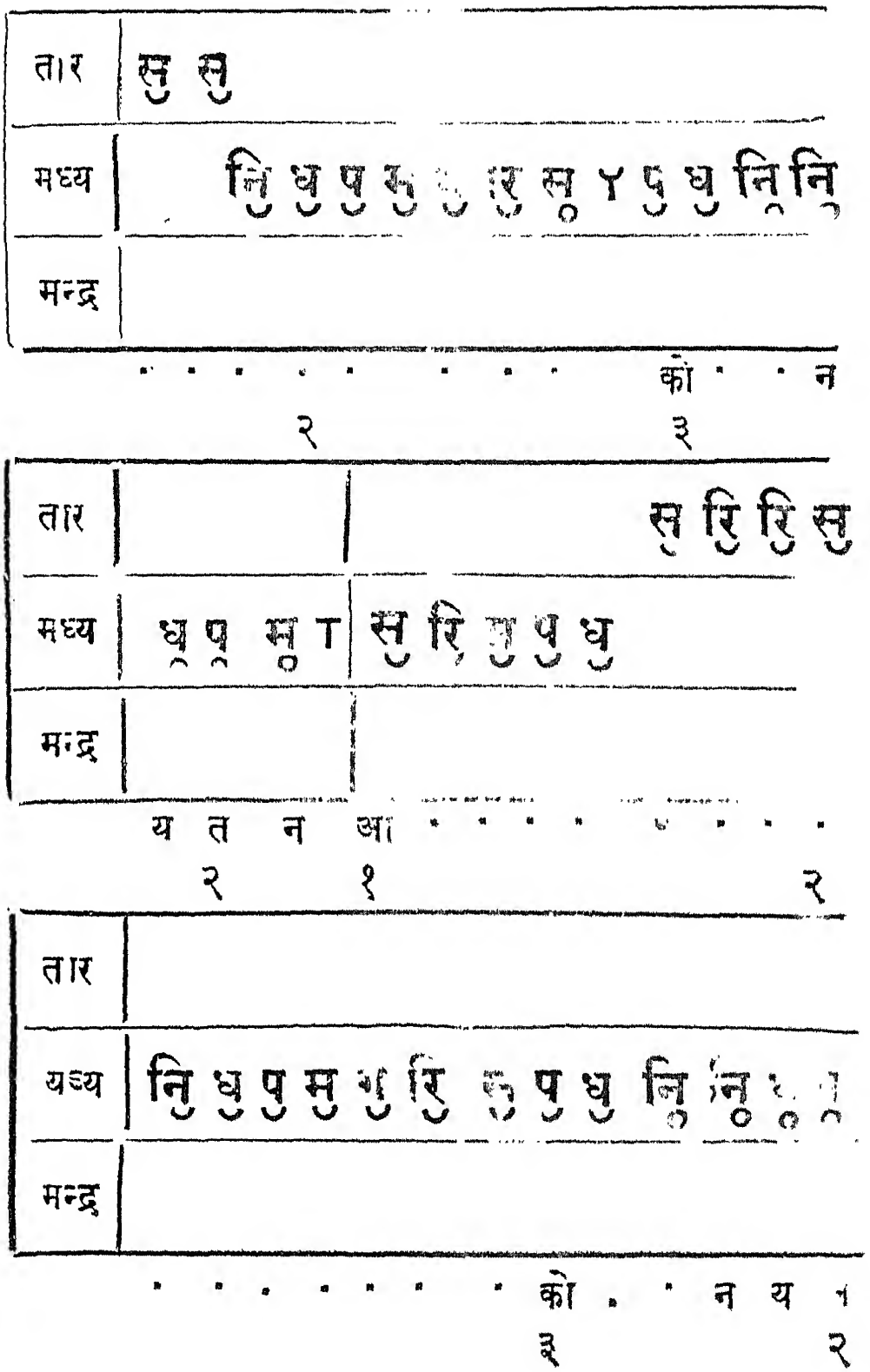
तार
मध्य
मन्द्र
को न
२ ३
तार
मध्य
मन्द्र
य त न आ
२ १ २
तार
मध्य
मन्द्र
को न य
३ २

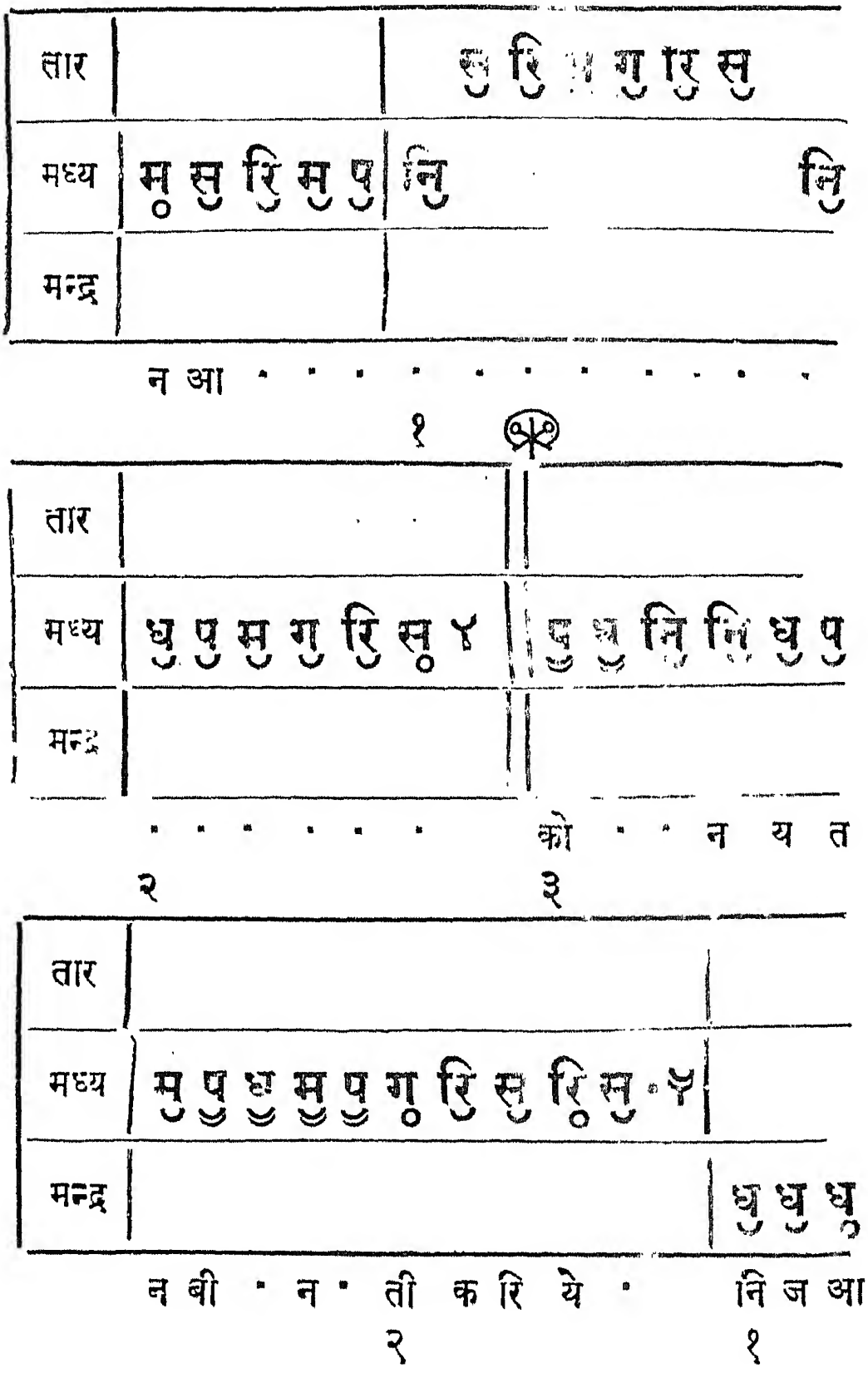
तार
मध्य
मन्द्र
न आ
१
तार
मध्य
मन्द्र
को न य त
२
३
तार
मध्य
मन्द्र
न बी न ती क रि ये
नि ज आ
२
१

तार	
मध्य	स स स रि ऽ ग रि रि रि स स ऽ स
मन्द्र	

च र ण वि चा रि हा रि हि य मा

२ ३

तार	स ऽ स रि ग रि स
मध्य	रि म प ध नि ध ध
मन्द्र	

नि जा नी ड रि ये . . . . . .

२

तार		
मध्य	स ऽ	प ध नि नि ध प म प ध म प
मन्द्र		

. को . . न य त न बी . न .

१

तार	
मध्य	गू • ४ पु धु नि नि धु प मु पु धु मु पु
मन्द्र	

ती को • • न य त न बी • न •
२ ३

ता	
मध्य	गू • ४ पु धु नि नि धु प मु पु धु मु पु
मन्द्र	

ती को • • न य त न बी • न •
२

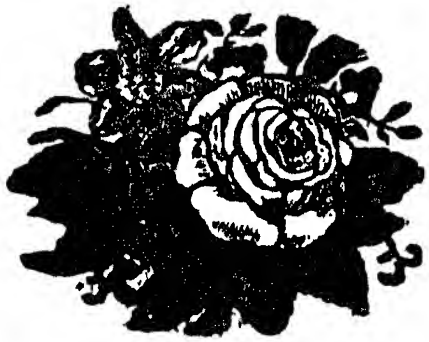

राग तिलंग ओडव.

इस रागमे ऋषभ धैवत वर्ज, दो निषाद एक शुद्ध और
दूसरा अतिकोमल बाकीके सब शुद्ध स्वर लगतेहै
अतिकोमल नि के वास्ते निशानी होगी.

तीनताल.

तार	सु	
मध्य	१ गु मु पु ४ नि॒ पु नि॒	४ नि॒ प॒ मु गु॰
मन्द्र		

दी . ना . . ना . थ आ ब बा
२ ३ २

तार		
मध्य	मु पु॰	पु गु मु गु सु १ १ गु सु १ सु
मन्द्र		नि॒

र तु ह्मा . . री . आ . . .
१ २ ३

तार		
मध्य	ग म प • ४ ग प	९ म ग स ९ ग म प
मन्द्र		

. . . . . दी . ना

२ १ २

तार	स	
मध्य	४ नि प नि ४ नि प म ग • ग ९	४
मन्द्र		नि

. . ना . थ आ ब बा र आ

३ २ १ २

तार	
मध्य	स ग म प • ४ प प ४ नि प • ४ ४ नि
मन्द्र	

. . . . . .

३ २

तार		
मध्य	पु मू ९ पु मु	गु · ४ मु गु सु · ४ ९ गु
मन्द्र		

. . . . दी

१ २

तार	सु
मध्य	मू पु ४ निु पु निु ४ निु पु मू गु · मु ९
मन्द्र	

. ना . . ना . थ आ म ना रे

३ २

तार	
मध्य	४ सु गु मु पु · ४ पु · मु ४ निु पु · ४
मन्द्र	निु

आ . . . . . .

१ २ ३

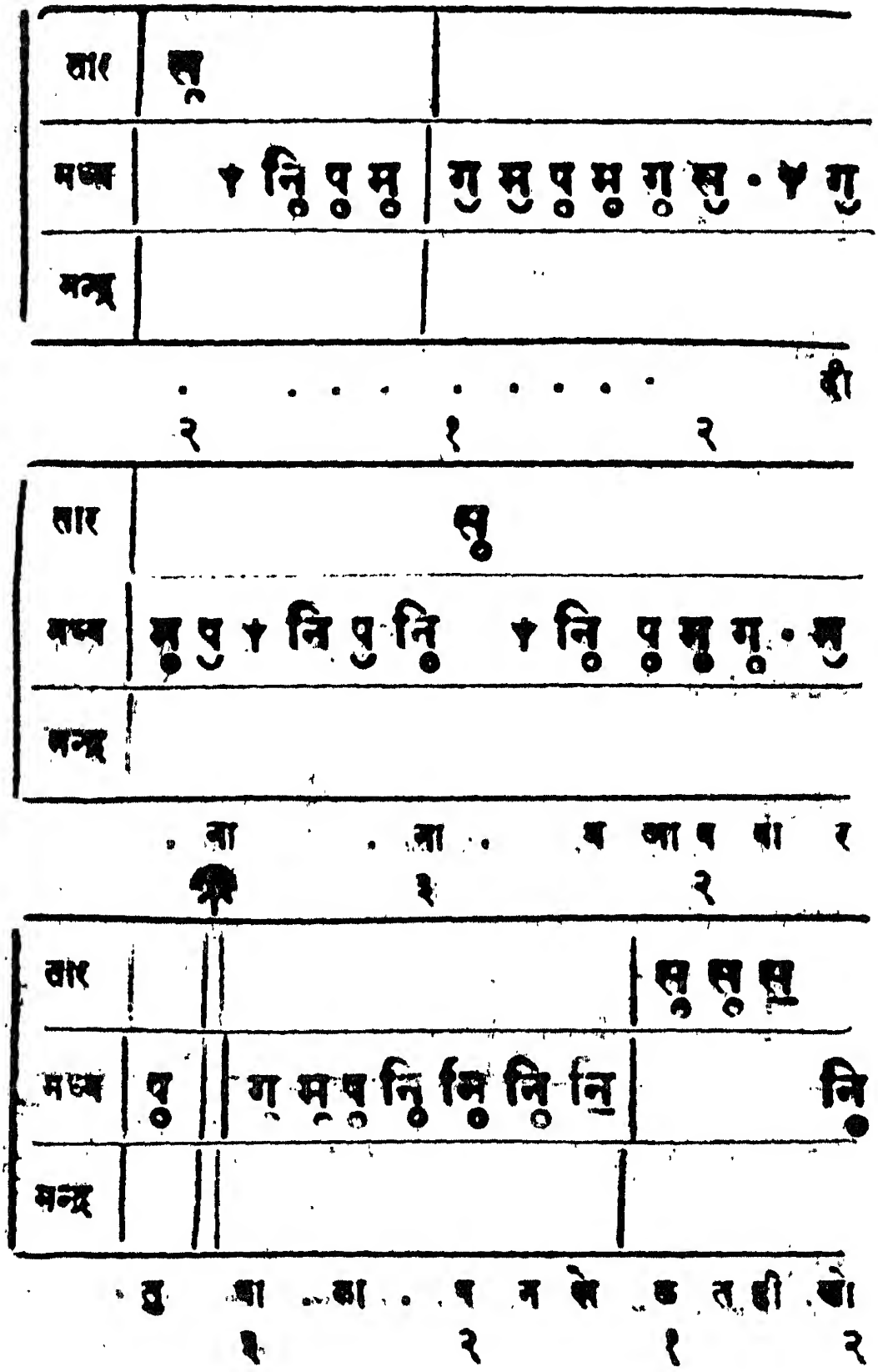
तार
मध्य
मन्द्र
२ १ २
तार
मध्य
मन्द्र
२ १ २
तार
मध्य
मन्द्र
२ १ २

तार	स॒ स॒ • ४ स॒	९
ध्यम	— ग॒ म॒ प नि नि नि॒	
मन्द्र		

• यो बा • ला • प न आ
३ २ १

तार	स॒ ४
मध्य	४ नि॒ प॒ म॒ ९ ग॒ म॒ प॒ ग॒ म॒ प॒ नि॒
मन्द्र	

• • • • • • • बा • ला •
२ ३

तार	स॒ स॒	९ स॒
मध्य	नि॒ नि॒	४ नि॒ प॒ म॒ ग॒ म॒ प॒
मन्द्र		

प न आ • • • • • • • •
१ १ २

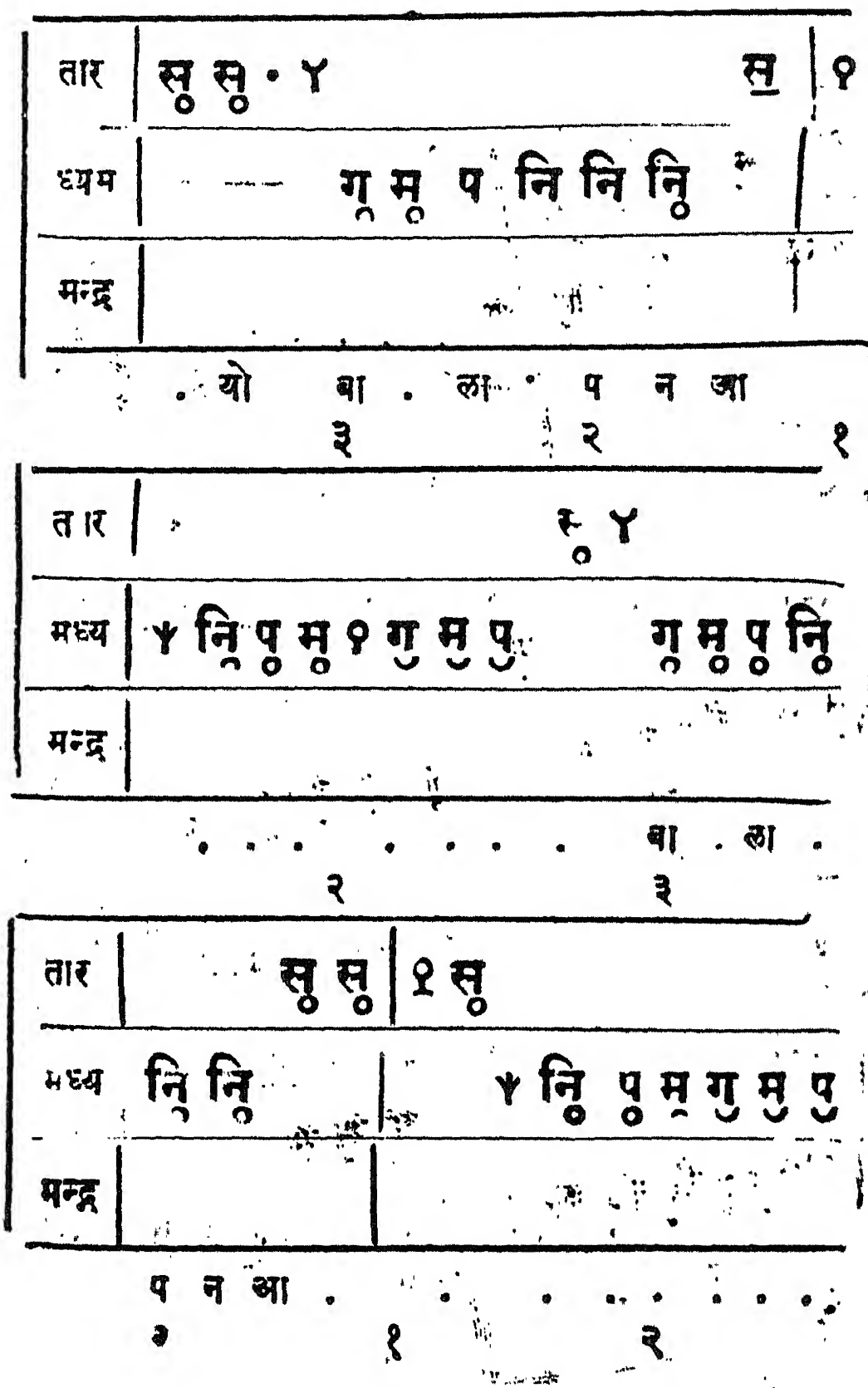

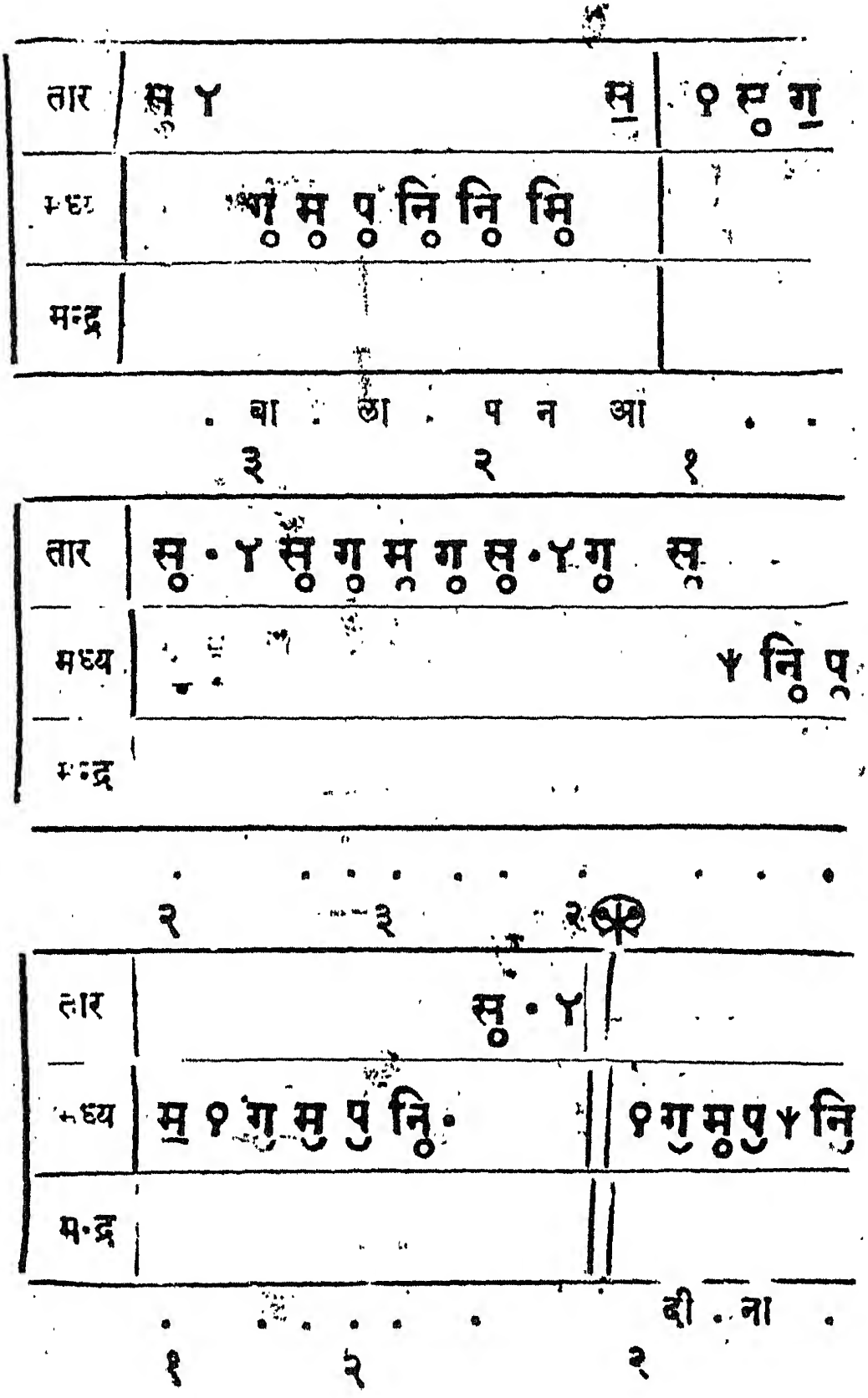
तार
मध्य
मन्द्र
बा . ला . प न आं
३ २ १
तार
मध्य
मन्द्र
२ ३ २
तार
मध्य
मन्द्र
दी . ना .
१ २ २

तार	स॒ स॒	१
मध्य	प॒ नि॒ ऽनि॒ प॒ म॒ • ऽ ग॒ म॒ प॒ ऽ	
मन्द्र		

. ना . ब अ ब आ . . .

३ २ १

तार	स॒
मध्य	ऽनि॒ प॒ म॒ ऽग॒ म॒ प॒ ऽनि॒ प॒ नि॒ ऽनि॒ प॒
मन्द्र	

. . . दी . ना . . ना . ब अ

२ ३

तार	स॒	ग॒ स॒
मध्य	म॒ • ऽ ग॒ म॒ प॒ नि॒	ऽनि॒ प॒ म॒ ग॒
मन्द्र		

ब आ . . . . . दी

२ १ २

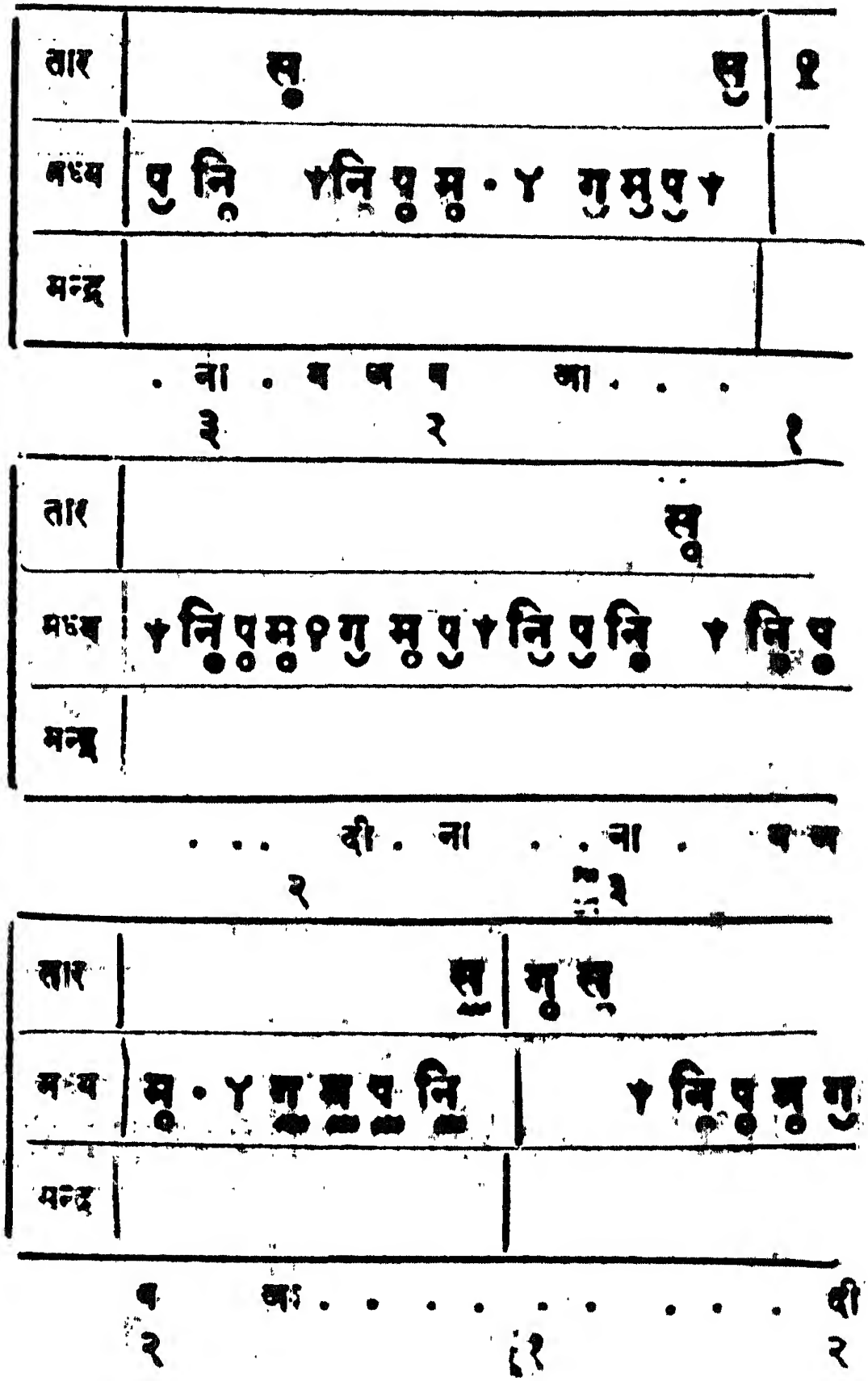

तार	[illegible] ग स ९ [illegible]	
मध्य		४ नि प म ९ ग म प
मन्द्र		

. . बा ला प न . . खे . .
२ १ २

ता॰	स
मध्य	४ नि प नि [illegible] नि नि ग ग ४ प नि
मन्द्र	

. . . ल त ही . बा . ला .
३

तार		स स स	
मध्य	नि नि नि		९ ग म प ४
मन्द्र			

प न खे ल त . दी . ना
२ १ २

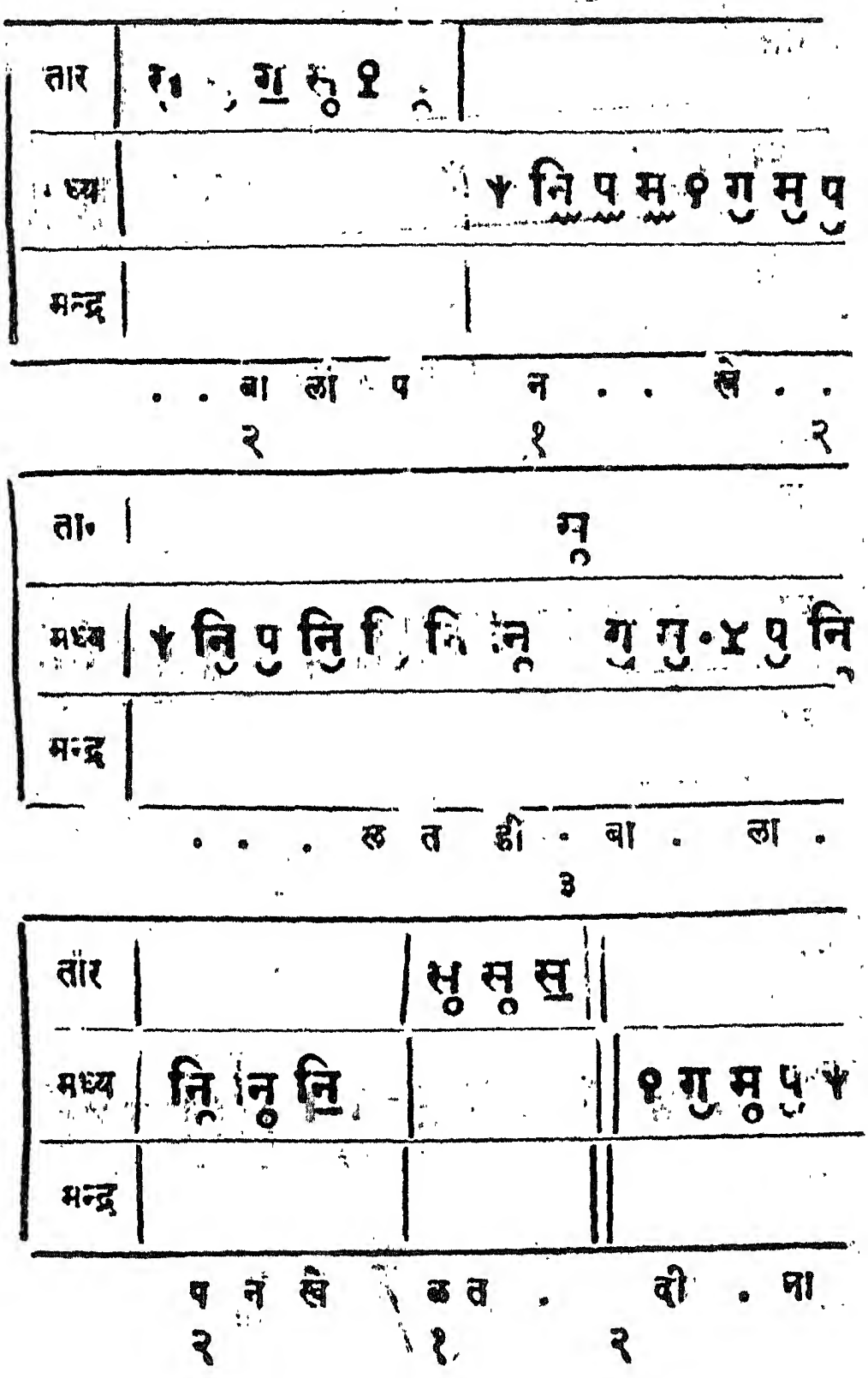

तार	स्	
मध्य	नि प नि ४ नि प म • ४ T	ग म
मन्द्र		

. . ना . थ अ ब आ .
३ २ १

तार	
मध्य	प ४ नि ४ नि प म ग म ग म प ४ नि
मन्द्र	

. . . . . दी . ना .
२

तार	स्	
मध्य	प नि ४ नि प म • ४ T	ग म प नि
मन्द्र		

. ना . थ अ ब आ . . .
३ २ १

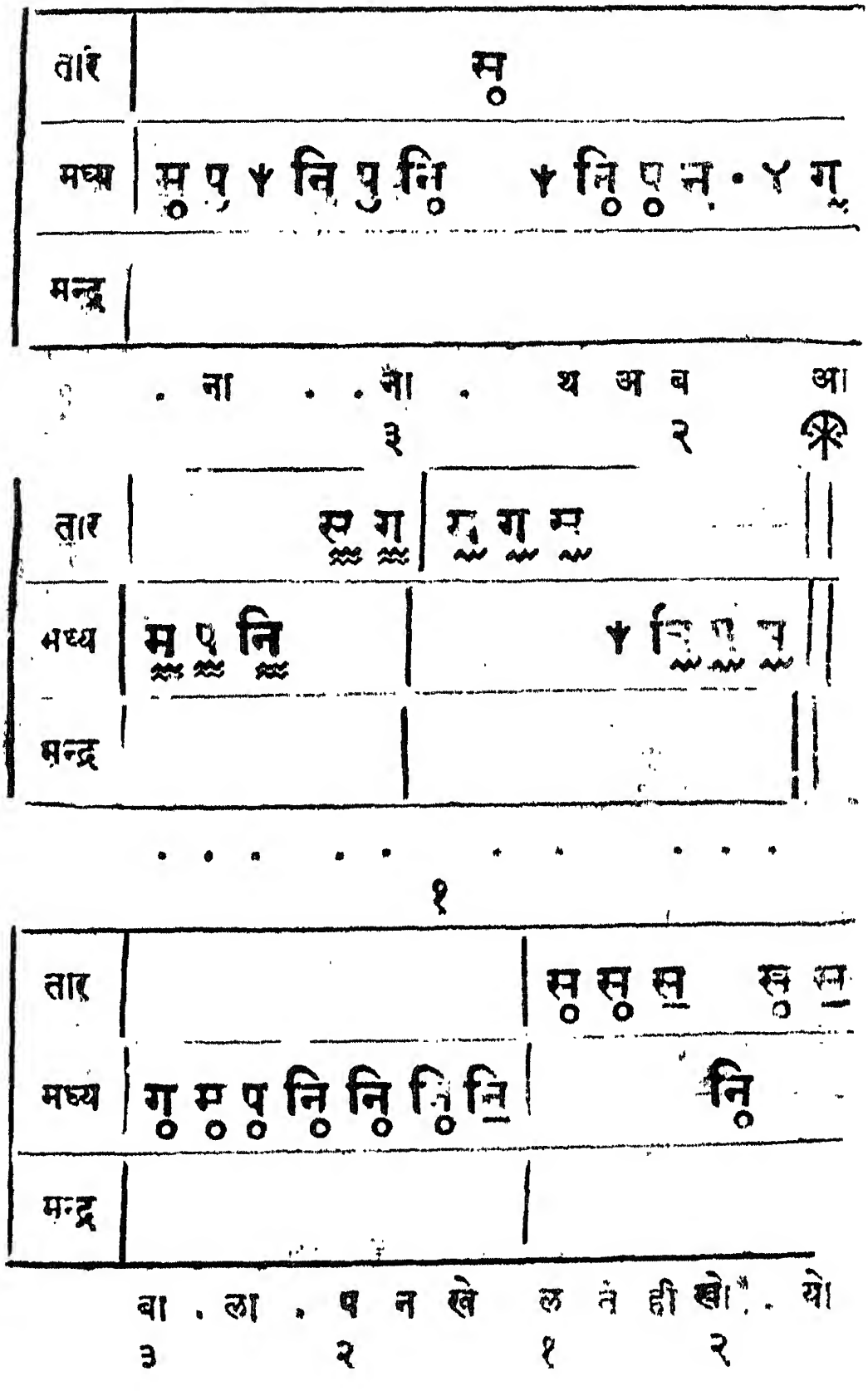
तार
मध्य
मन्द्र
ना . . नो . थ अ ब आ
३ २
१
बा . ला . प न खे ल ते ही खो . यो
३ २ १ २

तार	९ सु	
मध्य	९ . . म प नि नि ४ नि प म .	९ ग
मन्द्र		

बा . . ला प न . . खे
३ २ . . १

तार	स सु .
मध्य	म प नि नि नि नि नि ग म ग
मन्द्र	

. . . ल त ही . . बा . ला
२ ३

तार		सु सु स ४
मध्य	नि नि नि न	ग म प नि
मन्द्र		

. प न खे ल त ही . . . .
२ १ २ ३

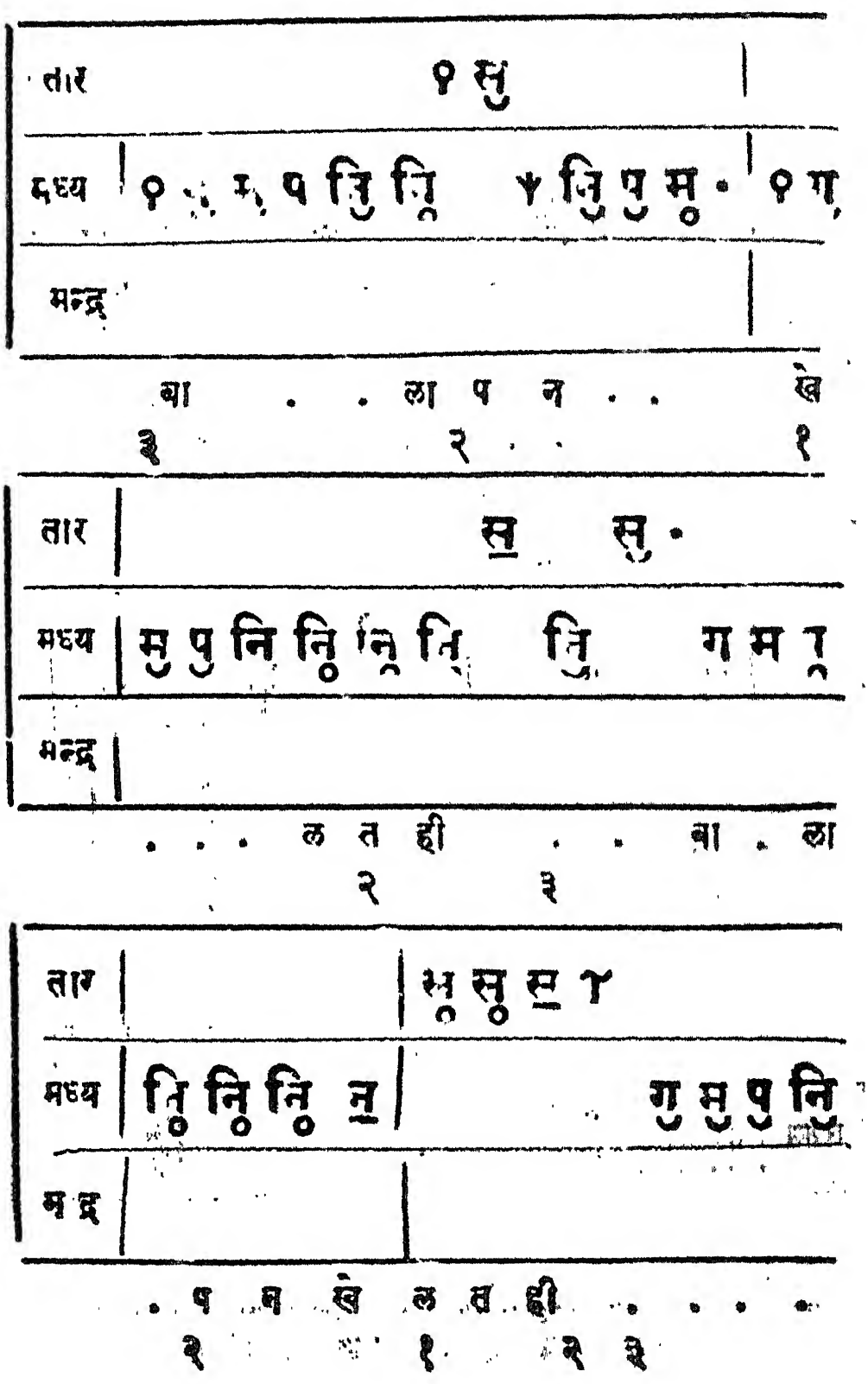

तार	[illegible]
मध्य	४ नि प म ग • ४ ग म प ४ नि प नि
मद्र	

. . . . दी . ना . ना

२ ३

तार	स्	स ग ग स
मध्य	४ नि प म • ४ ग म प नि	
मद्र		

. थ अ ब आ . . . . . .

२ १

तार	स्
मध्य	४ नि प म ग ० ग म प ४ नि प नि
मन्द्र	

. . . . दी . ना . . ना .

२ ३

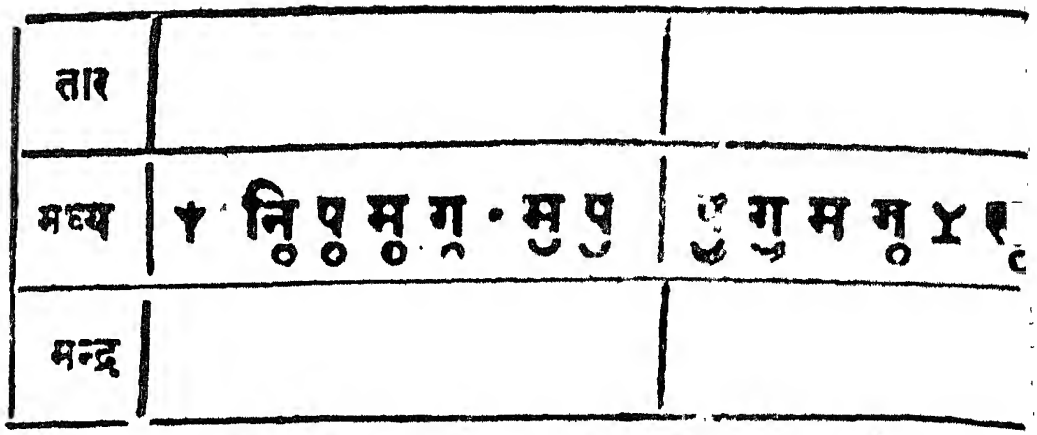
तार
मध्य
मन्द्र

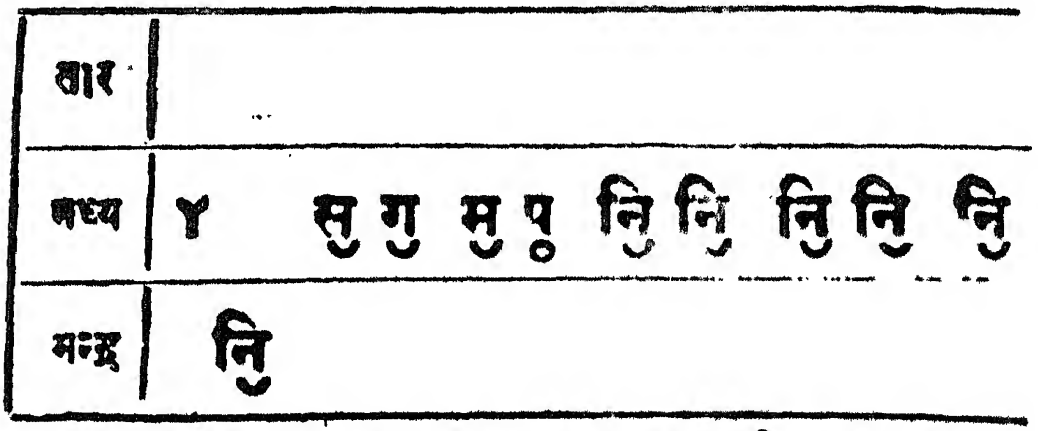
तार
मध्य
मन्द्र

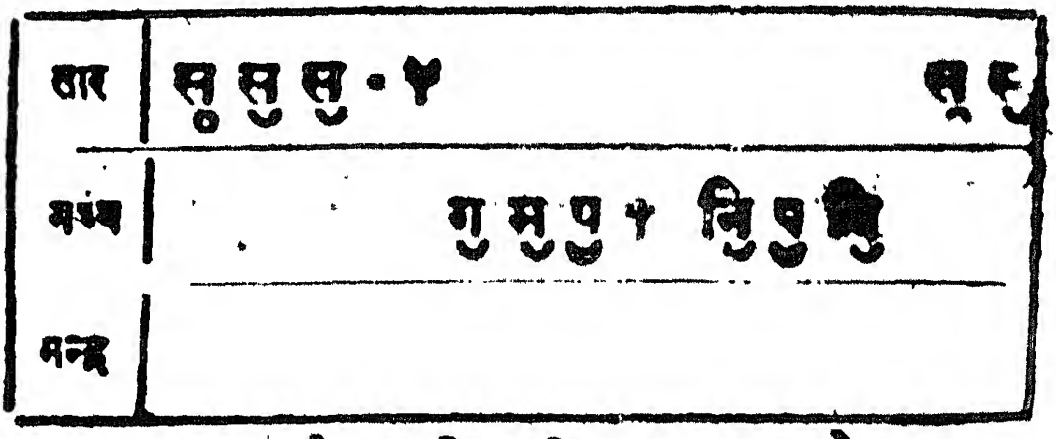
तार
मध्य
मन्द्र

तार	सु
मध्य	नि॰ ध॰ नि॰ प॰ गु॰ प॰ ध॰ नि॰ प॰ नि॰
मन्द्र	

| | | |

राग देश सम्पूर्ण.

ताल दादरा.

इस राग में दो निषद शुद्ध और अतिकोमल बाकी के सब शुद्ध स्वर, अतिकोमल नि के वास्ते निशानि होगी. आरोह में गंधार धैवत वर्ज.

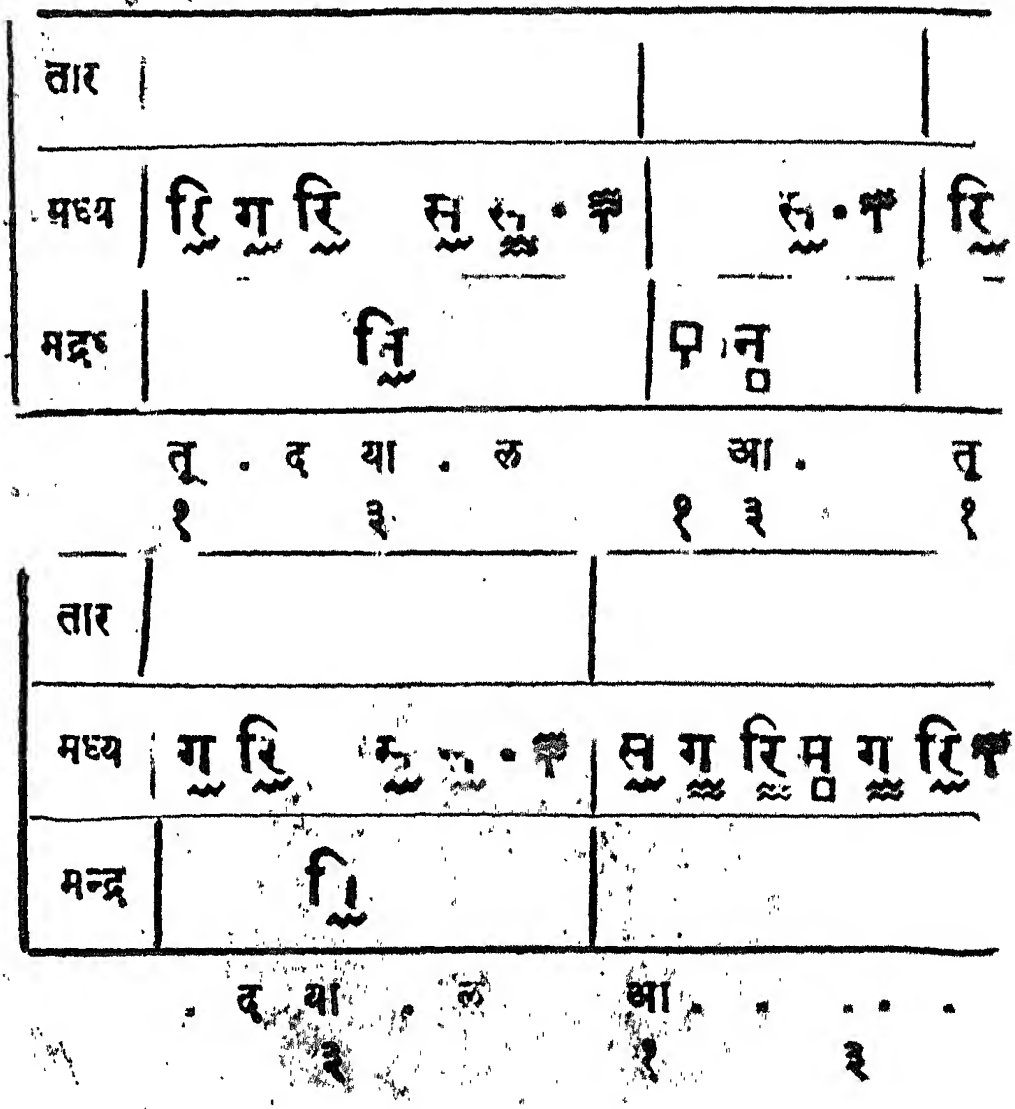

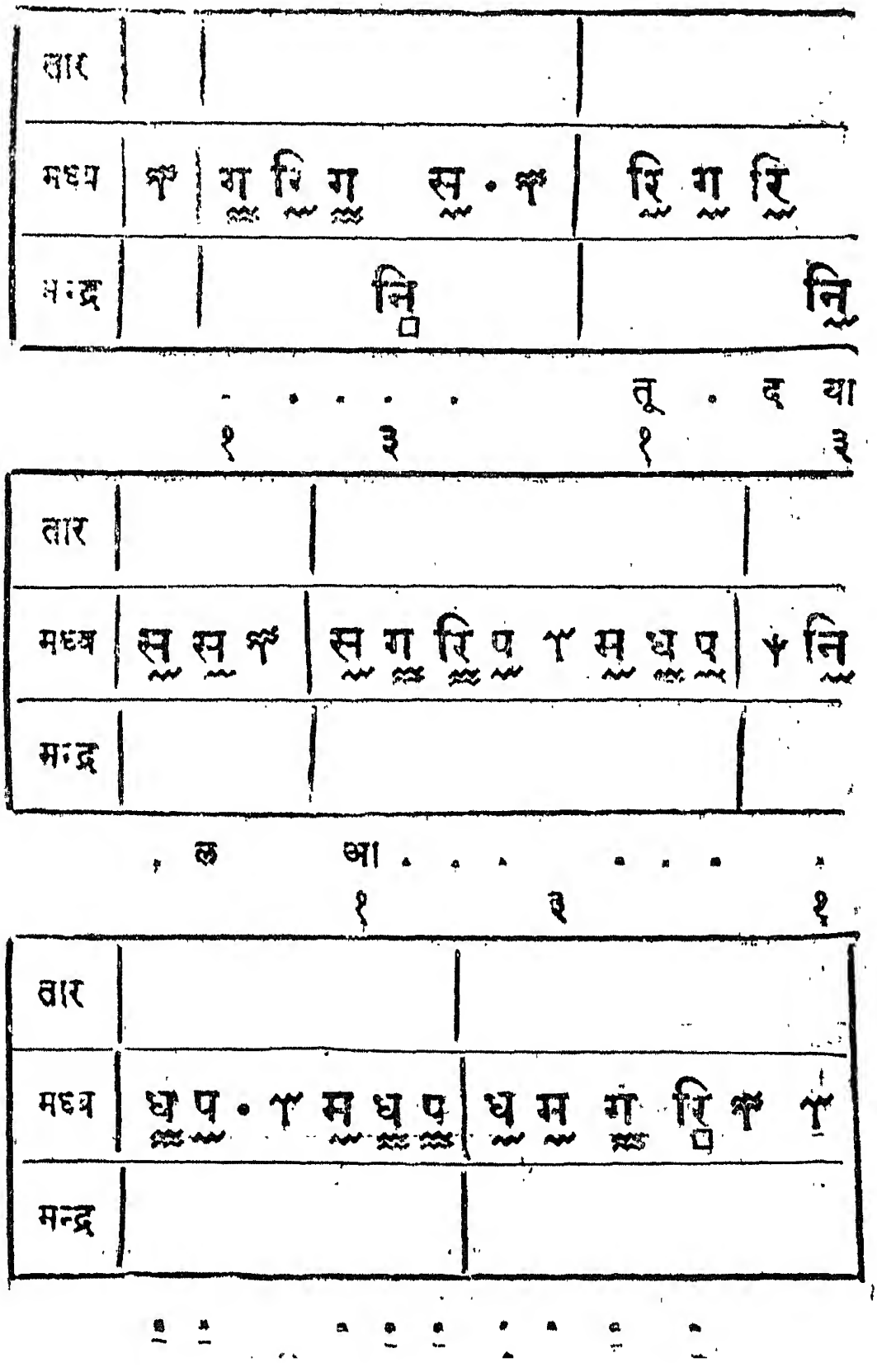
तार
मध्य
मन्द्र
तू . द या
१ ३ १ ३
ल आ

तार		
मध्य	ग रि ग स ॰ ॰	म प नि नि ॰ ॰
मन्द्र	नि	

. . . . . नाथ तू अ
१ ३ १ ३

तार	स स स ॰		स ॰ ॰
मध्य		म प नि ॰	प नि
मन्द्र			

नाथ को नाथ तू आ .
१ ३ १ ३ १ ३

तार		स रि स रि	
मध्य	म प नि ॰	नि	४ नि ध
मन्द्र			

नाथ तू आ . . . .
१ ३ १ ३

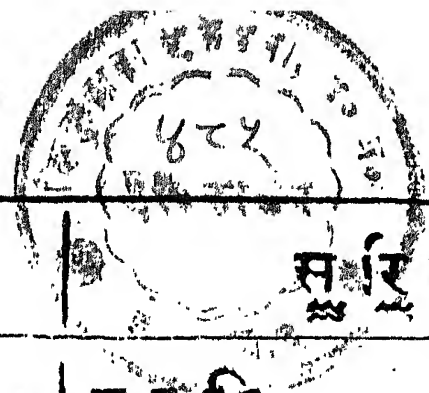

तार			स रि म
मध्य	प • ॐ	म ा नि •	म प नि
मन्द्र			

. ना थ तू आ . . . . . .

१ ३ १

तार	ऽ • ग रि • ॐ	ग रि ग स • ॐ
मध्य		नि
मन्द्र		

. . . . . .

३ १ ३

तार		
मध्य	रि ग रि स स • ॐ	स रि म प ध
मन्द्र	नि	

तू . द या . क

१ ३ १

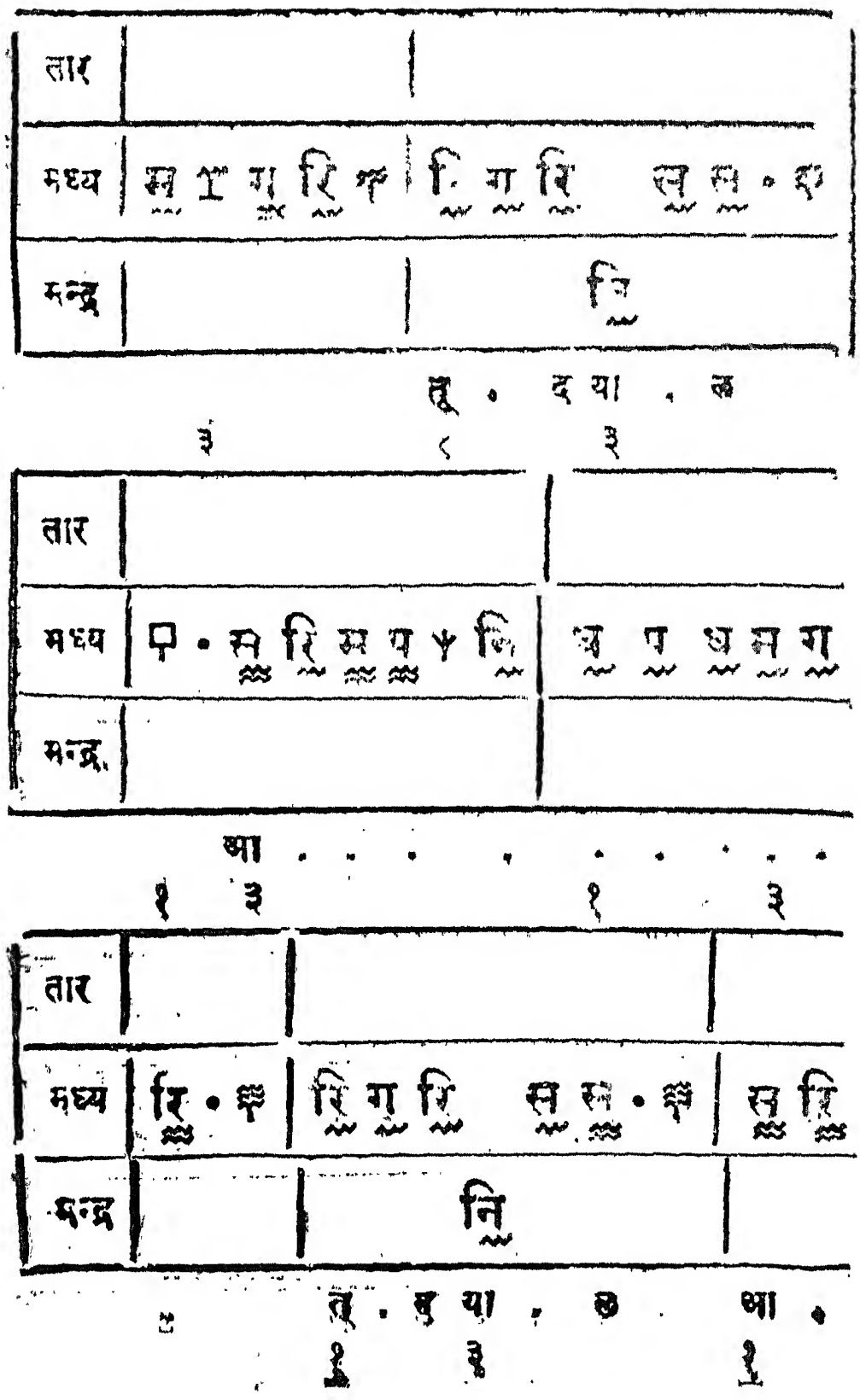
तार
मध्य
मन्द्र
तू . दया . ल
तार
मध्य
मन्द्र
आ . . . . . .
तार
मध्य
मन्द्र
तू . दया . ल आ .

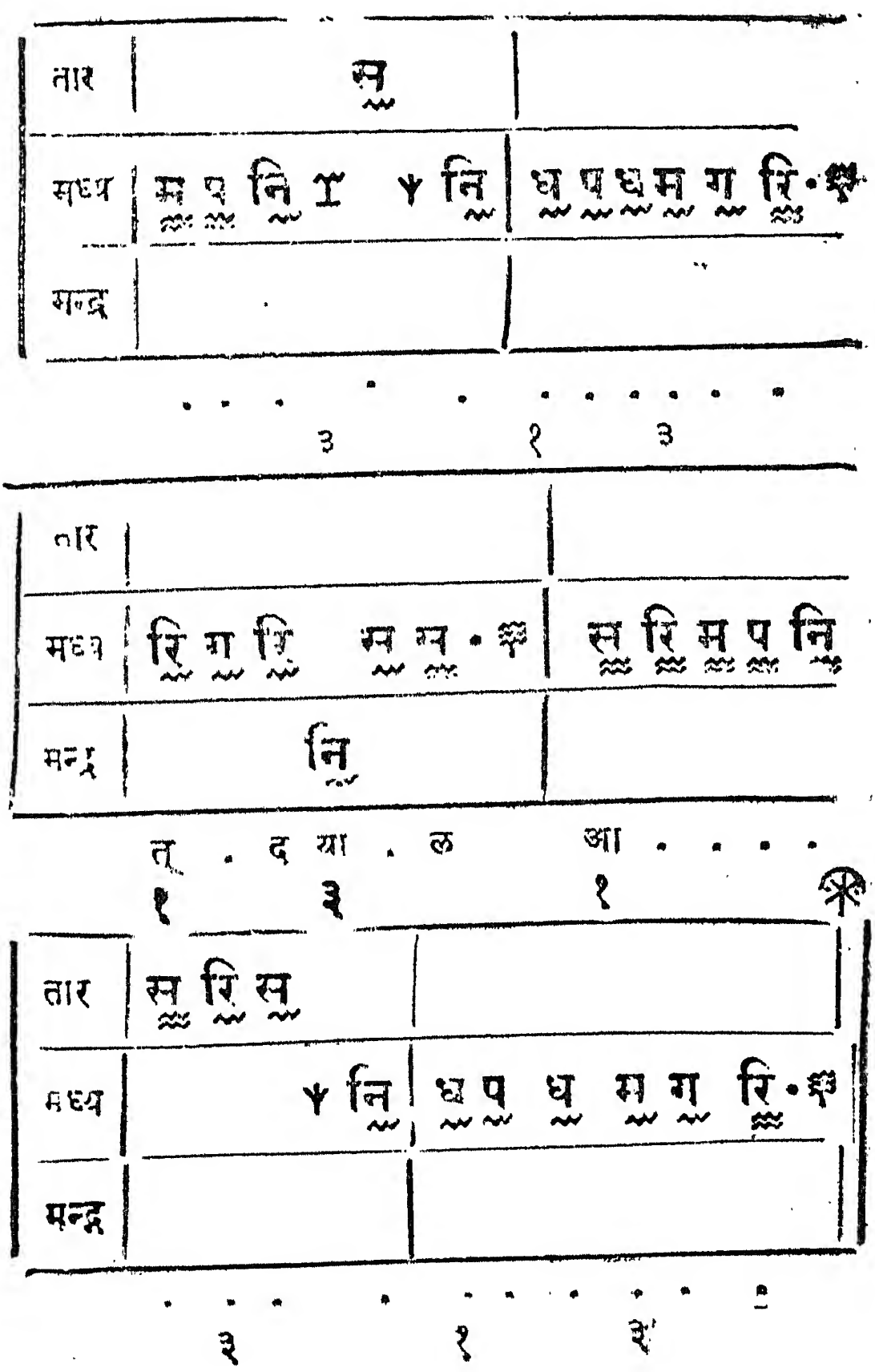
तार
मध्य
मन्द्र
3 १ 3
तार
मध्य
मन्द्र
त . द या . ल आ . . . .
१ ३ १
तार
मध्य
मन्द्र
३ १ ३

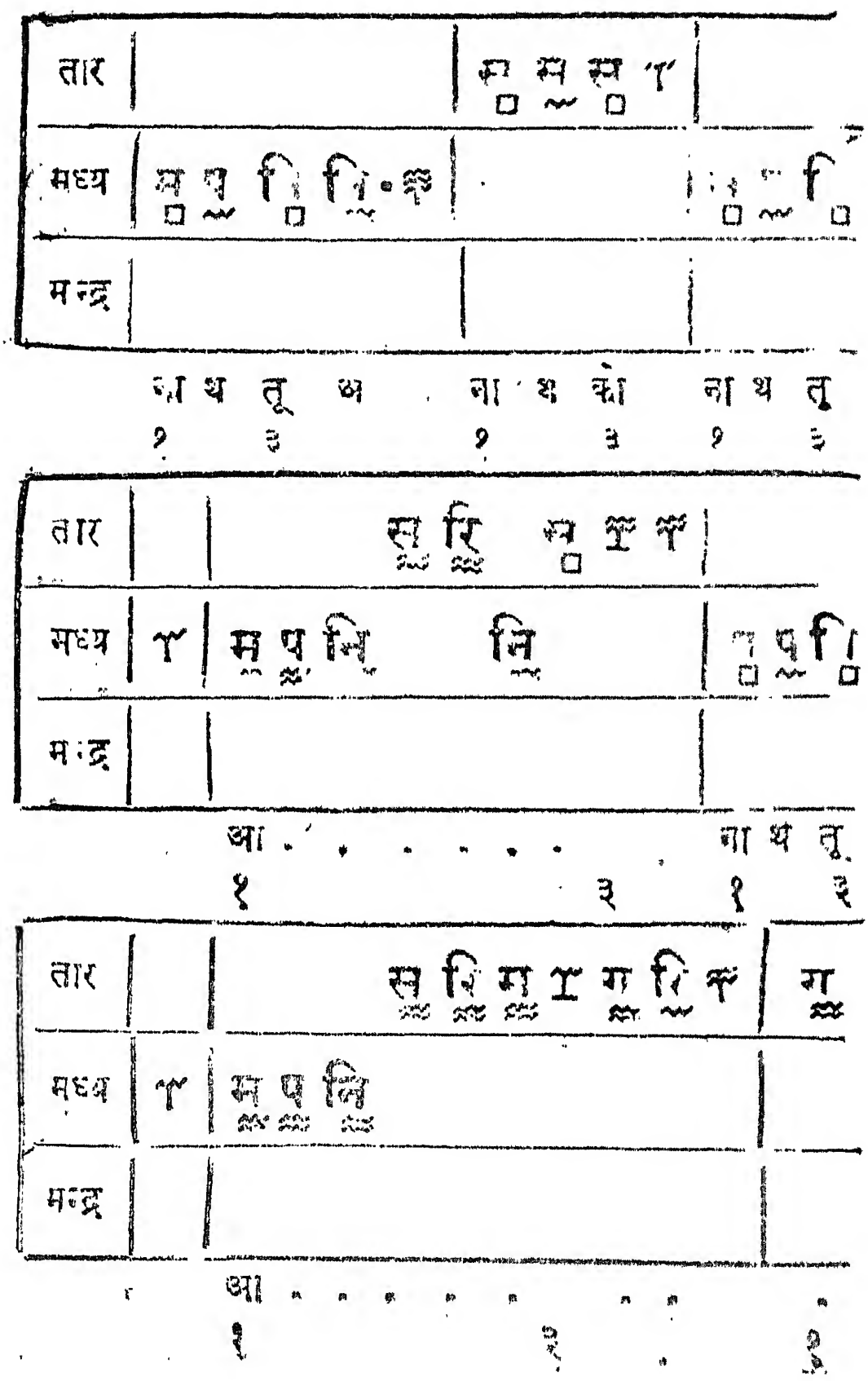
तार
मध्य
मन्द्र
ना थ तू आ ना थ को ना थ तू
१ ३ १ ३ १ ३
तार
मध्य
मन्द्र
आ . . . . . ना थ तू.
१ ३ १ ३
तार
मध्य
मन्द्र
आ
१

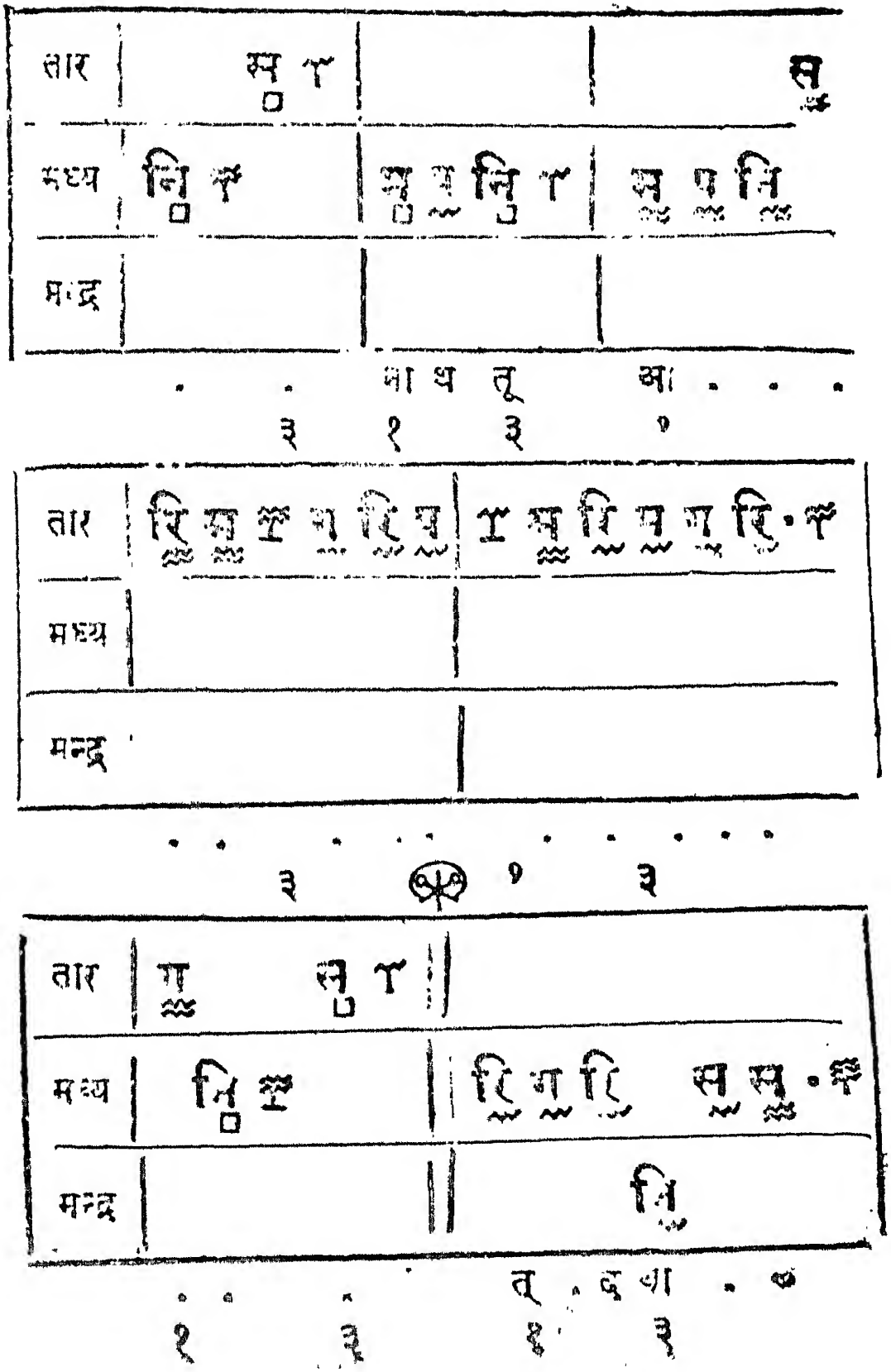
तार
मध्य
मन्द्र
मा ध तू आ
३ १ ३ १
तार
मध्य
मन्द्र
३ १ ३
तार
मध्य
मन्द्र
त दा
१ ३ ४ ३

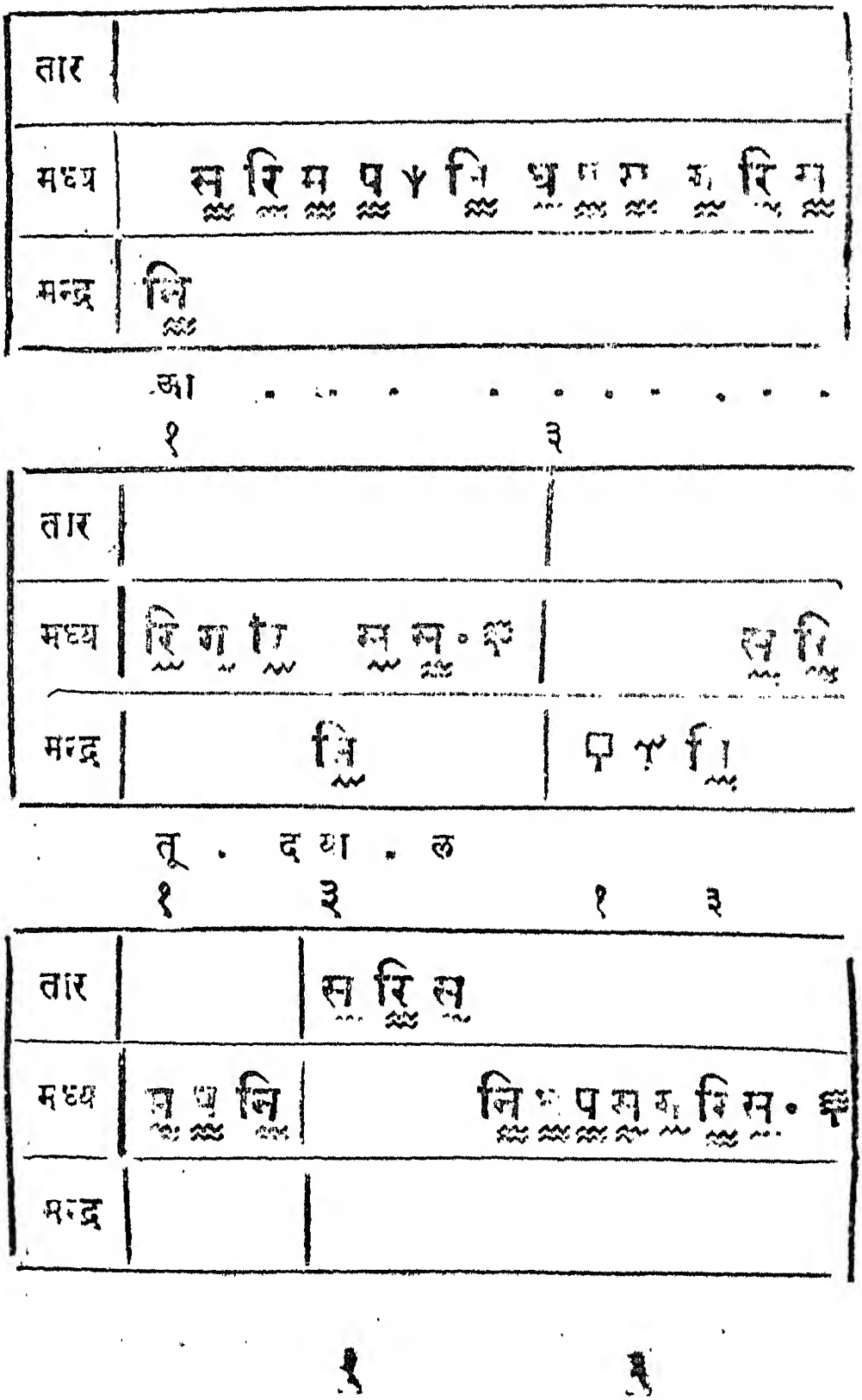
तार
मध्य
मन्द्र
आ
१
३
तार
मध्य
मन्द्र
तू . द या . ल
१ ३ १ ३
तार
मध्य
मन्द्र
१ ३

तार		
मध्य	[illegible]	स रि म
मन्द्र	नि	प • नि

तू . द रा . ल आ . . .

१ २ १ २

तार		स रि म ग रि स
मध्य	प नि	४ नि ध प म
मन्द्र		

. . . . . .

१ २

तार	
मध्य	ग रि
मन्द्र	

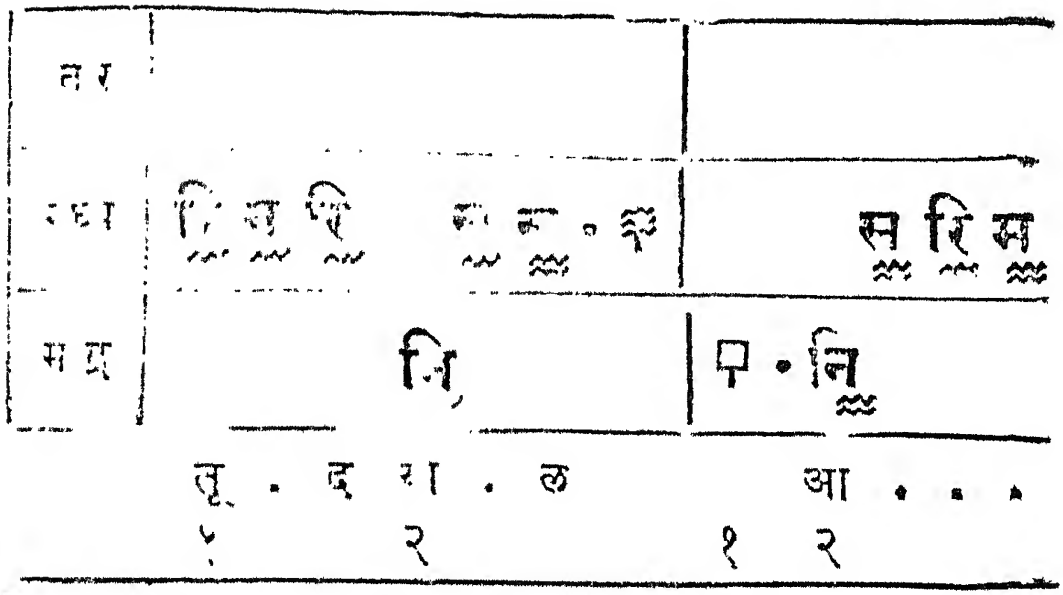

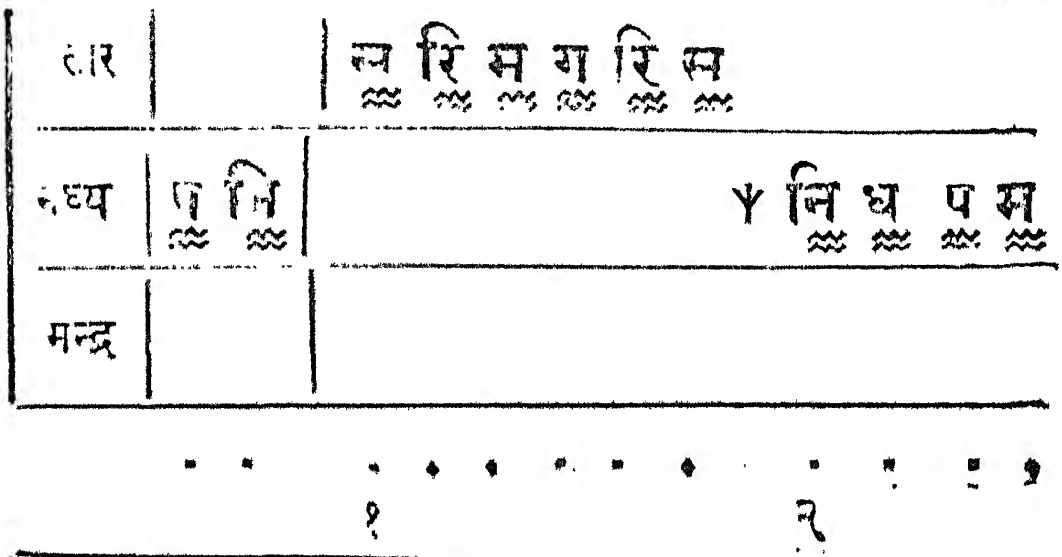

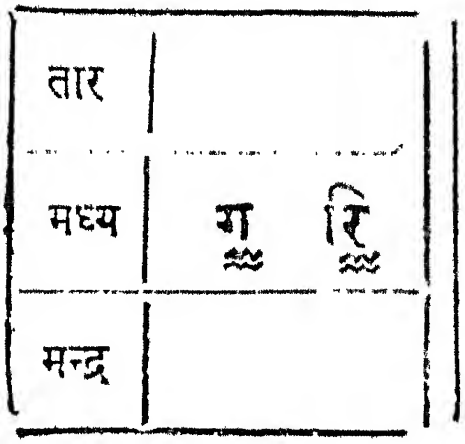

. . .

राग खमाज

इस राग में दो निषाद लगते है एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल, अतिकोमल नि के वादी निसाणी होगा.

ताल दादरा.

तार		
मध्य	स॒ स॒ स॒	
मन्द्र	नि॒ नि॒	ध॒ ध॒ ४ नि॒ ४ नि॒ प॒ ध॒ ॐ

मे रे तो गि री ध र गो पा . . ल
१ ३ १ ३

तार		
मध्य	रि॒ ४ ग॒ रि॒ स॒ स॒ ॐ	
मन्द्र	नि॒	ध॒ ध॒ ४ नि॒

मे . रे तो गि री ध र . गो
१ ३ ६

तार			
मध्य		रि रि रि रि रि	रि रि
मन्द्र	४ [illegible] ध प ध • ३		

ग . . ळ मे रे तो गि रि ध र

२ १ २ १

तार		
मध्य	रि रि रि म म • ३	रि ४ ग रि स
मन्द्र		नि

गो पा . . ळ मे . रे तो गि

३ १ ३

तार		
मध्य	स • ३	
मन्द्र		ध ध ४ नि ४ नि ध प ध • ३

री ध र गो पा . . ळ

१ ३

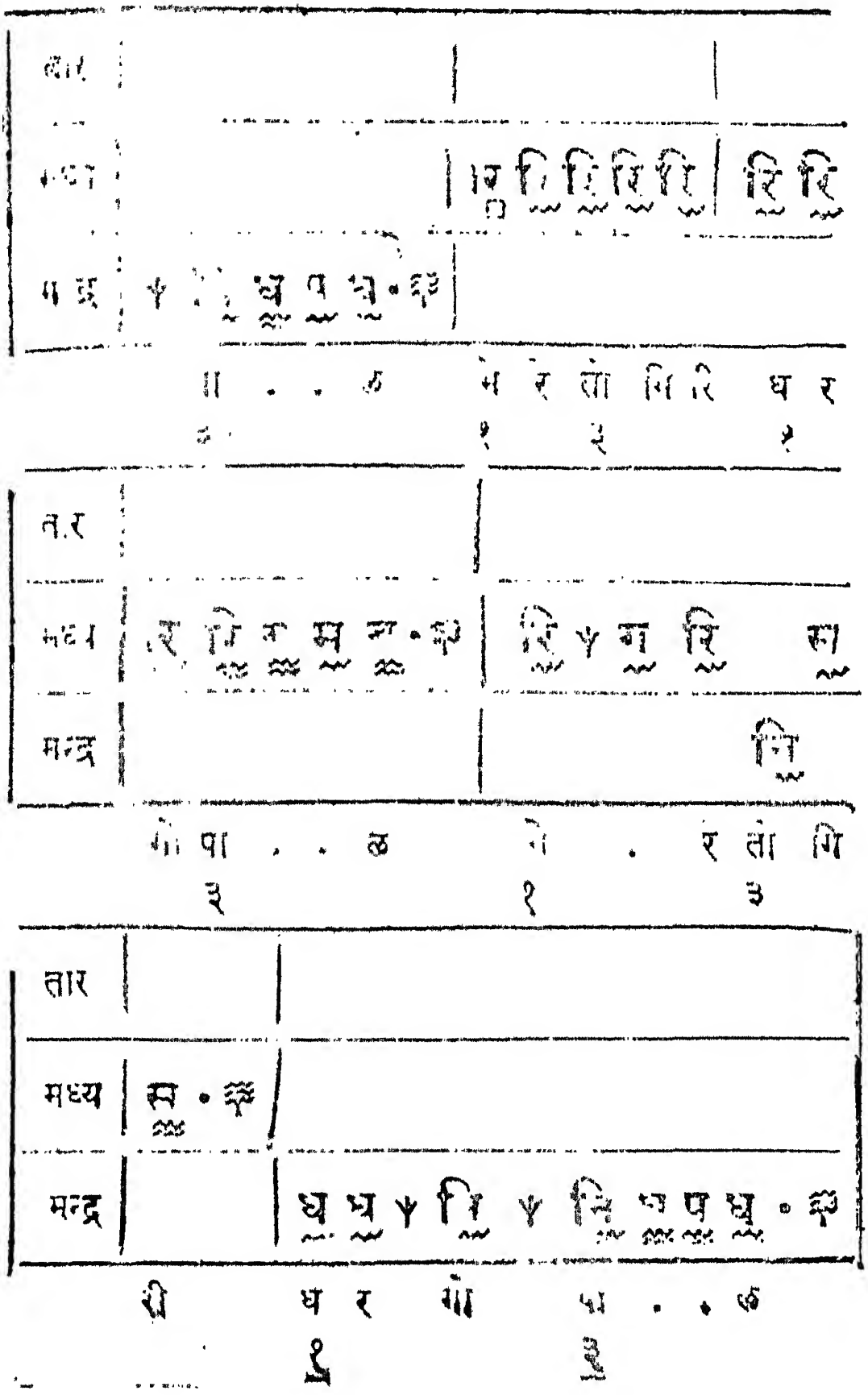

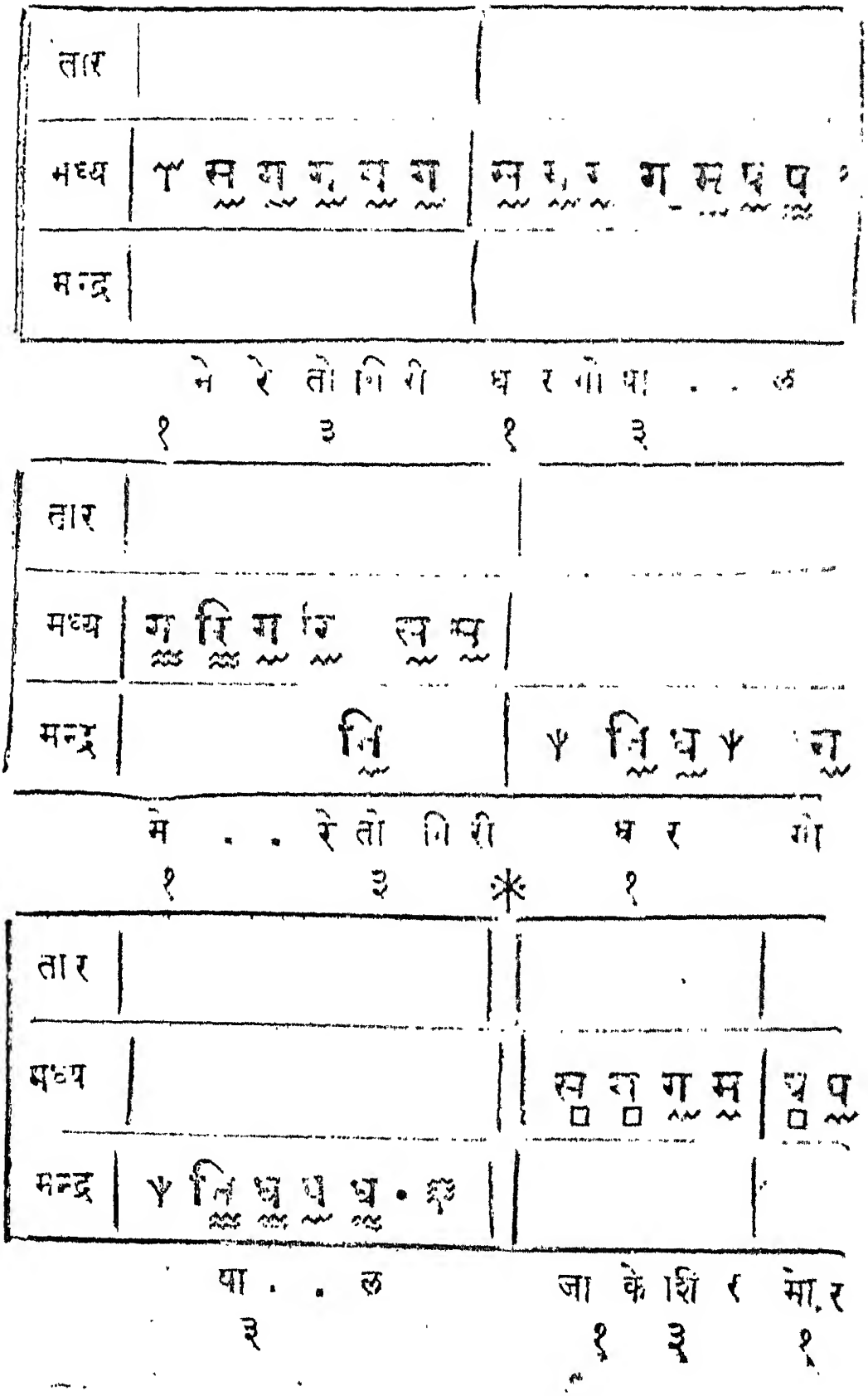
तार
मध्य
मन्द्र
मे रे तो गि री ध र गो पा . . ल
१ ३ १ ३
तार
मध्य
मन्द्र
मे . . रे तो गि री ध र गो
१ ३ १
तार
मध्य
मन्द्र
पा . . ल जा के शि र मो र
३ १ ३ १

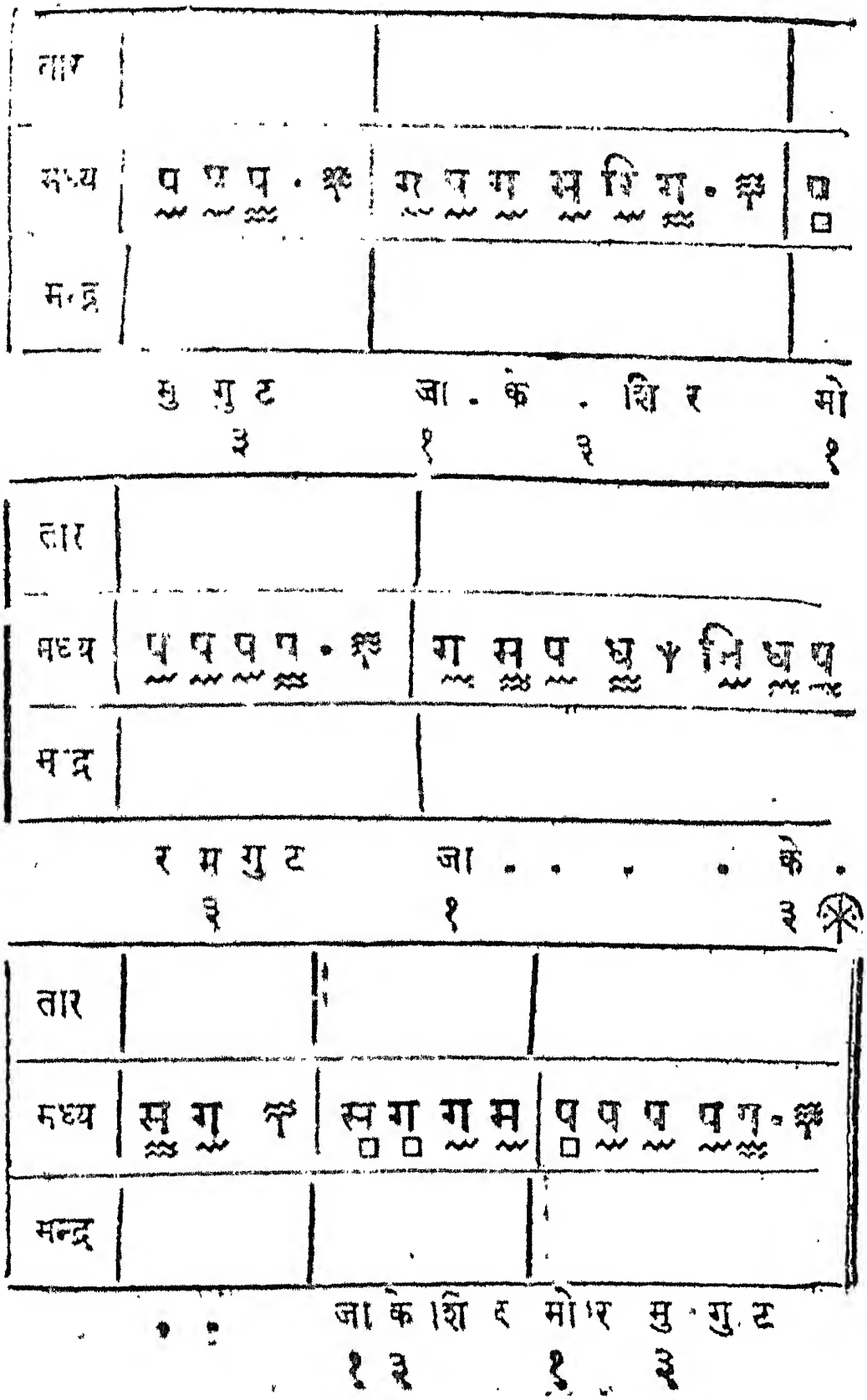
तार
मध्य
मन्द्र
मु गु ट जा . के . शि र मो
३ १ ३ १
तार
मध्य
मन्द्र
र म गु ट जा . . . . के .
३ १ ३
तार
मध्य
मन्द्र
जा के शि र मो र मु गु ट
१ ३ १ ३

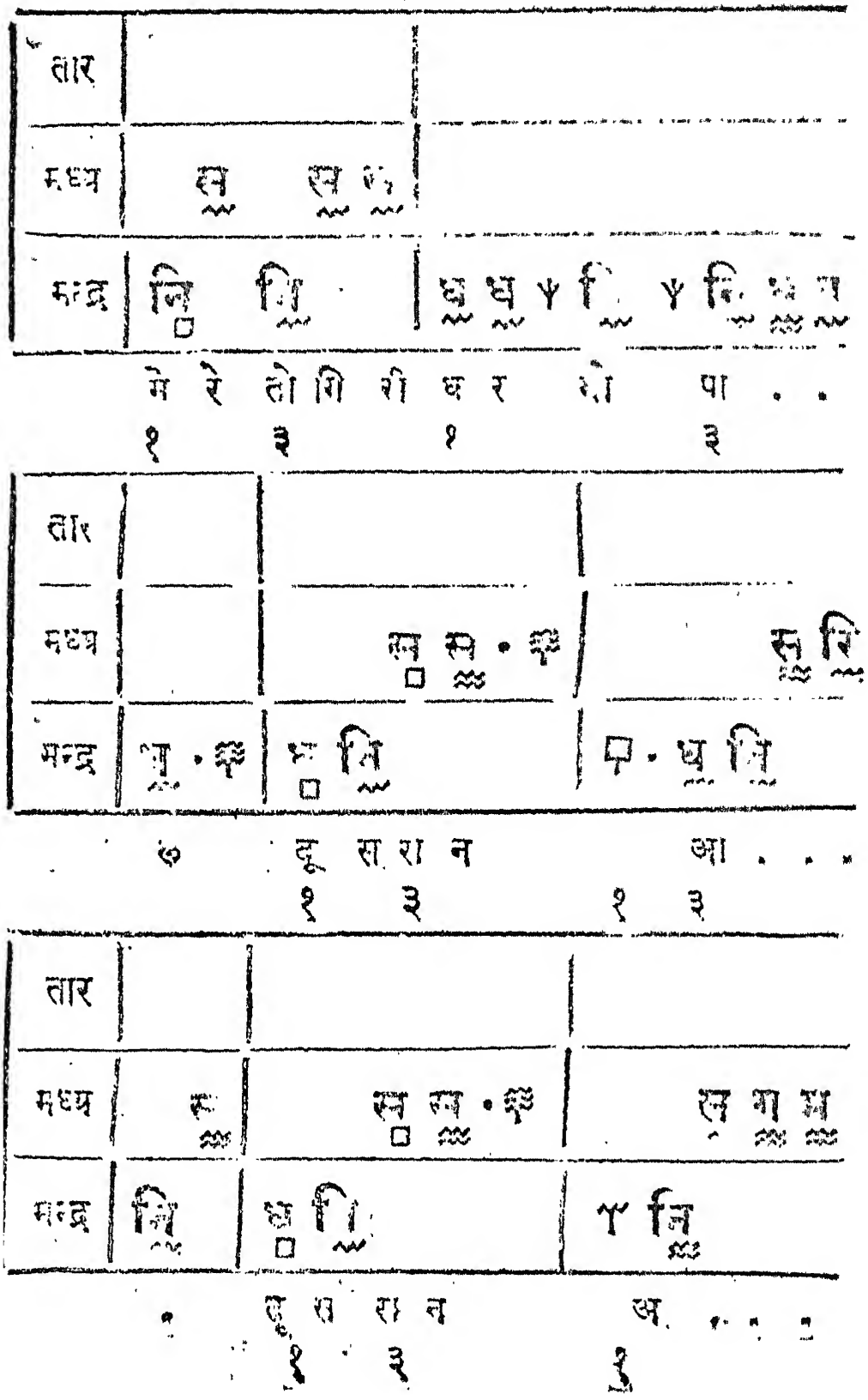
तार
मध्य
मन्द्र
मे रे तो गि री धर रो पा . .
१ २ १ ३
तार
मध्य
मन्द्र
७ दू स रा न आ . . .
१ ३ १ ३
तार
मध्य
मन्द्र
. दू स रा न अ . . .
१ ३ १

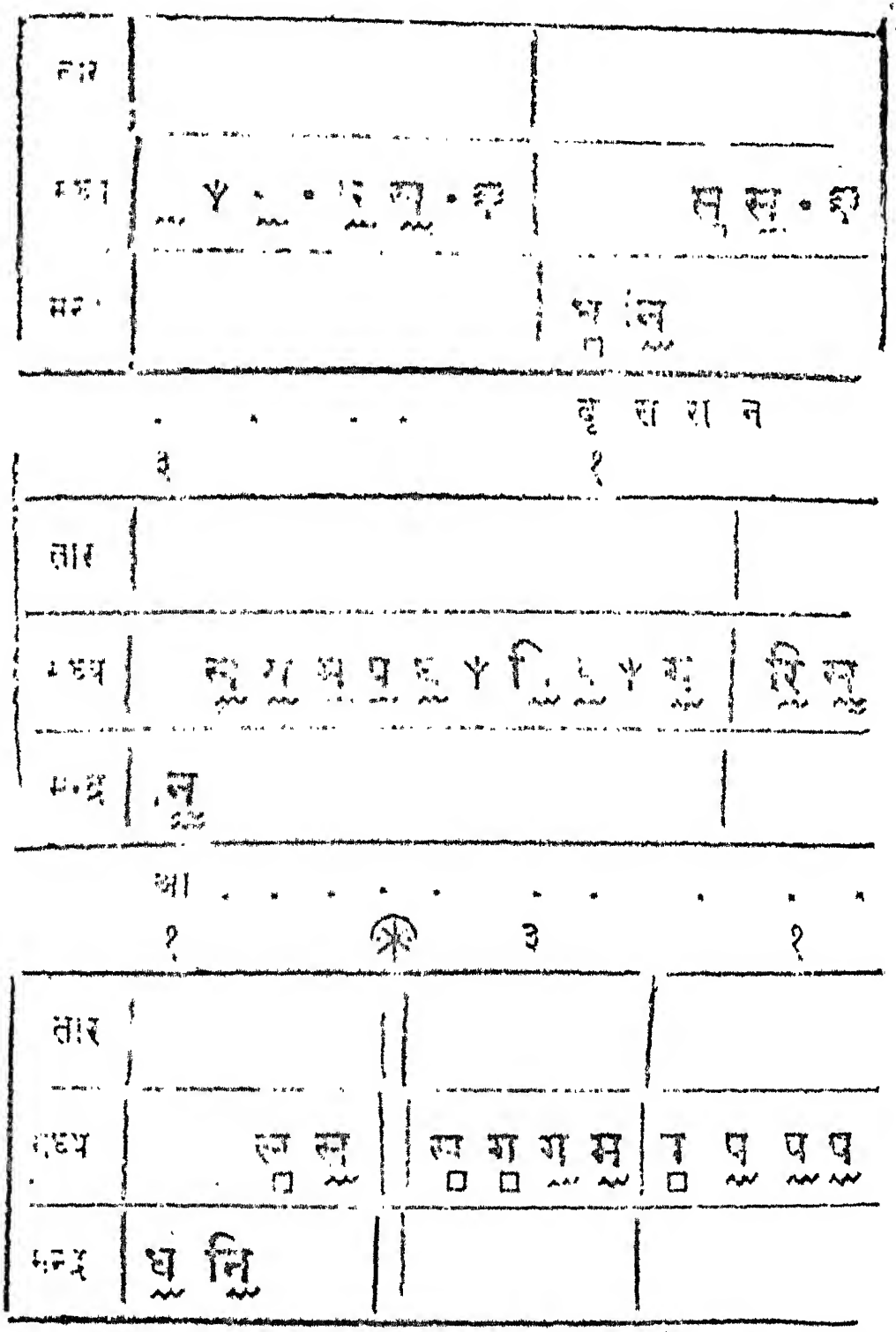
तार
मन्द्र
दूसरा न
२ १
तार
मध्य
मन्द्र
आ
१ ३ १
तार
मध्य
मन्द्र
दूसरा न जा के शि र मो र मु मु
३ १ ३ १ २

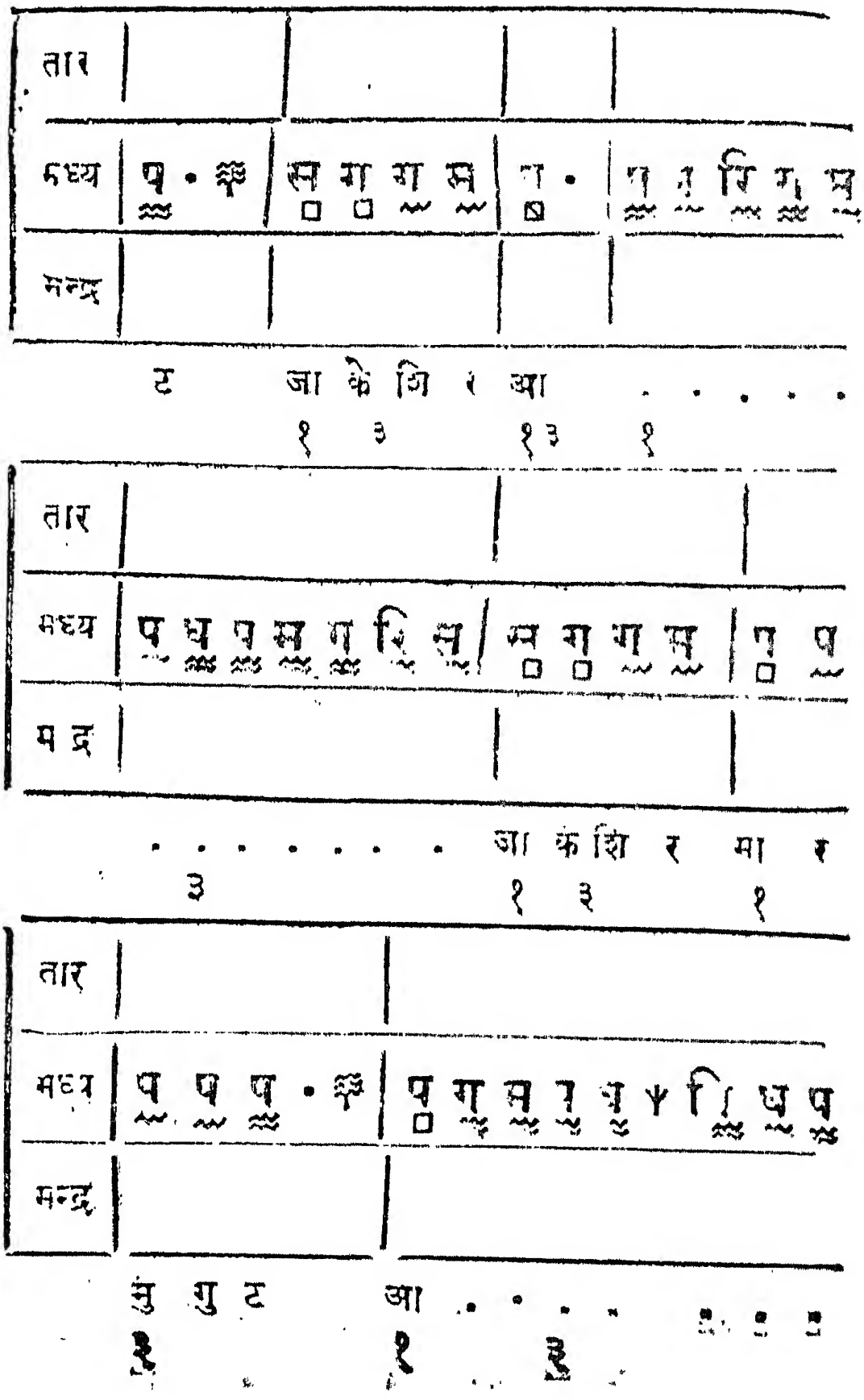
तार
मध्य
मन्द्र
ट जा के शि र आ . . . . .
१ ३ १ ३ १
तार
मध्य
मद्र
. . . . . आ के शि र मा र
३ १ ३ १
तार
मध्य
मन्द्र
नु गु ट आ . . . . . .
३ १ ३

तार		
मध्य	ध	ध ग ग प ग ग रि ऽ ग रि
मन्द्र		नि

. . . . . .

१ ३

तार			
मध्य	स	स स स • ॐ	स रि
मन्द्र		नि नि	ऽ ध नि

. मे रे तो गि री आ . . .

१ ३ १

तार			
मध्य	ग रि स स • ॐ	स स स	
मन्द्र	नि	नि नि	ध

. . . . . मे रे तो गि री आ

३ १ ३ १

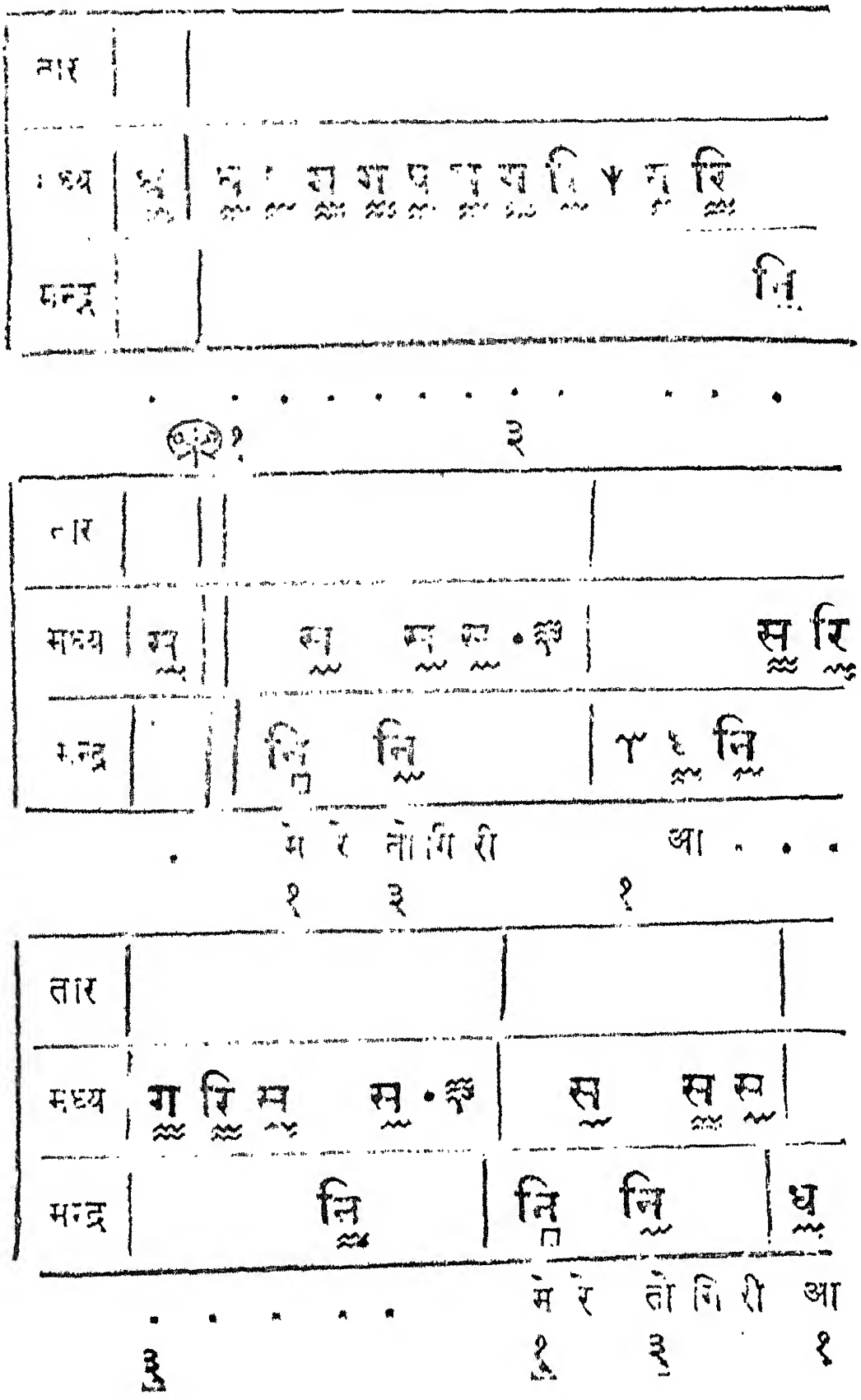

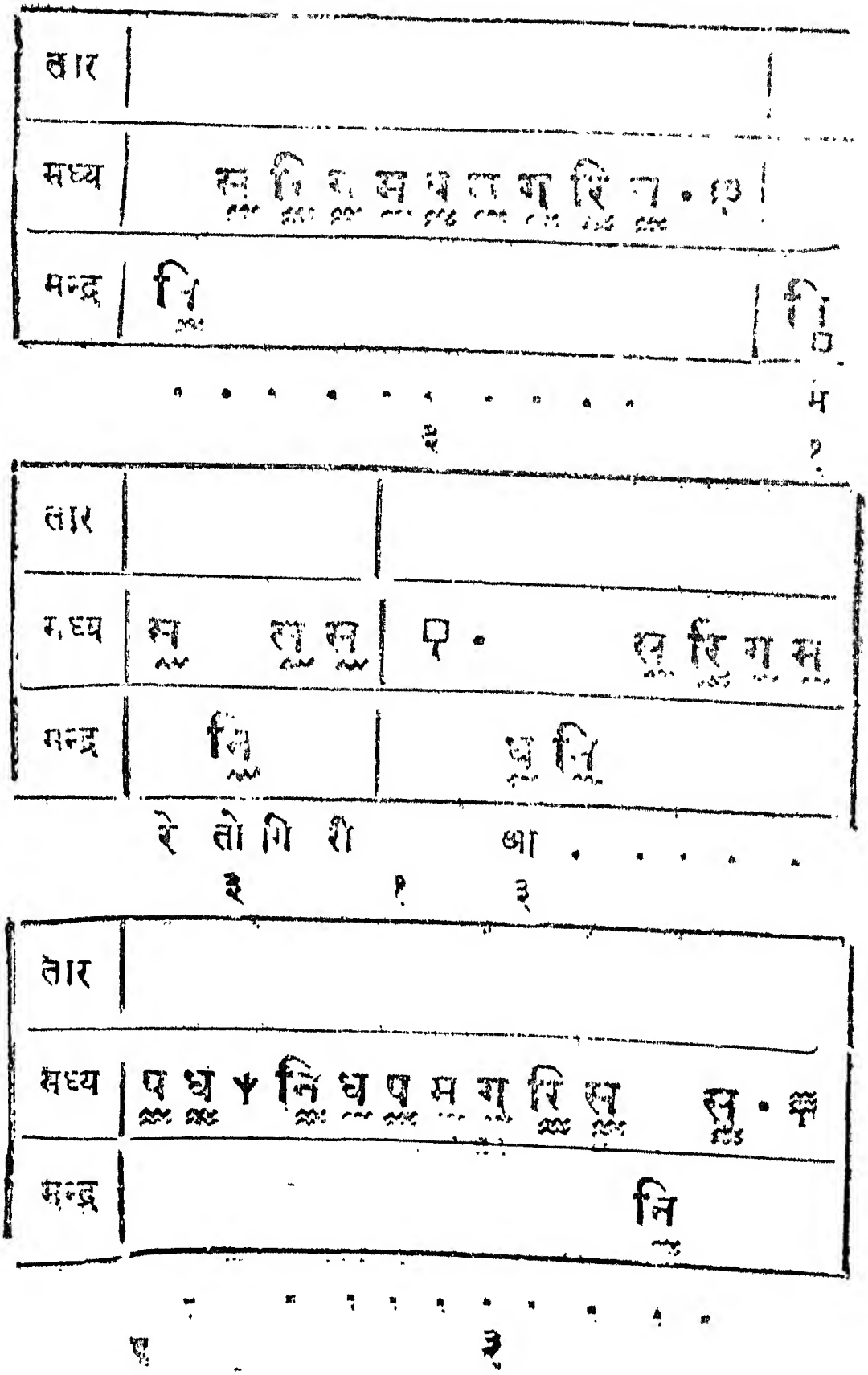
तार
मध्य
मन्द्र
रे तो गि री आ

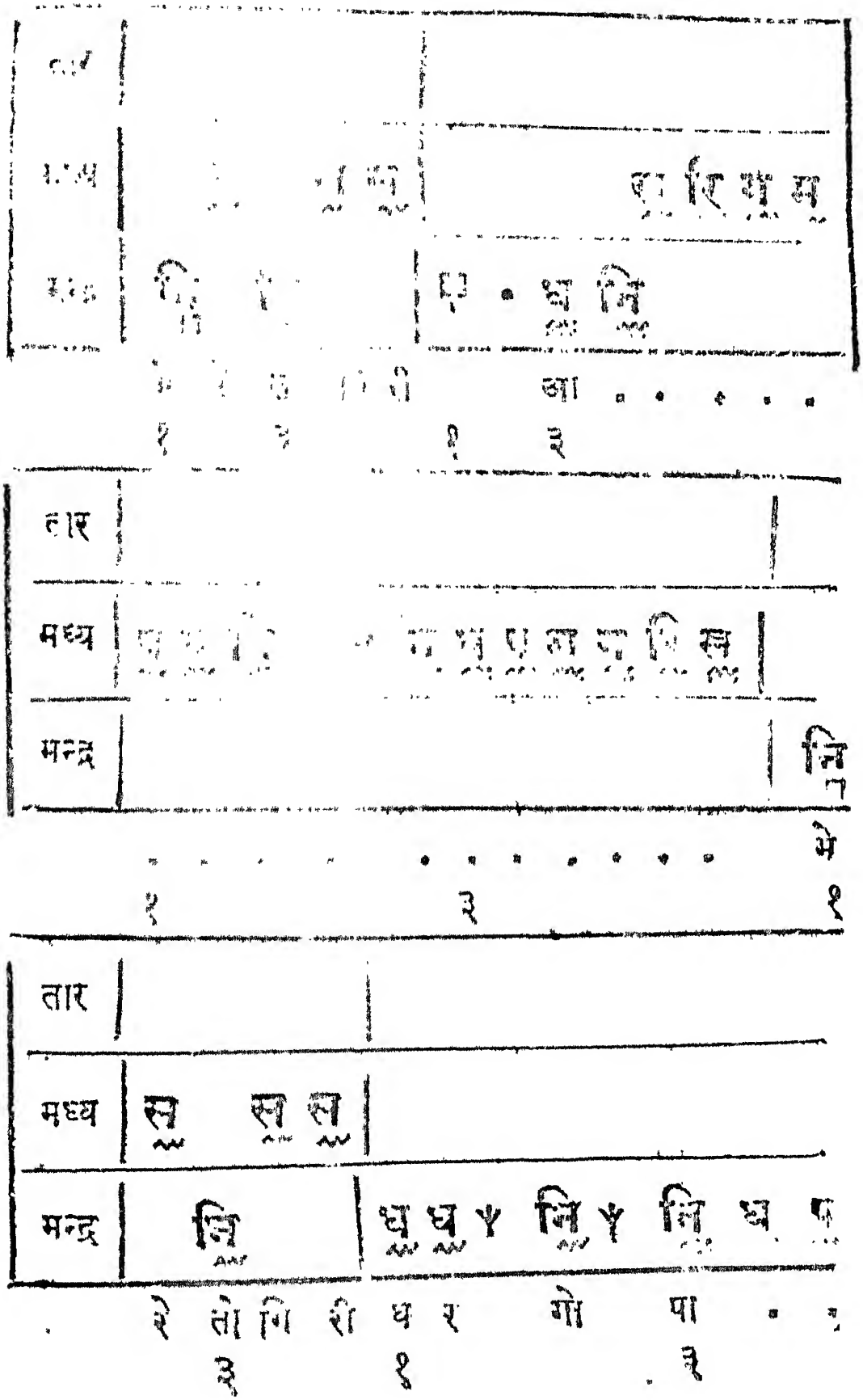
तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र

तार		
मध्य		स॒ स॒
मन्द्र	ध॒ प॒	नि॒ नि॒ ध॒ ध॒ प॒ नि॒ नि॒

ळ मे रे तो गि री ध र गो पा
१ ३

तार		
मध्य		स॒ स॒ ग॒ ग॒ रि॒ रि॒ रि॒ ग॒
मन्द्र	ध॒ प॒ ध॒	ध॒ नि॒

. . ळ दू स रा न को ई रे प्र भू .
१ ३

तार		
मध्य	न॒	ग॒ ग॒ रि॒ स॒ स॒
मन्द्र		नि॒ नि॒ ध॒ नि॒ नि॒ ध॒

. मे . रे तो गि री ध र गो पा .
१ ३

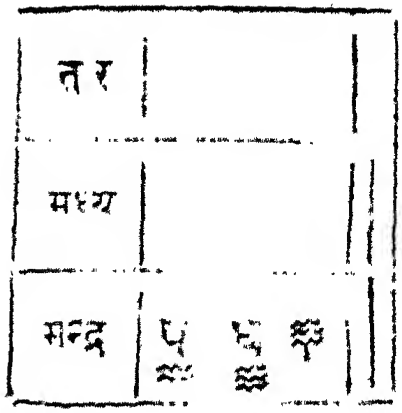

ल

राग पहाडी

सह राग में सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल केरवा

तार		
मध्य	ा ग॒ ग॒ १ स॒ रि॒ ग॒ ग॒ रि॒ • २	स॒
मन्द्र		नि॒ ध॒

ह री न . . भ . जे . स
१ २ ३ २ १ २ ३

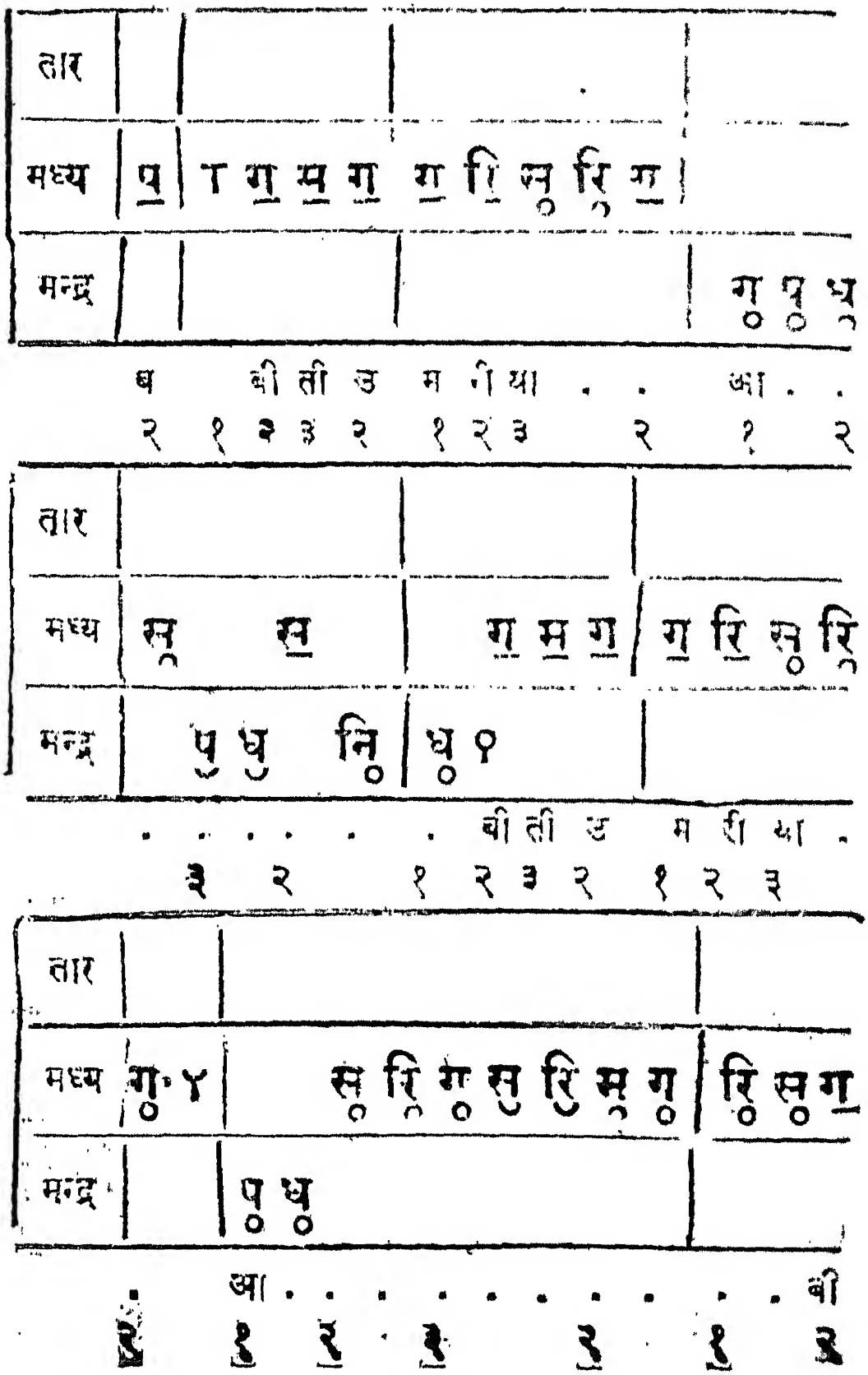
तार
मध्य
मन्द्र
ब बीती उ म रीया . . आ . .
२ १ २ ३ २ १ २ ३ २ १ २
तार
मध्य
मन्द्र
. . . . . बीती उ म रीया .
३ २ १ २ ३ २ १ २ ३
तार
मध्य
मन्द्र
. आ . . . . . बी
३ १ २ ३ ३ १ ३

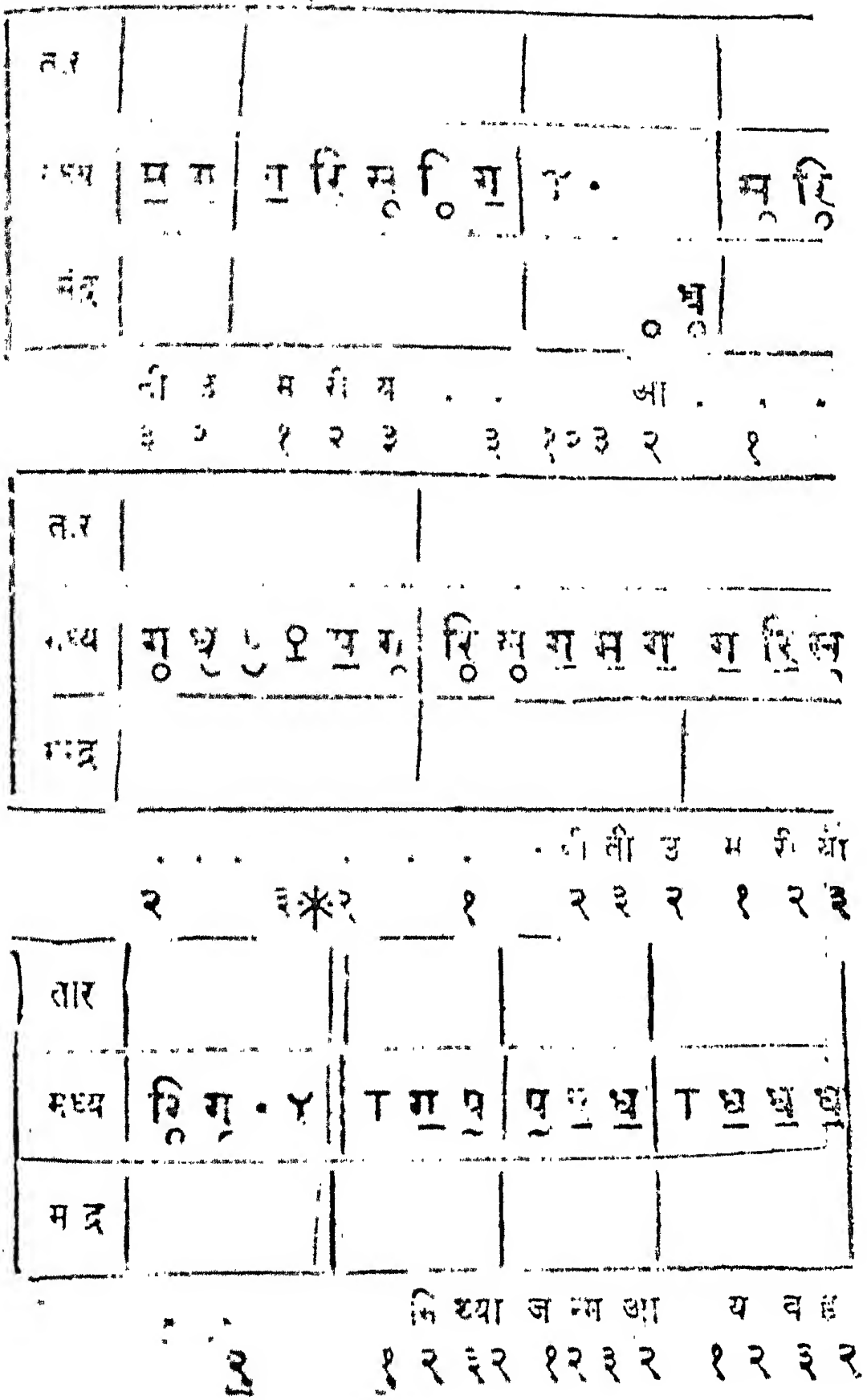
तार
मध्य
मंद्र
तार
मध्य
मंद्र
तार
मध्य
मंद्र

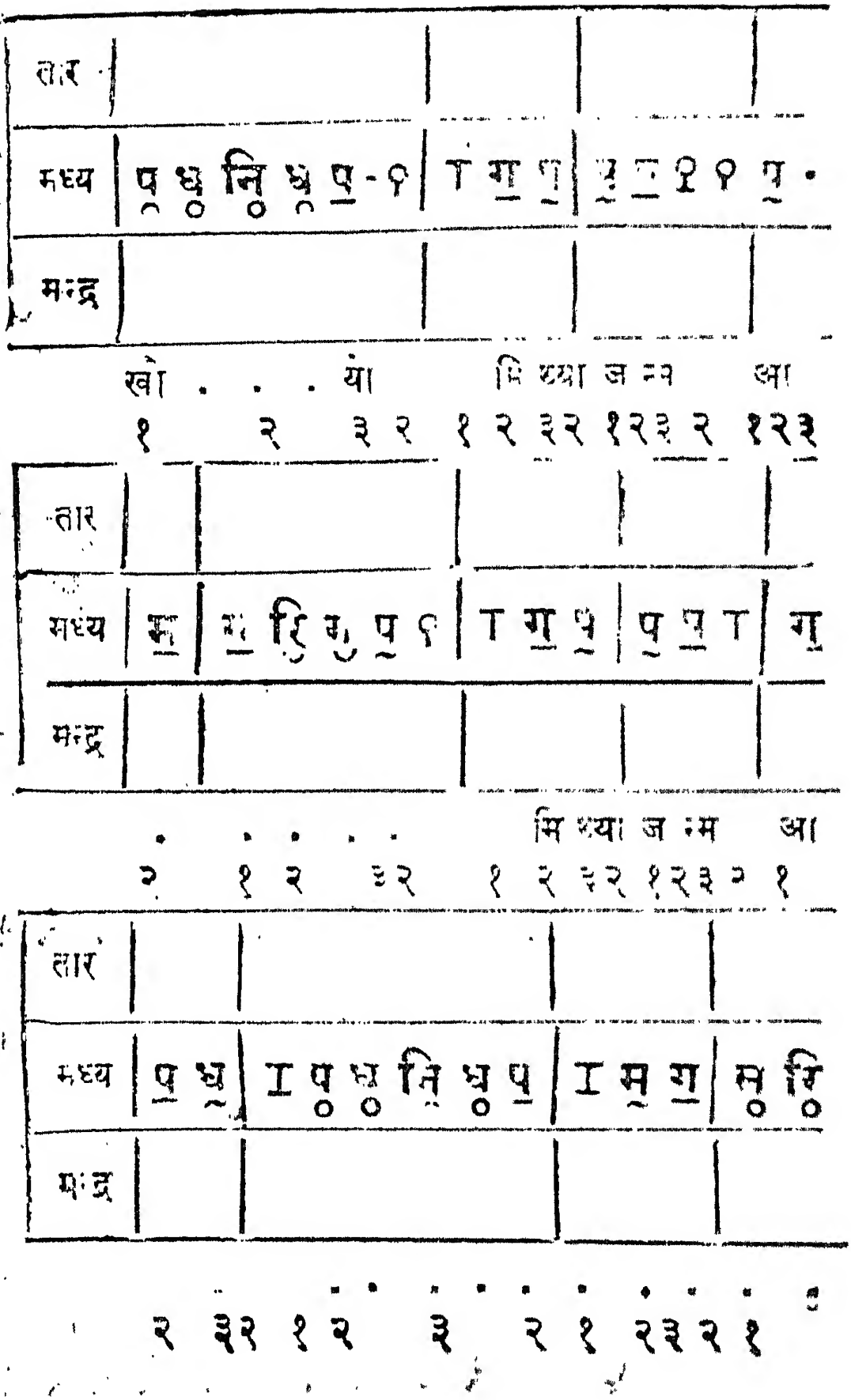
तार
मध्य
मन्द्र
खो . . . यां मिथ्या जन्म आ
१ २ ३ २ १ २ ३२ १२३ २ १२३
तार
मध्य
मन्द्र
. . . . मिथ्या जन्म आ
२ १ २ ३२ १ २ ३२ १२३ २ १
तार
मध्य
मन्द्र
२ ३२ १ २ ३ २ १ २३२ १

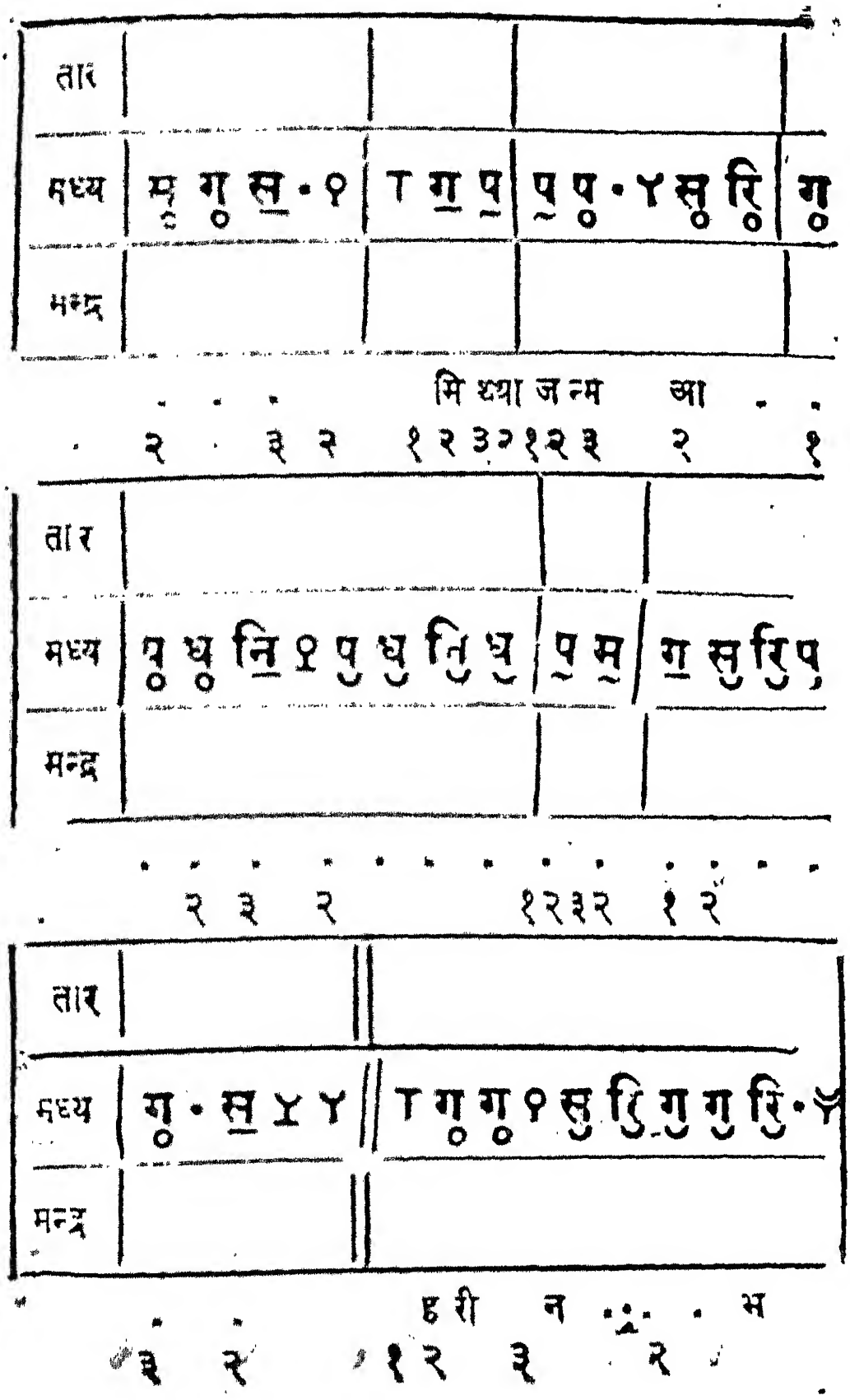
तार
मध्य
मन्द्र
मिथ्या जन्म आ
२ ३ २ १२३१२३ २ १
तार
मध्य
मन्द्र
२ ३ २ १२३२ १ २
तार
मध्य
मन्द्र
हरी न भ
३ २ १२ ३ २

तार			
तार	स	ा ग म ग	ग रि स रि ग ॰ ४
मन्द्र	नि ध प		

जे . स ब . बी ती उ म री या .
१ २ ३ २ १ २ ३ २ १ २ ३ २

तार		
मध्य	स स रि स रि	ग ग म ग
मन्द्र	प ध प ध ध	

आ . . . . . बी ती उ
१ २ ३ २

तार		
मध्य	ग रि स रि ग ॰ ४	स स रि
मन्द्र		प ध प ध ध

म रि या . . आ . . . . . .
१ २ ३ २ १ २ ३

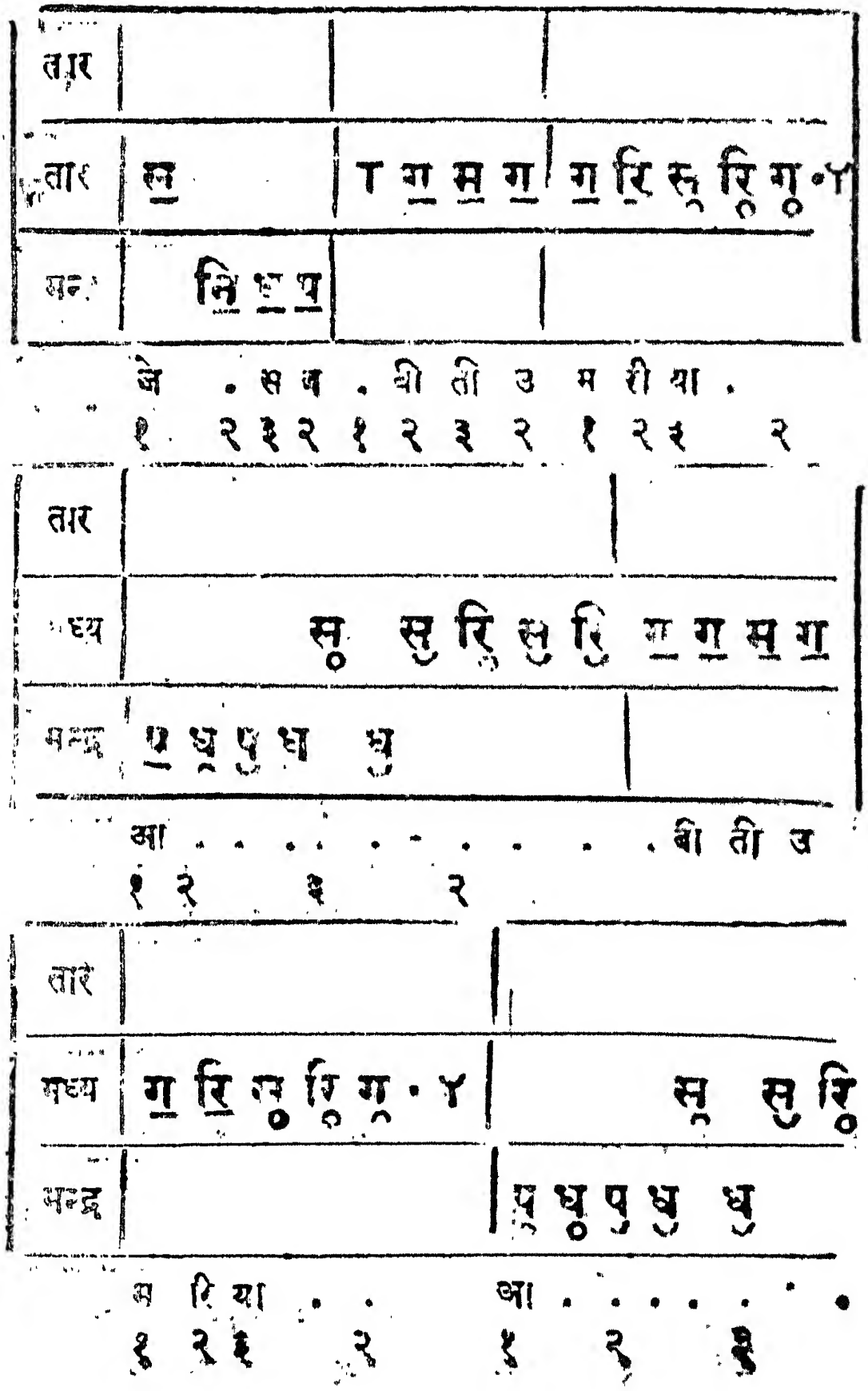

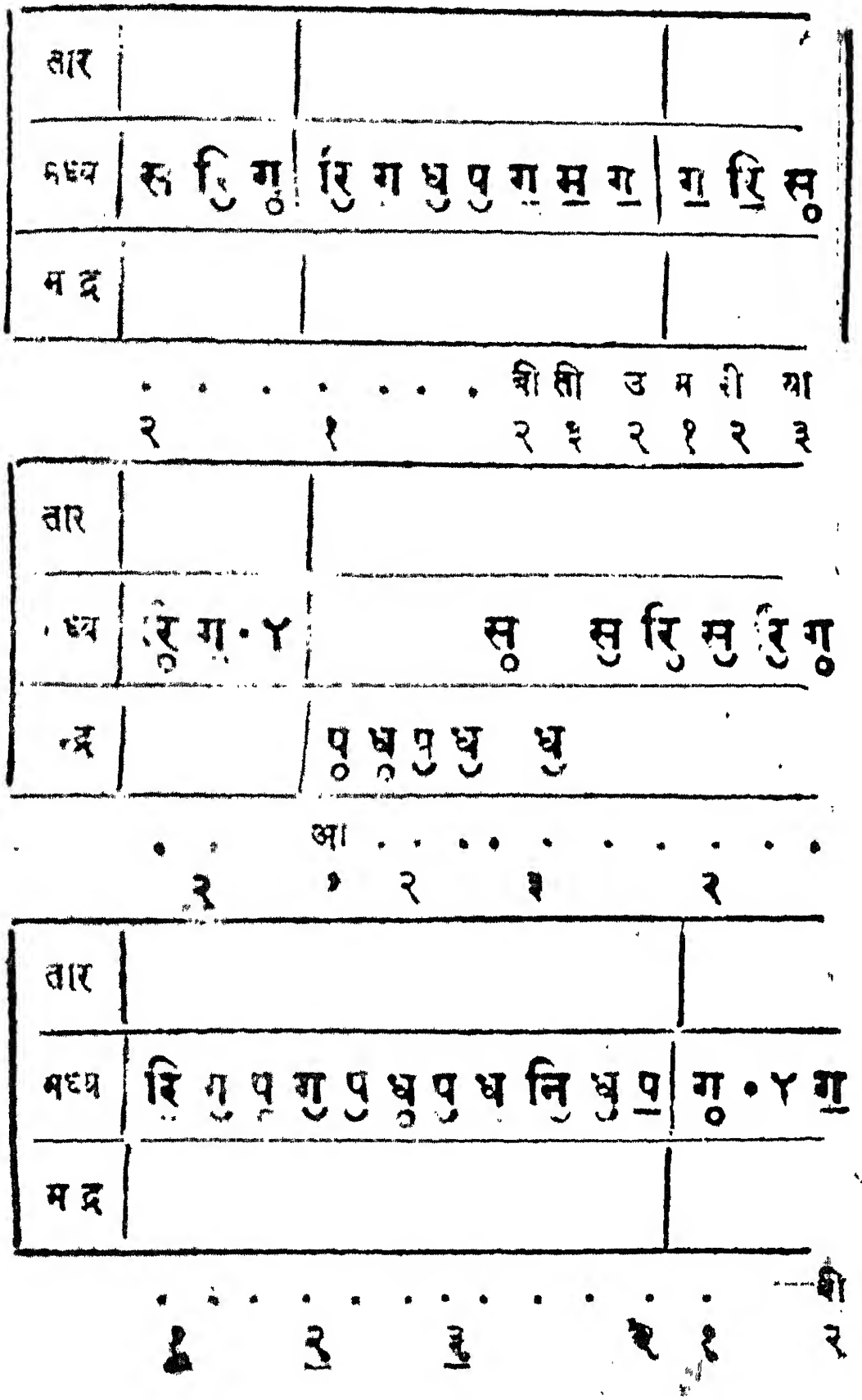
तार
मध्य
मंद्र
शी ती उ म री या
२ १ २ १ २ १ २ ३
तार
मध्य
मंद्र
आ
२ १ २ १ २
तार
मध्य
मंद्र
शी
१ २ ३ २ १ २

तार			
मध्य	म ग	ग रि स रि ग • ४	स • ४
मन्द्र			प ध ध

ती उ म री या . . बी . . ती
३ २ १ २ ३ २ १ २ ३

तार			
मध्य	स रि • ४	स रि ग • ४ रि ग प • ४	ग प
मन्द्र			

. . उ . . म . . री .
२ १ २ ३ २ १

तार		
मध्य	ध प म प म ग	रि ग रि स
मन्द्र		नि ध प ध

. . या . . . . . .
२ ३ २ १ २ ३ २

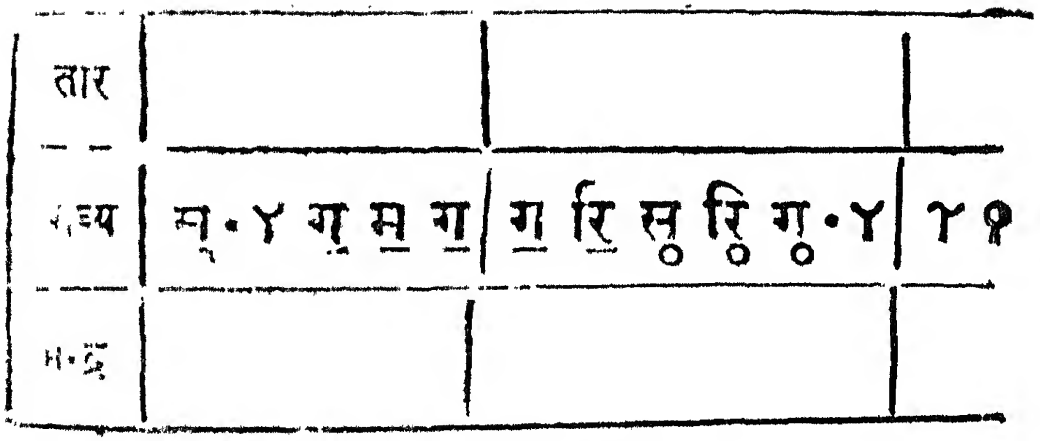

. बी ती उ म री या . . १२३

१ २ ३ २ १ २ ३ २

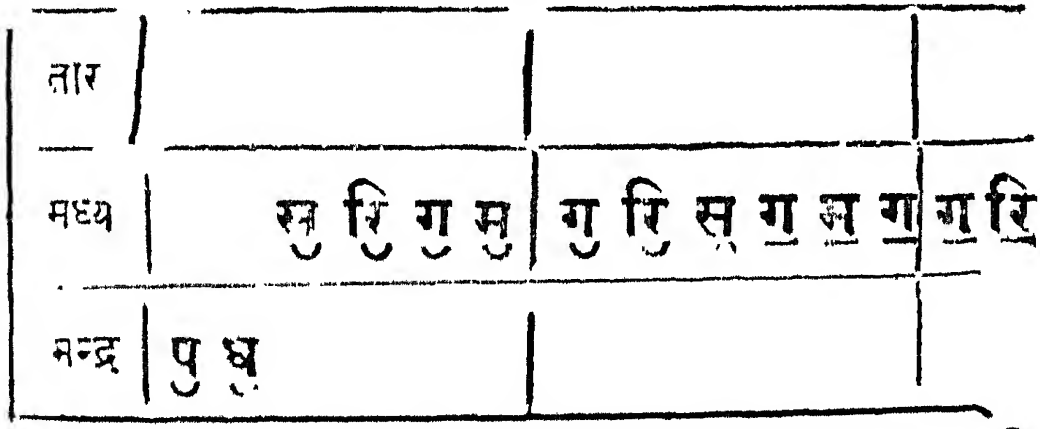

आ . . . . . बी ती उ म री

२ १ २ ३ २ १ २

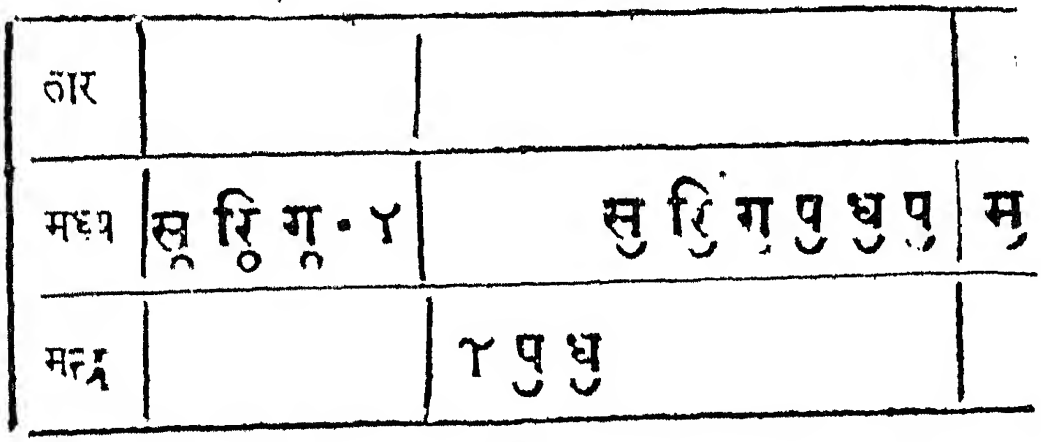

या . . आ . . . . . .

३ २ १२३ २ १

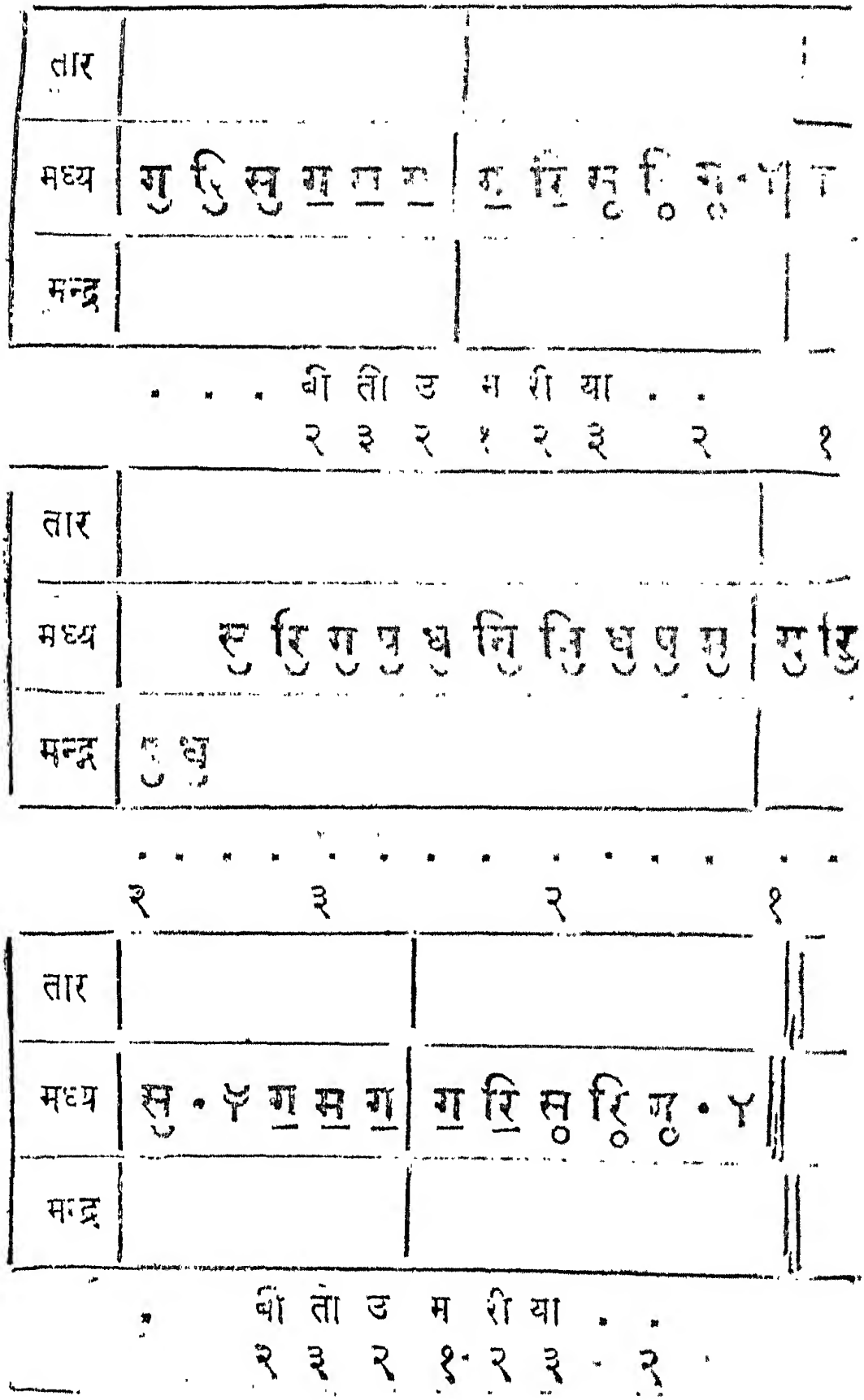
तार
मध्य
मन्द्र
. . . बीतीउमरीया . .
२ ३ २ १ २ ३ २ १
तार
मध्य
मन्द्र
२ ३ २ १
तार
मध्य
मन्द्र
. बीतीउमरीया . .
२ ३ २ १ २ ३ २

राग छायालगत भैरवी

इस रागमें दो गंधार (ग ध नी) अतिकोमल

अतिकोमल रिषभ के वास्ते निशानी होगी.

केरवा.

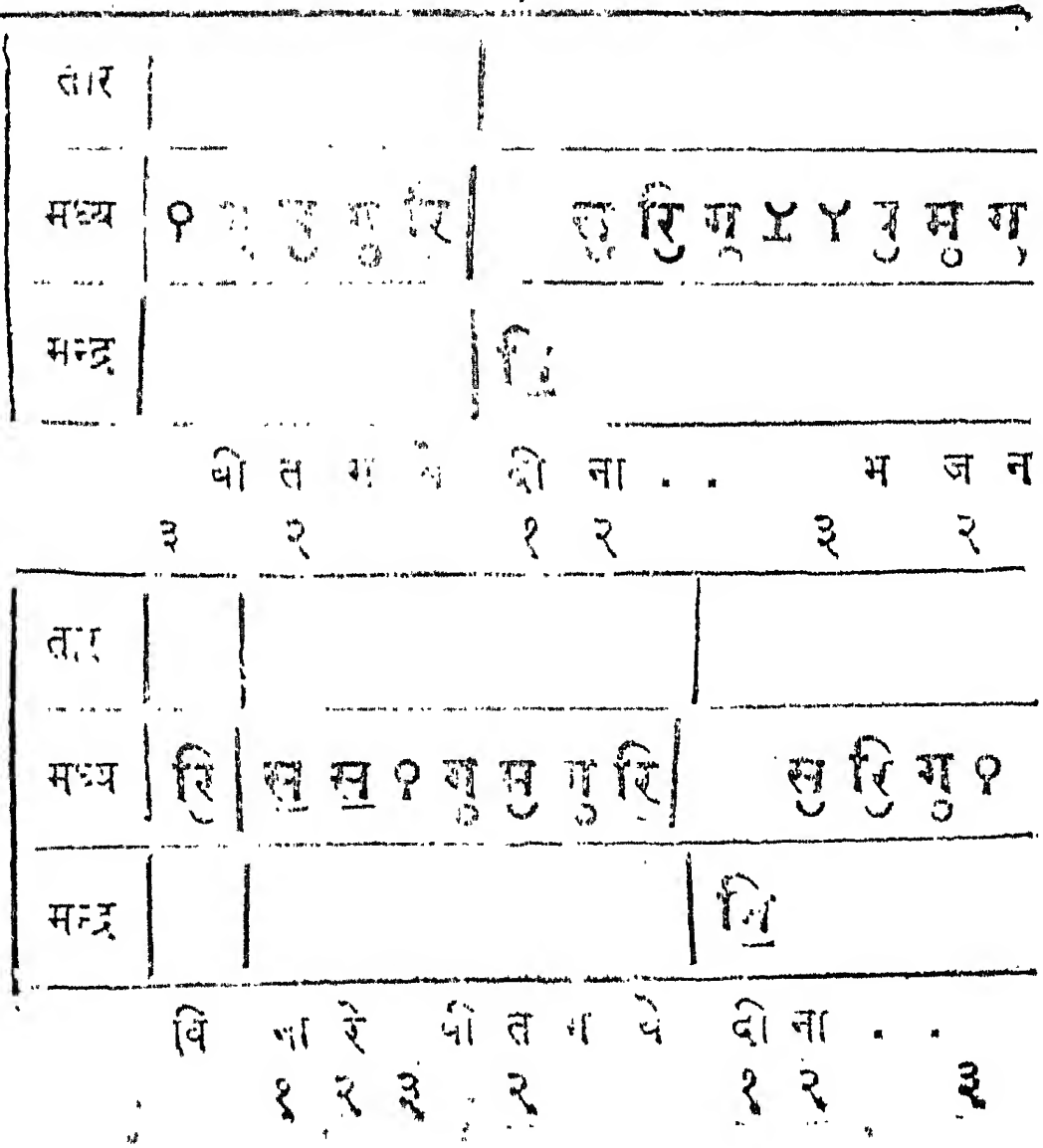

तार		
मध्य	[illegible] म म म	ग म प नि ध • प म ग म
मन्द्र		

भ ज ना . . . . . रे . . .
१ २

तार		स ऽ स
मध्य	९ प म ग रि	स स ९ ध नि • ध
मन्द्र		

भ ज न बी ना रे भ ज न . बी
३ २ १ २ ३ २

तार		
मध्य	प म ग म प नि • ९ प म ग रि	स • ऽ
मन्द्र		

ना . . . रे . भ ज न बी ना
१ २ ३ २ १

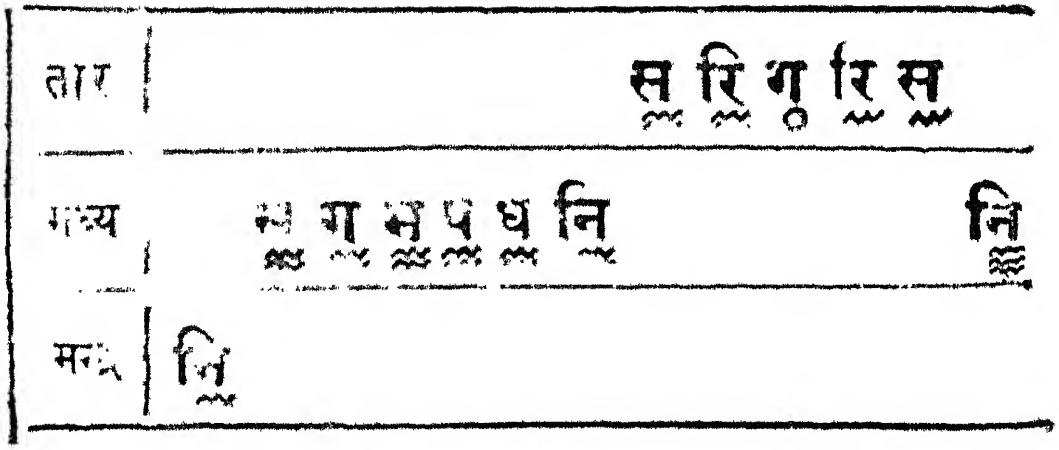

आ . . . . . भ ज न
२ ३ २

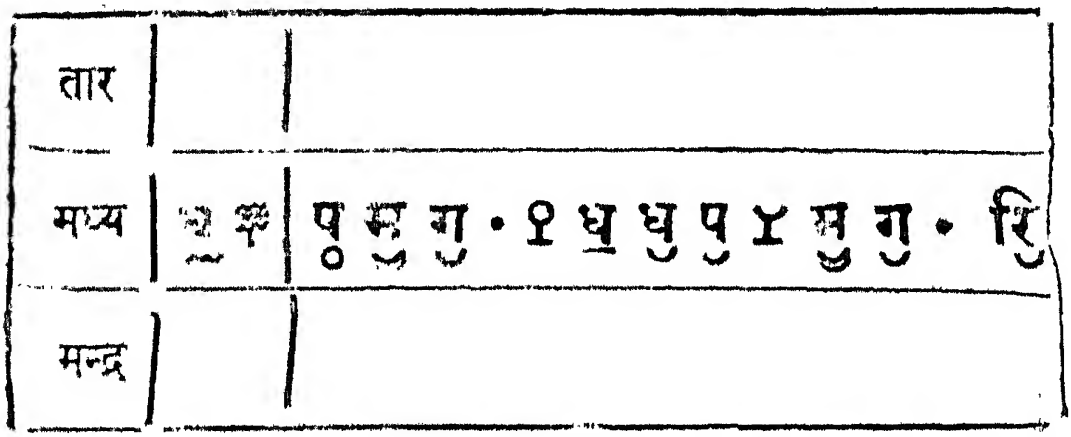

. बी ना . रे भ ज न . बि
१ २ ३ २

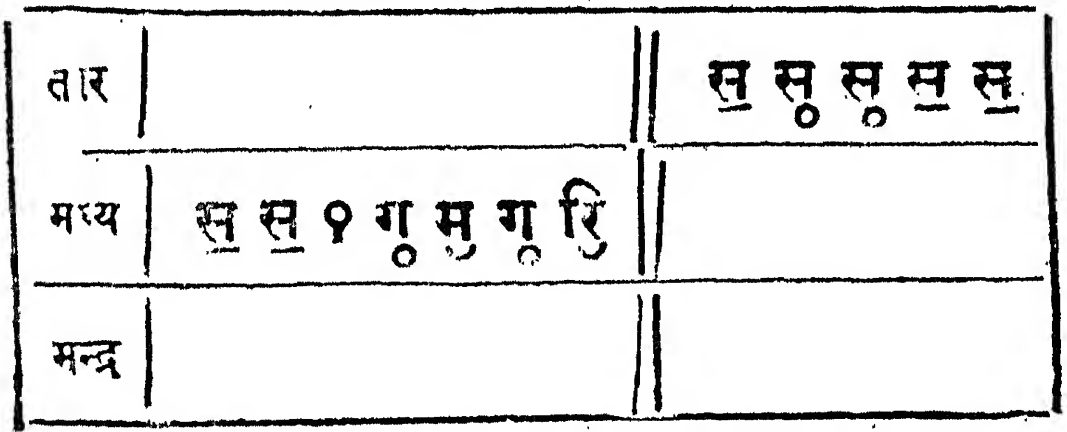

ना रे बी त ग ये दा ले अ व स्था
१ २ ३ २ १ २ ३ २

तार	स	स स स स स
मध्य	नि नि नि ध ध प • ४	
मन्द्र		

खे ल ग मा . . यो बा ले अ व स्था
१ २ ३ २ १ २ ३

तार	स स रि	स
मध्य	नि ध प म ग म ध नि नि	
मन्द्र		

आ . . . . . .
१ २ ३ २ १

तार	स स स स स • ४	स
मध्य		नि नि नि ध ध
मन्द्र		

बा ले अ व स्था खे ल ग मा . .
२ ३ २ १ २ ३

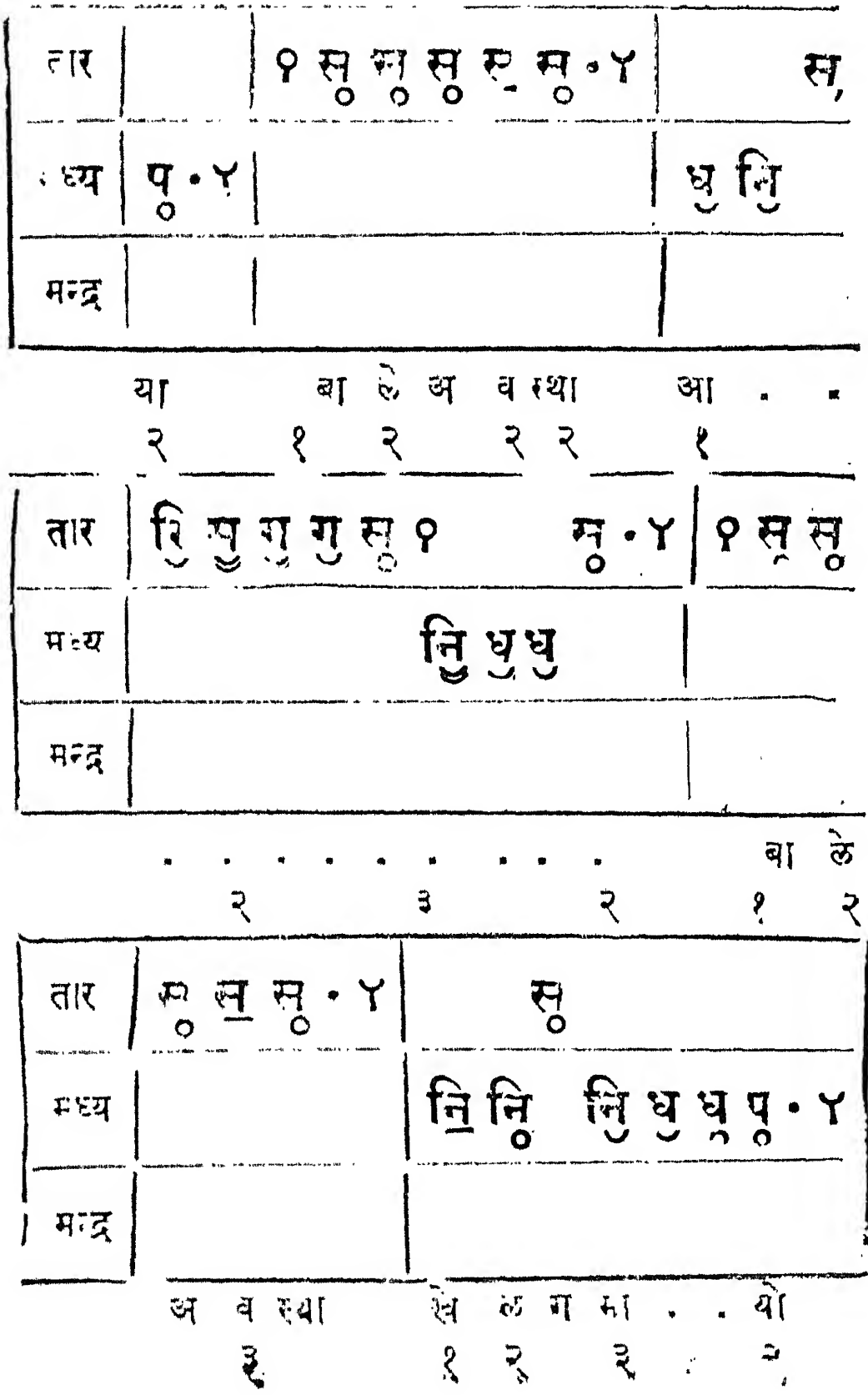
तार
मध्य
मन्द्र
या बा ले अ व स्था आ . .
२ १ २ २ २ १
तार
मध्य
मन्द्र
. . . . . बा ले
२ ३ २ १ २
तार
मध्य
मन्द्र
अ व स्था खे ल ना . . यो
३ १ २ ३ . २

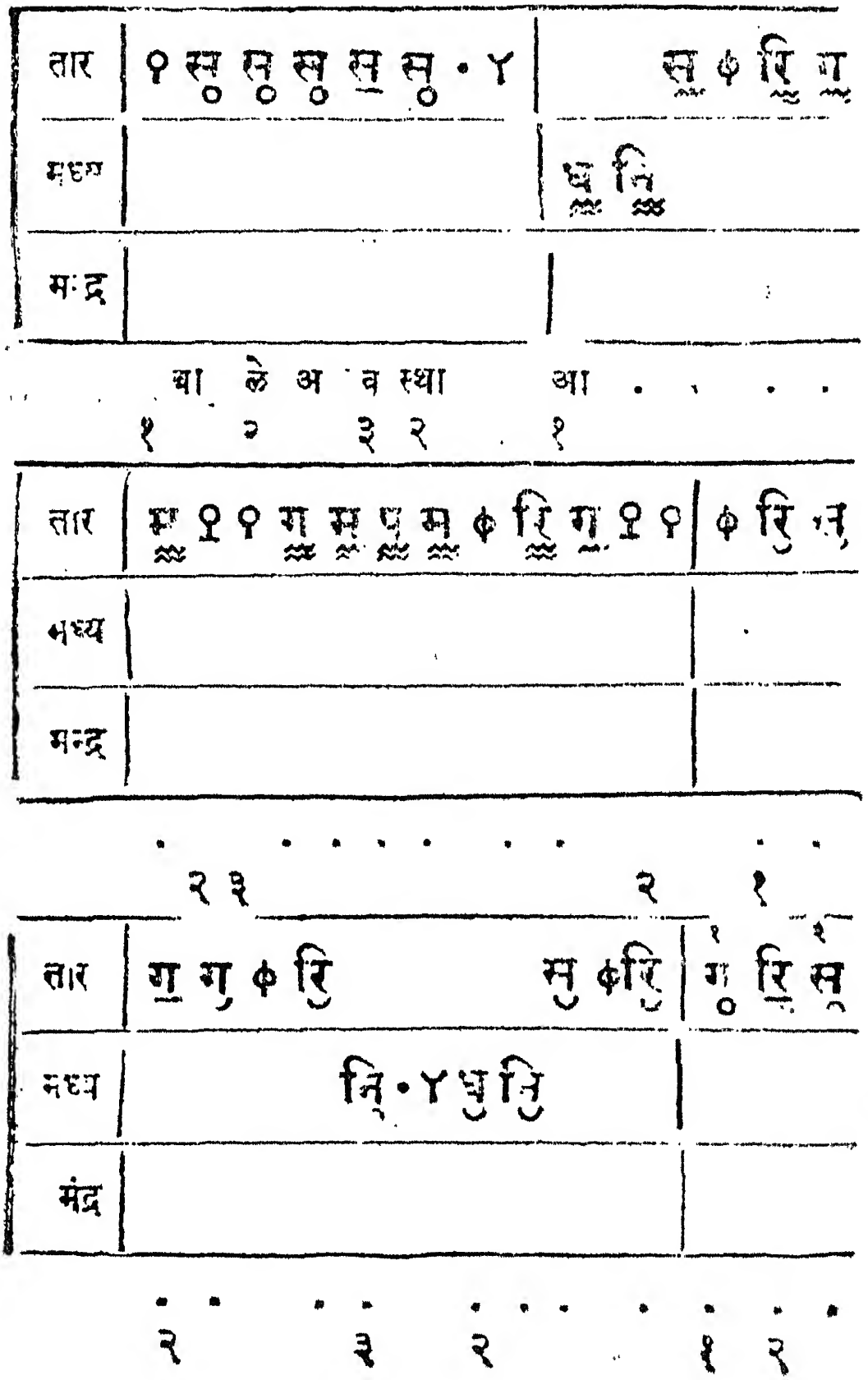
तार
मध्य
मंद्र
बा ले अ व स्था
आ
तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मंद्र

तार	स स
मध्य	ध नि ध प म ग रि स ध प म ग
मन्द्र	

. . . . . भ ज न

२ २

तार			
मध्य	ग • ४ रि	स स • ४ ९ ग म ग रि	
मन्द्र			नि

बि ना रे बि त ग ये आ

१ २ ३ २ १

तार	
मध्य	स ग स ग म ग म प म प ध प ध नि ध
मन्द्र	

. . . . . .

२ ३

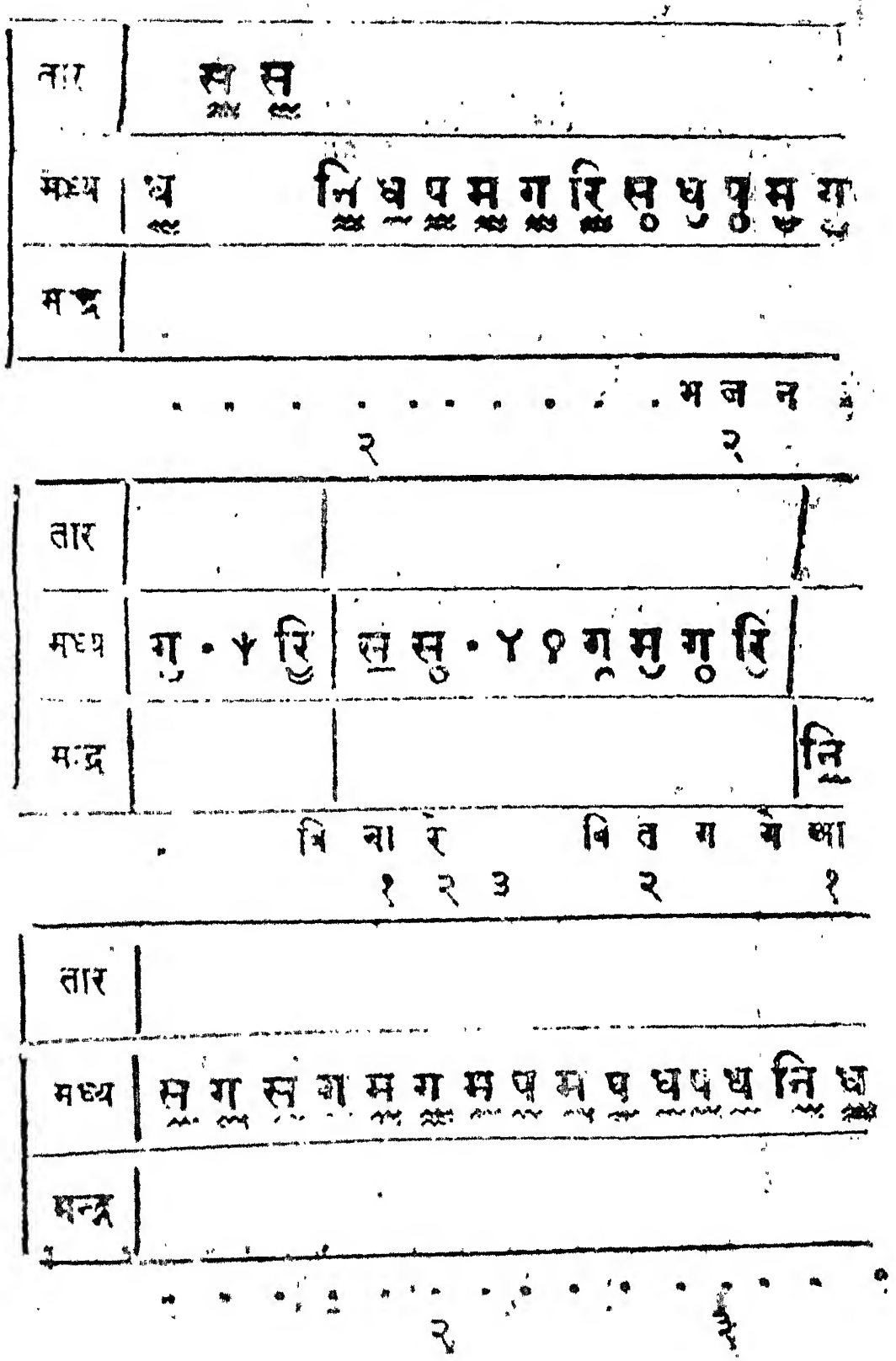

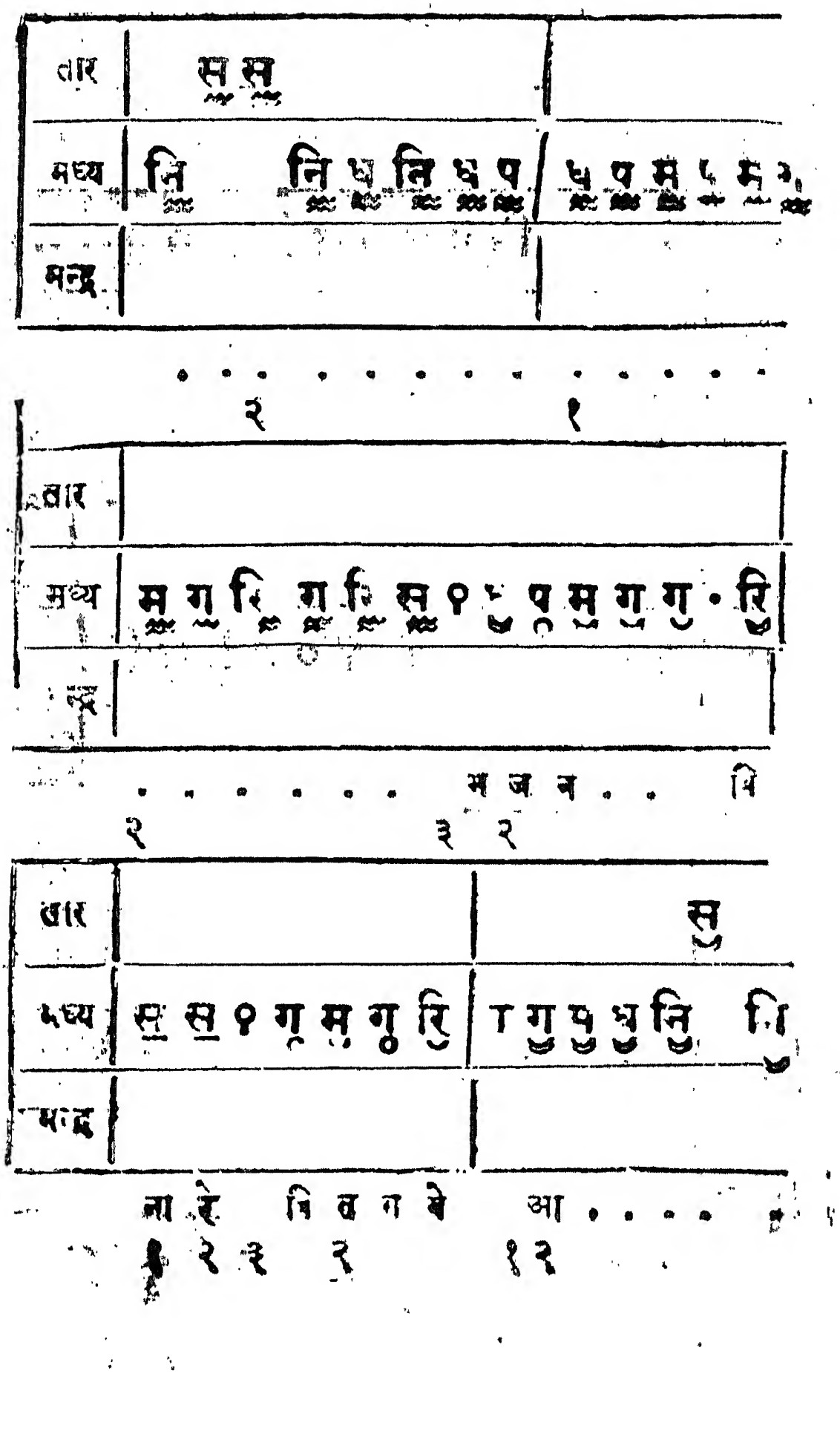
तार
मध्य
मन्द
. . . . . .
२ १
तार
मध्य
मन्द
. . . . . म ज न . . मि
२ ३ २
तार
मध्य
मन्द
ना रे नि व ग बे आ . . . .
२ २ २ १ २

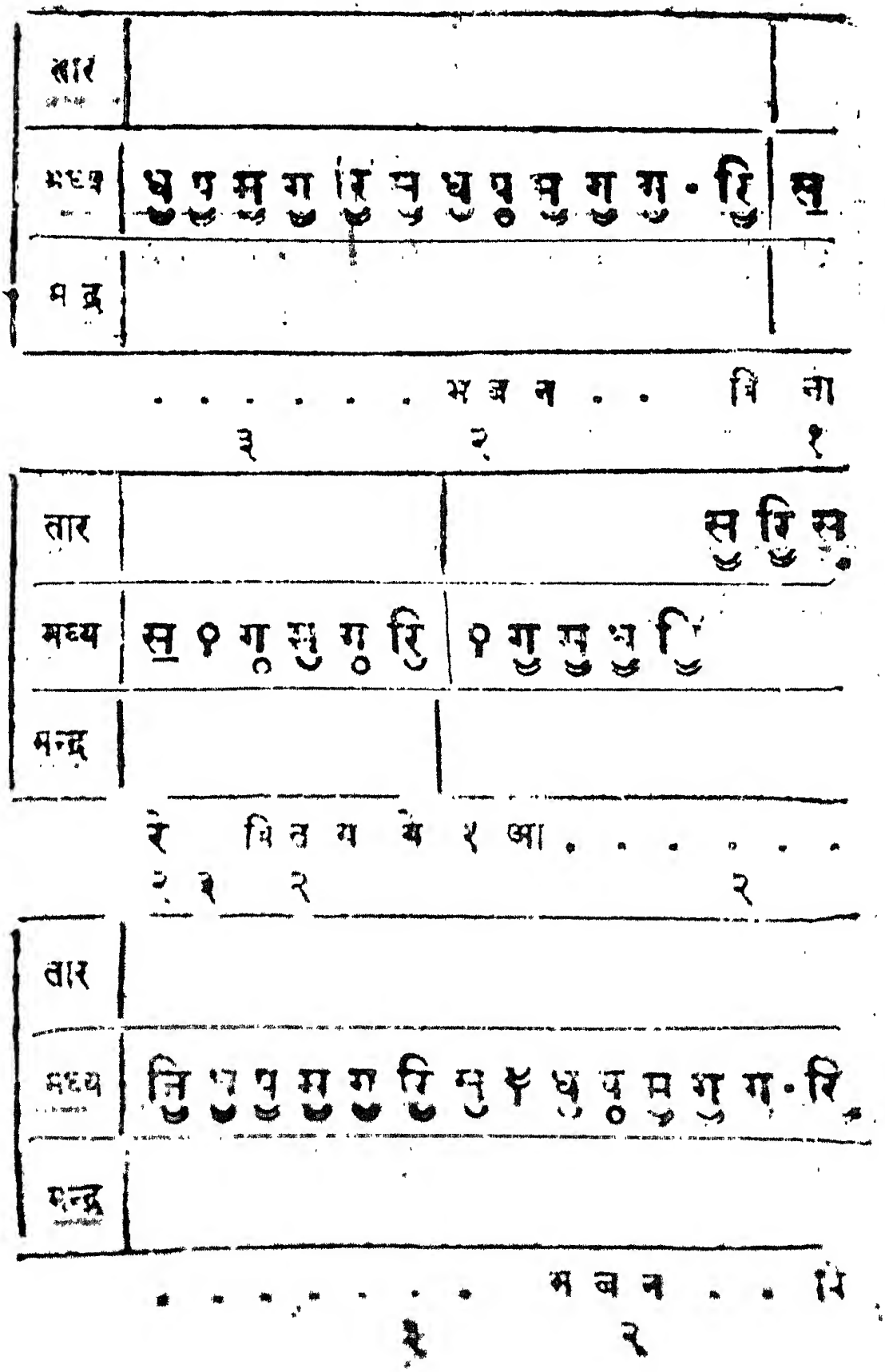
तार
मध्य
मन्द्र
. . . . . भ ज न . . नि ना
३ २ १
तार
मध्य
मन्द्र
रे वि न य के ए आ . . . . . .
२ १ २ २
तार
मध्य
मन्द्र
. . . . . भ ज न . . रि
१ २

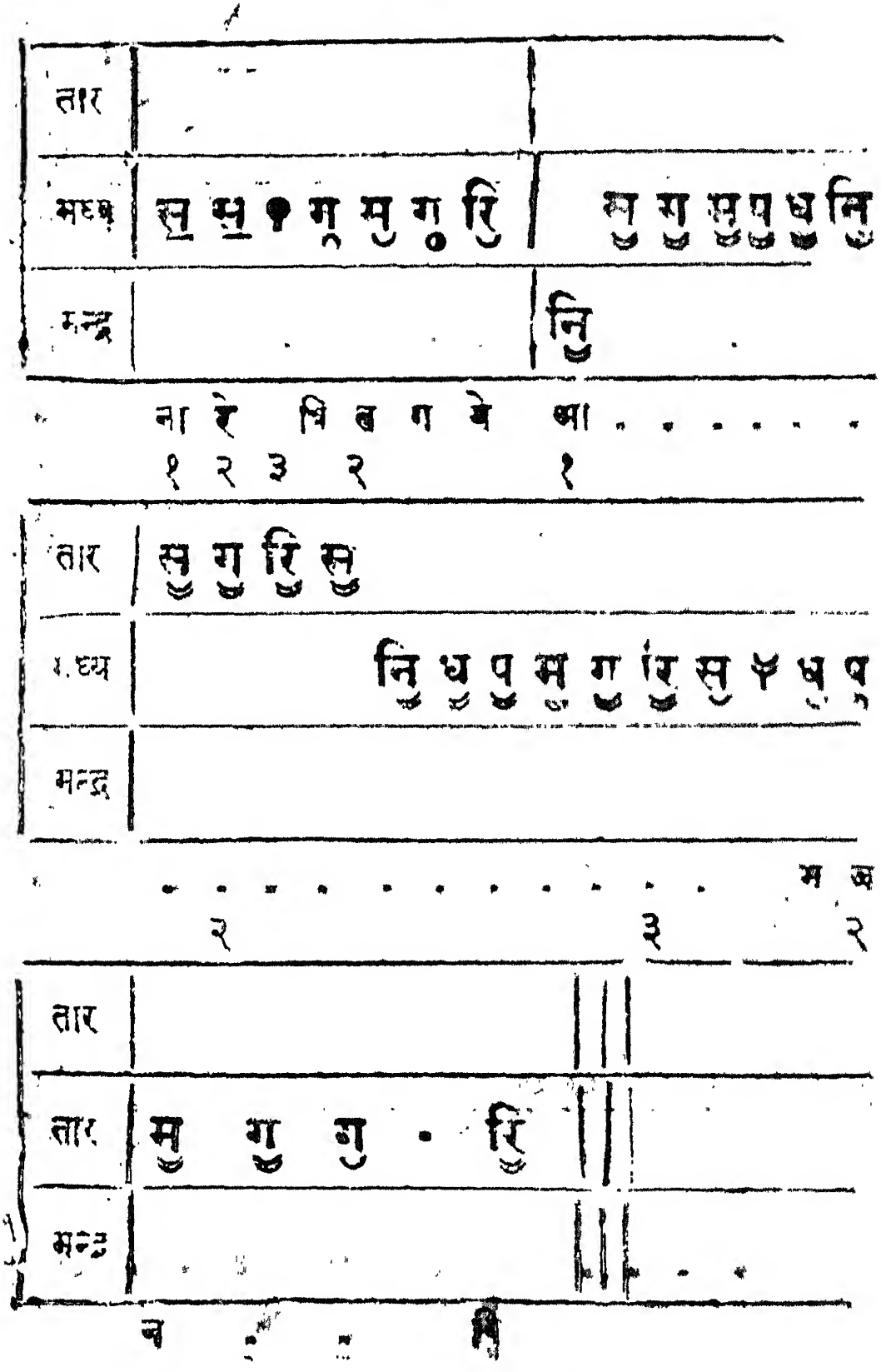
तार
मध्य
मन्द्र
नि
ना रे नि ह ग वे आ
१ २ ३ २ १
तार
मध्य
मन्द्र
म ग
२ ३ २
तार
तार
मन्द्र